जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 16 संख्याः 100 प्रभात चूरू, मंगलवार 6 अगस्त, 2024 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

बांग्लादेश का घटनाक्रम, भारत के लिये बहुत महत्वपूर्ण है

भारत की पहली प्राथमिकता है, इस बात की चौकसी रखना कि, कोई अन्य देश, मुख्य रूप से पाकिस्तान व चीन, अशांत परिस्थिति का लाभ उठाते हुए, बांग्लादेश में अपनी चौधराहट स्थापित करने का प्रयास न करें

- हाल ही में निवर्तमान प्र.मंत्री शेख हसीना चीन गई थीं, राष्ट्रपति शी से मिलने, पर, वे चीन के दबाव में नहीं आयीं, बांग्लादेश के बड़े-बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजैक्ट में चीन को सर्वाधिकार कन्सैशन देने के लिए।
- शेख हसीना के बहुत अच्छे संबंध रहे हैं भारत से तथा वे अब बांग्लादेश छोड़कर भारत आयी हैं। अतः भारत के लिये अति महत्वपूर्ण यह भी है कि बांग्लादेश में विकसित होने वाली व्यवस्था व शेख हसीना के बीच बारीक संतुलन बनाकर रखे।
- इस संदर्भ में यह भी उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने प्र.मंत्री से लम्बी मुलाकात कर इस घटनाक्रम की सभी बारीकियां स्पष्ट की हैं प्र.मंत्री के सम्मुख।
- चर्चा है कि भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने दिल्ली में शेख हसीना से मुलाकात की है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अगस्त। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपना देश छोड़ कर भारत में शरण ली है। भारत की जिम्मेदारी है कि इसके विपरीत प्रभाव को नियंत्रित करे। बांग्लादेश में सेना ने सत्ता पर नियंत्रण कर लिया है।

बांग्लादेश में स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों को आरक्षण दिलाने के सरकार के निर्णय पर देश भर में महीने भर से विरोध प्रदर्शन हो रहा है, लेकिन गत दो दिनों के हालात ने प्रधानमंत्री शेख हसीना के लिए देश छोड़ने के हालात बना दिए।

खबरों के अनुसार, बांग्लादेश सेना प्रमुख राष्ट्रपति से मिले और निर्वाचित प्रतिनिधियों की चुनी हुई सरकार बनाने के विकल्पों पर बात की। बांग्लादेश के हालात और शुरुआती रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि वहां अराजकता पनप रही है।

बांग्लादेश के घटनाक्रम का भारत पर, खास कर बंगाल पर भारी प्रभाव पड़ेगा। सीमा सुरक्षा बल ने सीमा पर, सुरक्षा बढ़ा दी है। भारत और बांग्लादेश की सभी रेल सेवाएं फिलहाल रद्द कर दी गई हैं। ढाका हवाई अड्डा बंद है और फिलहाल दोनों देशों के बीच विमान सेवा भी बंद है।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत से अच्छे संबंध हैं, उनके अचानक सत्ता से बेदखल होने से भारत के लिए वहां हालात मुश्किल बन जाएंगे। बदले हालात में भारत को नई सरकार के साथ नए सिरे से रिश्ते बनाने होंगे और वह आसान नहीं होगा क्योंकि बांग्लादेश में कई ताकतें हैं, जो भारत के खिलाफ काम कर रही हैं।

बदले हालात में भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी अन्य देश, चीन या पाकिस्तान इस मुसीबत में फायदा उठाने की कोशिश न करें। यह भारत के लिए बड़ा खतरा हो सकता है क्योंकि पूर्व सरकार के साथ भारत से हमेशा के अच्छे रिश्ते रहे हैं।

हाल ही में जब शेख हसीना चीन गई थीं और शी जिनपिंग से मिली थीं तो बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजैक्ट चीन को देने और चीन को काफी राहतें देने के दबाव में नहीं आईं थीं।

प.बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले ही बांग्लादेश के साथ भारत के रिश्ते बिगाड़ने की कोशिश कर चुकी हैं। जब उन्होंने बांग्लादेश के विरोध प्रदर्शन से पीड़ित लोगों को बंगाल में शरण देने की अपील की थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आर.सी.ए. को भंग करने के खिलाफ अपील पर सुनवाई टली

जयपुर, 5 अगस्त (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन(आर.सी.ए.) को भंग करने के मामले में दायर अपील पर सुनवाई 12 अगस्त तक टाल दी है। मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस गणेश मीणा की खंडपीठ के समक्ष महाधिवक्ता ने जवाब पेश करने के लिए समय मांगा। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई टाल दी।

- इस मामले में महाधिवक्ता द्वारा जवाब पेश करने के लिए समय मांगे जाने पर हाई कोर्ट ने सुनवाई 12 अगस्त तक टाल दी है।

अपील में कहा गया कि सहकारिता रजिस्ट्रार ने गत 28 मार्च को एसोसिएशन भंग कर दी थी। इसके खिलाफ दायर याचिका को एकलपीठ ने यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि उन्हें रजिस्ट्रार के आदेश के खिलाफ अपीलीय अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति रखनी चाहिए थी। जबकि, खेल परिषद की शिकायत पर ही रजिस्ट्रार ने एसोसिएशन को भंग किया था। ऐसे में अपीलीय अधिकारी के तौर पर खेल सचिव के समक्ष याचिका दायर करने का कोई औचित्य ही नहीं है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांग्लादेश का घटनाक्रम एक अन्तर्राष्ट्रीय साजिश है?

ऐसा लगता है कि साजिश का मन्तव्य पूरे भारतीय उपमहाद्वीप को अशांत बनाना है

- पूरे देश में हिन्दू मंदिरों, रामकृष्ण मिशन व भारत सेवाश्रम संघ के प्रतिष्ठानों पर हमले हुए हैं।
- यह भी धारणा बन रही है कि पश्चिमी देश तथा कुछ ''मिडिल ईस्ट'' ताकतें इस साजिश से जुड़ी हुई हैं।
- वैसे भी बांग्लादेश में मुख्य आंदोलनकारी संगठन जमात व बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी भारत के खिलाफ ही रही हैं।
- प्रदर्शनकारियों में कुछ भारत विरोधी भावनाएं भी देखी गई, जैसे- ढाका के इंदिरा गांधी सैन्टर में प्रदर्शनकारियों ने तोड़फोड़ की, जो पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, जिन्होंने बांग्लादेश को स्वतंत्र देश बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थीं, की याद में बनाया गया था बांग्लादेश की आज़ादी के महानायक शेख मुजीबुर रहमान की प्रतिमा को भी नष्ट कर दिया गया।
- ऐसा माना जा रहा है कि अब बांग्लादेश कट्टर इस्लामिक प्रभाव में आयेगा।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अगस्त। शेख हसीना सरकार के एकाएक हुये पतन को इस पूरे उपमहाद्वीप को बेचैन कर देने वाली किसी अन्तर्राष्ट्रीय साजिश की पराकाष्ठा के रुप में देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस घटना पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर तथा अन्य वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों के साथ विचार-विमर्श करना शुरु कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, वहाँ हिन्दू अल्पसंख्यक प्रचंड हमलों का शिकार पहले से ही हो रहे हैं। भारत में रह रहे कुछ बाँग्लादेशी नागरिक आंदोलनकारियों के समर्थन में बोल रहे हैं।

कुछ लोगों का कहना है कि इस घटनाक्रम में पश्चिम शामिल है। यह संभव है कि कुछ पश्चिमी सूत्र तथा मध्य-पूर्व की कुछ ताकतें इसमें लिप्त हो सकती हैं।

अराजक बाँग्लादेश पड़ोसी के लिये एक बड़ा सिर दर्द बन सकता है।

ज्ञातव्य है कि बाँग्लादेशी संगठन 'जमात' तथा वहाँ का विपक्षी दल 'बाँग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी (बी.एन.पी.) भारत के विरुद्ध हैं।

वर्तमान आंदोलन के कुछ तौर - तरीके ऐसे हैं जो भारत को व्याकुल कर देने वाले हैं। आंदोलनकारियों ने ढाका के उस 'इन्दिरा गांधी सैंटर' को बेरहमी से ध्वस्त कर दिया है, जिसने बाँग्लादेश मुक्ति आंदोलन के समय तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री के योगदान का यशोगान किया था।

और भी ज्यादा परेशान करने वाला वह हमला है, जो देश के सर्वाधिक प्रतिष्ठित एवं प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, शेख मुजीबुर्रहमान की स्मृतियों के जुड़ी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस ने शिवराज सिंह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव रखा

मध्य प्रदेश के पूर्व मु.मंत्री दिग्विजय सिंह ने विशेषाधिकार प्रस्ताव लोकसभा में रखा

- दिग्विजय सिंह ने प्रस्ताव में कृषि मंत्री शिवराज पर संसद में झूठ बोलने का आरोप लगाया है।
- दिग्विजय सिंह के अनुसार, कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों को एम.एस.पी. पर खरीद की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि किसानों को एस.एस.पी. से अधिक दाम तो बाज़ार में वैसे ही मिल रहे हैं।
- दिग्विजय सिंह ने ऐसे कई और दृष्टांत पेश किये, जब शिवराज सिंह ने गलत जानकारी दी थी।
- जैसा कि विदित ही है, कांग्रेस ने प्र.मंत्री मोदी के खिलाफ भी विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव स्वीकृति के लिये स्पीकर के ऑफिस को भेज रखा है, क्योंकि अभी तक विशेषाधिकार हनन के संबंध में कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली,5 अगस्त। कांग्रेस पार्टी ने एक और विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव रखा है, इस बार यह प्रस्ताव केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ है।

कांग्रेस ने पूर्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव रखा था। सूत्रों का कहना है कि विशेषाधिकार प्रस्ताव अभी भी विचाराधीन है क्योंकि लोकसभा स्पीकर के कार्यालय से कांग्रेस द्वारा रखे गए प्रस्ताव के बारे में कोई सूचना नहीं मिली है।

पता चला है कि संसद की विशेषाधिकार कमेटी का अभी तक भी गठन नहीं हुआ है और विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव का मसला तब ही उठाया जा सकता है, जब समिति का गठन हो जाए।

कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है।

गौरतलब है कि दोनों नेता मध्यप्रदेश से हैं तथा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं और दोनों के बीच हमेशा से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा रही है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा दावा करते रहे हैं कि किसानों को इनपुट लागत और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर ग्रामीण सीट के लोकसभा चुनाव नतीजे को चुनौती

जयपुर, 5 अगस्त (का.सं.)। जयपुर ग्रामीण लोकसभा चुनाव में पराजित कांग्रेस प्रत्याशी अनिल चोपड़ा ने राजस्थान हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दायर की है। जस्टिस उमाशंकर व्यास ने इस याचिका पर 13 अगस्त तक सुनवाई टाल दी है। याचिका में विजयी सांसद राव राजेन्द्र सिंह और मुख्य निर्वाचन अधिकारी सहित अन्य को पक्षकार बनाया गया है।

- कांग्रेस के प्रत्याशी अनिल चोपड़ा, जो मात्र 1,615 मतों से हारे थे, ने याचिका दायर की है, जिस पर 13 अगस्त को सुनवाई होगी।

याचिका में कहा गया कि चुनाव परिणाम के लिए की गई मतगणना में काफी अनियमिताएं हुई हैं। ऐसे में चुनाव परिणाम को रद्द कर ई.वी.एम. और पोस्टल बैलेट के मतों की गणना पुनः की जाए। इसके अलावा, पूरी मतगणना की प्रक्रिया के सी.सी.टी.वी. फुटेज भी अदालत में पेश किए जाएं। याचिका में कहा गया कि उन्हें (अनिल चोपड़ा को)

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पर्यटन की दृष्टि से किया गया ओवर एक्स्प्लॉयटेशन वायनाड दुर्घटना का कारण है'

पर्यावरण विशेषज्ञों ने पर्यटन के लिए किए जा रहे विकास पर रोक लगाने की मांग कई बार की, पर वायनाड के लोगों ने ही इसे ठुकरा दिया

- स्थानीय लोगों का कहना था कि पर्यटन से रोजगार मिल रहा है। उनका कहना सही हो सकता है, पर, यह भी सत्य है कि जरूरत से ज्यादा पर्यटन व इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के कारण ही ''लैण्ड स्लाइड'' हुआ।
- वैस्टर्न घाट की पहाड़ियों में स्थित वायनाड में हमेशा बरसात में लैण्ड स्लाइड होता है, पर, इस बार वायनाड के वो भाग भी विनाश की चपेट में आए, जहां कभी लैण्ड स्लाइड नहीं हुआ था।
- इस संदर्भ में 2011 में केन्द्र सरकार द्वारा गठित कमेटी की रिपोर्ट का जिक्र किया जा रहा है, जिसमें वैस्टर्न घाट में सड़क, रेल विस्तार तथा खनन पर प्रतिबंध लगाने की बात कही गई थी, पर, केरल सरकार ने वह रिपोर्ट ठुकरा दी थी।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अगस्त। जुलाई के उस विनाशकारी दिन भोर होने से पहले ही, केरल के वायनाड जिले के कई गाँव भूस्खलन की चपेट में आ गये। घनघोर बरसात के कारण हुये भूस्खलनों से पहाड़ियां ढह गईं तथा चट्टानें, मिट्टी और पानी के प्रवाह ने अपने प्रचंड वेग से सब कुछ नष्ट और ध्वस्त कर दिया। इस महाविपदा में कम से कम 386 लोग मारे जा चुके हैं, 273 से अधिक लोग घायल हो गये हैं तथा 180 लोग लापता हैं। इस प्रकार, यह विपदा केरल के इतिहास की सर्वाधिक घातक प्राकृतिक आपदा बन गई है।

वैस्टर्न घाट की पहाड़ियों में स्थित वायनाड में मानसून के मौसम में भूस्खलन की घटनाएं खासतौर से संभावित रहती हैं और 29 जून को लगातार मूसलाधार बरसात के कारण, राहत शिविरों में रह रहे लोगों को शिविर खाली करने पड़े थे। जिला प्रशासन द्वारा 'अलर्ट' कर दिये जाने के बावजूद, कोराल्माला गाँव के बहुत से लोग अपने घरों में ही बने रहे, क्योंकि यह क्षेत्र भूस्खलन संभावित क्षेत्र के रूप में चिन्हित नहीं था। भूस्खलन से दो दिन पहले, इस क्षेत्र में करीब 570 मिमी. वर्षा हुई।

वायनाड में हुई इस दुर्घटना के रूप में, पर्यटन को मद्देनजर रखते हुए किये गये विकास के परिणाम एक बार फिर सामने आ गये हैं। इस विकास की सनक में, इस क्षेत्र की पर्यटकों की संख्या को वहन करने की क्षमता की अनदेखी की गई तथा कथित विकास तथा क्षेत्र की क्षमता की अनदेखी, हाल ही के दिनों में भारत को प्रभावित करने वाली मौसम संबंधी बहुत बड़ी और दुखान्त घटनाओं की श्रृंखला का हिस्सा बन गई है।

वर्ष 2011 में इकोलॉजिस्ट माधव गाडगिल के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने एक समिति का गठन किया था, जिसने वैस्टनर्न घाट की इकोलॉज़िकल संवेदनशीलता का परीक्षण किया था, उसने सम्पन्न-संभ्रांत लोगों और तत्कालिक स्थानीय लोगों, दोनों के कारण पर्यावरण को खतरनाक नुकसान पहुंचने की बात को उजागर किया था। कमेटी ने इस नुकसान को दुखद माना था, क्योंकि दक्षिण भारत की परिस्थिति व अर्थव्यवस्था में वैस्टर्न घाट की व्यापक भूमिका है। इस समिति ने खनन बंद करने, नई रेल लाइनें बिछाने और संवेदनशील क्षेत्रों में बड़े रोड बनाने पर प्रतिबंध की सिफारिश की थी, इसके साथ ही संरक्षित क्षेत्रों में विकास पर अंकुश लगाने की भी सिफारिश की थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल ने की जयशंकर से मुलाकात

नयी दिल्ली, 05 अगस्त। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की और बंगलादेश के राजनीतिक हालात पर विचार विमर्श किया।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, गांधी ने संसद भवन परिसर में विदेश मंत्री से मुलाकात की और वहां के हालात पर चर्चा की।

- विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने विदेश मंत्री जयशंकर के साथ बांग्लादेश के राजनैतिक हालात पर चर्चा की।

बंगलादेश में प्रदर्शनकारियों द्वारा संसद भवन तथा आसपास के इलाकों पर कब्जा करने के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा पद से इस्तीफा देने और सेना के विशेष विमान से भारत के लिए रवाना होने के बाद गांधी ने विदेश मंत्री से मुलाकात की।

बांग्लादेश में भारी बवाल, प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश छोड़ा, सेना ने कमान संभाली

फिलहाल वे भारत में हैं और स्थायी व्यवस्था होने तक यहीं रहेंगी

- गत एक माह से बांग्लादेश भारी हिंसा से जूझ रहा है, पर, आज हालात चरम पर पहुंच गए, लाखों प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री आवास की ओर बढ़ने लगे। बताया जाता है कि तब सेना प्रमुख की सलाह पर शेख हसीना ने इस्तीफा दिया और देश छोड़ दिया, सेना ने ही उनके सुरक्षित निकलने की व्यवस्था की।
- शेख हसीना के इस्तीफे के बाद प्रदर्शनकारी जश्न मनाने लगे, उन्होंने बांग्लादेश की आज़ादी के महानायक शेख मुजीबुर रहमान की मूर्ति भी गिरा दी।
- बांग्लादेश के सेना प्रमुख वकार-उज-ज़मान ने शेख हसीना के इस्तीफे और देश छोड़ने की पुष्टि की तथा लोगों से हिंसा रोकने की अपील की।
- बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ शुरु हुए छात्र विरोध ने भारी दमन के बाद हिंसक रूप ले लिया। इस हिंसा में कई लोग मारे जा चुके हैं।

-सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अगस्त। बांग्लादेश में एक माह तक चले छात्रों के हिंसक विरोध प्रदर्शन और हिंसा के बाद सोमवार को बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजिद ने प्रधानमंत्री पद से त्याग पत्र दे दिया और सेना प्रमुख वकार-उज़-ज़मान के हस्तक्षेप के बाद अपनी बहन शेख रेहाना के साथ देश छोड़कर भाग गईं। इससे पहले, ढाका में प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री आवास पर हमला बोल दिया।

इस बीच, ज़मान ने इस खबर की पुष्टि कर कहा कि शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया है तथा देश छोड़ कर चली गई हैं। यहां पहुंच रही मीडिया की खबरों के अनुसार, उन्होंने कहा है कि शीघ्र ही देश में एक अन्तरिम सरकार का गठन किया जाएगा।

ज़मान ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ''पी.एम. हसीना ने इस्तीफा दे दिया है, अन्तरिम सरकार देश में शासन चलाएगी। हम देश में वापस शान्ति की बहाली करेंगे। हमने देश की जनता से हिंसा बंद करने को कहा है। हम सभी हत्याओं की जांच करेंगे जो कि पिछले कुछ सप्ताहों के दौरान हुई हैं।''

ज़मान ने कहा कि देश में कर्फ्यू या किसी प्रकार का आपातकाल लगाने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि आज रात तक सेना इस वर्तमान संकट का समाधान निकाल लेगी।

शेख हसीना के लिए अगस्त माह एक बार फिर घातक सिद्ध हुआ है क्योंकि उनके पिता बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुज़िबुर रहमान की हत्या भी वहां 15 अगस्त 1975 को हुई थी।

बांग्लादेश में इस घटना के बाद कानून व व्यवस्था की बिगड़ी हुई स्थिति के मद्देनज़र भारत में भी सीमा सुरक्षा बल ने भारत-बांग्लादेश की सीमा को लेकर हाईअलर्ट जारी किया हैं। बी.एस.एफ. के महानिदेशक भी इस बीच कोलकाता पहुंच गए हैं।

खबरों के अनुसार, शेख हसीना उनकी छोटी बहिन शेख रेहाना के साथ सेना के हैलिकाप्टर में सवार होकर सोमवार को दिन के लगभग 02.30 बजे बांग्लादेश से ''सुरक्षित स्थान'' के लिए निकल गईं।

बांग्लादेश में रविवार को पूरे दिन भारी हिंसा हुई और पूरे दिन चले संघर्ष में 14 पुलिसवालों सहित, 100 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर गए और उन्होंने पुलिस एवं सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हमला बोल दिया, कुछ पार्टी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बेसमेंट में विद्यार्थियों की मौत, एक्शन में सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, 05 अगस्त। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली के राजेंद्र नगर इलाके में एक निजी कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में गत 27 जुलाई को पानी में डूबकर तीन विद्यार्थियों की मौत के मामले में सोमवार को स्वतः संज्ञान और नोटिस जारी किया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने स्वतः संज्ञान लेते हुए केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी कर उनसे सुरक्षा मानदंडों पर जवाब मांगा। पीठ ने उनसे पूछा है कि, सभी कोचिंग सेंटरों में किस तरह के पर्याप्त सुरक्षा मानदंडों का पालन किया जा रहा है।

- सुप्रीम कोर्ट ने घटना का स्वतः संज्ञान लिया तथा केन्द्र सरकार व दिल्ली सरकार को नोटिस भेजा।

शीर्ष अदालत ने दिल्ली में तीन भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस)

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK CMYK

विचार बिन्दु

महान विचार ही कार्य रूप में परिणत होकर महान कार्य बनते हैं। –विनोबा

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक और क्रांतिकारी निर्णय

1 अगस्त 2024 को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की सात सदस्य पीठ ने 6-1 के बहुमत से आरक्षण से सम्बंधित एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी फैसला दिया है। इस पीठ में मुख्य न्यायाधीश डॉक्टर डी वाई चंद्रचूड़कर के अतिरिक्त अन्य न्यायाधीश थे, न्यायमूर्ति गवाई, न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पंकज मित्तल, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा, और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा। इस फैसले में आरक्षण के पूरे विषय को एक नई दिशा दी है एवं वर्षों से चली आ रही आरक्षण के कारण आरक्षित वर्ग में उत्पन्न असंतुलन को सुधारने का एक अवसर दिया है।

अब तक यह माना जाता था कि अनुसूचित जाति और जनजाति का आरक्षण एक ऐसा पवित्र विषय है जिसे कोई छूना नहीं चाहता। कुछ वर्ष पूर्व उत्तर प्रदेश की सरकार ने पदोन्नति में अनुसूचित जाति, जनजाति के आरक्षण को समाप्त कर दिया था और माननीय उच्चतम न्यायालय ने भी उसे सही माना था, किंतु अनुसूचित जाति, जनजाति के द्वारा देशव्यापी प्रदर्शन और आंदोलन के परिणाम स्वरुप सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को प्रभावहीन करते हुए संसद के माध्यम से एक संविधान संशोधन कर दिया, जिसके द्वारा पदोन्नति में अनुसूचित जाति जनजाति के आरक्षण का प्रावधान कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय

पंजाब सरकार के 2006 के उस आदेश के संबंध में है जिस से सरकारी भर्तियों में अनुसूचित जातियों में से कुछ जातियों के लिए एक कोटा निर्धारित कर दिया था। इस निर्णय पर पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने इसे संविधान के विरुद्ध मानते हुए इस पर 2010 में रोक लगा दी थी। पंजाब सरकार द्वारा इस निर्णय के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में अपील प्रस्तुत की गई जिस पर फरवरी, 2024 में विस्तृत सुनवाई के पश्चात यह निर्णय दिया गया है। इस निर्णय से पंजाब सरकार के अनुसूचित जातियों में से कुछ के लिए विशेष कोटा निर्धारित करने के आदेश को सही करार दिया गया है।

यह आश्चर्यजनक है कि अब तक किसी भी राजनीतिक दल ने इस निर्णय के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं दी और चुप्पी साध ली है। शायद इसके राजनीतिक लाभ हानि का आकलन कर रहे हों। आरक्षण समर्थक विचारकों द्वारा निर्णय का विरोध किया जा रहा है और संविधान के विरुद्ध ठहराया जा रहा है। इससे पहले कि इस निर्णय के गुणवगुण पर विचार करें, इस निर्णय के प्रमुख बिंदुओं पर बात करना उपयुक्त होगा।

वर्ष 2004 में आंध्र सरकार बनाम चिन्नैया के निर्णय में उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया था कि एस सी/एस टी में वर्गीकरण संविधान सम्मत नहीं है। तब से अब तक इसी दृष्टिकोण को सही माना जाता रहा है। इस निर्णय के द्वारा अब उच्चतम न्यायालय ने अपने पुराने निर्णय को बदल दिया है एवं राज्य सरकारों द्वारा अनुसूचित जातियों/जनजातियों के उप वर्गीकरण को संविधान सम्मत माना है। उच्चतम न्यायालय ने अपने बहुमत के निर्णय से स्पष्ट कर दिया है कि सभी अनुसूचित जाति और जनजाति को एक समान नहीं रखा जा सकता एवं इनका वर्गीकरण करना संविधान की भावना के विपरीत नहीं है। पूर्व में 2004 में माननीय उच्चतम न्यायालय ने चिनाइया बनाम आंध्रप्रदेश सरकार के प्रकरण में यह निर्णय दिया था कि संविधान में जो अनुसूचित जातियां और जनजातियां दर्ज हैं, उनको विभाजित नहीं किया जा सकता, एवं यदि ऐसा किया जाता है तो यह संविधान के विरुद्ध होगा। अब सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय पीठ ने इस निर्णय को बदल दिया है एवं यह स्पष्ट कर दिया है कि सभी एस टी, एस टी जाति एक समान नहीं हैं। इनमें से कुछ जातियां गत वर्षो में मिले आरक्षण के लाभ के कारण सामाजिक एवं शैक्षिक रूप से अन्य के मुकाबले में अधिक बेहतर स्थिति में आ गई हैं। इसके फल स्वरुप, आरक्षण का अधिकांश लाभ इन्हीं जातियों ने लेना प्रारंभ कर दिया है और अन्य कई जातियों को लगभग नगण्य लाभ मिला है।

न्यायमूर्ति बी आर गवाई ने तो यहां तक कहा कि अनुसूचित / जनजाति में भी क्रीमी लेयर के सिद्धांत को लागू किया जाना चाहिए, जैसे ओबीसी के लिए किया जाता है। इसका अर्थ यह हुआ कि जिन परिवारों की आय अधिक हो गई है एवं जिनकी सामाजिक स्थिति भी सुदृढ़ हो गई है उन्हें, इसी वर्ग की अन्य जातियों के निर्धन व्यक्तियों के बराबर नहीं माना जा सकता। माननीय न्यायाधीशों ने उदाहरण देते हुए बताया कि यदि आरक्षण के कारण अनुसूचित जाति/ जनजाति वर्ग का कोई व्यक्ति आईएएस, आईपीएस या किसी अखिल भारतीय सेवा में आ जाता है एवं उसके बच्चे यदि अच्छे अंग्रेजी माध्यम के प्रतिष्ठित स्कूल में अध्ययन करते हैं तो उनकी तुलना में एस सी/ एस टी वर्ग के उन व्यक्तियों का चयन संभव ही नहीं है जो ग्रामीण इलाकों के सरकारी विद्यालयों में बिना सुविधा के पढ़कर निकलते हैं। अतः उल्लिखित जातियों को उप विभाजित करके गैर क्रीमी लेयर को आरक्षण का विशेष लाभ दिया जाना उपयुक्त होगा। उदाहरण के लिए, जनजातियों में पूर्वी राजस्थान के मीना परिवारों के अनेक सदस्य अखिल भारतीय सेवाओं में चयनित हुए हैं। जनजाति के लिए आरक्षण का अधिकांश लाभ इन्हीं के हिस्से में आता है, जबकि इनसे कहीं अधिक पिछड़े अनुसूचित जनजाति जैसे गरासिया, भील, सहरिया आदि का प्रतिनिधित्व उच्च शिक्षण संस्थानों एवं अखिल भारतीय सेवाओं एवं राज्य सेवाओं में लगभग नगण्य है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात की भी चेतावनी दी है कि उप वर्गीकरण राजनीतिक आधार पर नहीं किया जाए अपितु विभिन्न जातियों की शैक्षिक, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति की पूरी जानकारी प्राप्त करके, विश्लेषण के पश्चात सोच समझकर निर्णय लिया जाए।

> **उच्चतम न्यायालय का यह निर्णय ऐतिहासिक, क्रांतिकारी और दूरगामी प्रभाव वाला है। अब देखना यह है कि वास्तव में यह फैसला धरातल पर लागू हो पाता है या राजनीतिक स्वार्थ के कारण संसद में इसको भी उसी प्रकार बदल दिया जाएगा जैसा पदोन्नति में अनुसूचित जाति / जनजाति के आरक्षण के संबंध में किया गया था।**

यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि 70 वर्षों में आरक्षण का लाभ किसे मिल रहा है और किसे मिलना चाहिए? आरक्षण की समीक्षा के बारे में संविधान में भी प्रावधान था कि प्रत्येक 10 वर्ष में आरक्षण की समीक्षा की जाएगी ताकि उसे अधिक विधि सम्मत बनाए जा सके। दुर्भाग्य से ऐसा हुआ नहीं और आरक्षण निरंतर एक ही पद्धति के आधार पर चलता रहा। आर्थिक स्थिति से संपन्न होने के कारण कई एस सी/एस टी के बच्चे शहरों के श्रेष्ठ विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे हैं। इनकी तुलना में कई ऐसी जातियां हैं जिन्हें आरक्षण का लाभ एक भी बार नहीं मिला एवं वह अन्य की तुलना में कई अधिक पिछड़ते जा रहे हैं।

यह आश्चर्य की बात है कि निर्णय आए दो-तीन दिन हो चुके हैं किंतु अब तक किसी भी प्रमुख राजनीतिक दल की ओर से कोई प्रतिक्रिया इसके समर्थन या इसके विरोध में नहीं आई है। स्पष्ट है कोई भी दल अनुसूचित जाति और जनजाति की कमजोर जातियों को एवं इनके निर्धन व्यक्तियों को नाराज नहीं करना चाहता, क्योंकि चुनाव के समय उनकी बहुत बड़ी भागीदारी रहती है।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय सामान्य जन की वर्षों पुरानी इस मांग की पूर्ति करता है कि आरक्षण की समीक्षा विवेकपूर्ण ढंग से निष्पक्षता के साथ की जाए ताकि आरक्षण का लाभ वास्तव में उन व्यक्तियों तक पहुंचे जो अब तक इससे वंचित हैं।

यह उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का आरक्षण समर्थक कुछ विचारकों द्वारा विरोध किया जा रहा है। विरोध का एक आधार केवल यह है कि क्रीमी लेयर के व्यक्तियों की पहचान करना संभव नहीं है। हमने हाल ही में देखा है की पूजा खेड़कर के परिवार ने किस प्रकार स्वयं को गैर क्रीमी लेयर का बताते हुए ओबीसी श्रेणी में गलत लाभ लिया था, जबकि उसके पिता की संपत्ति 40 करोड़ रुपए के लगभग थी। जो व्यक्ति व्यवसाय में है, उनकी आय के बारे में आकलन संभव नहीं है। जिस प्रकार स्वयं को गैर क्रीमी लेयर का बताते हुए ओबीसी में लाभ ले लेते हैं, वैसे ही अनुसूचित जाति, जनजाति में भी ग़ैर क्रीमी लेयर का लाभ लिया जा सकता है।

माननीय उच्चतम न्यायालय ने सरकार को यह निर्देश भी दिए हैं कि उपवर्गीकरण का अधिकार राज्य सरकारों को है। यह अवश्य है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को धरातल पर लागू करना टेढ़ी खीर सिद्ध होगा। प्रत्येक जाति स्वयं को अन्य से पिछड़ा हुआ सिद्ध करने में लगेगी एवं सरकार के लिए स्पष्ट आंकडों के भाव में किसी भी जाति को कमजोर मानना सरल नहीं होगा। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि किसी भी जाति की ओर से सामान्यतया वही व्यक्ति पैरवी करते हैं जो प्रभावशाली पद प्राप्त कर चुके हैं। उन्हीं जातियों के कमजोर एवं पिछड़े लोगों की निर्णय में कोई भागीदारी नहीं है एवं न ही उनकी बात को गंभीरता से सरकार द्वारा सुना जाता है। जैसा किसी भी जाति को उप वर्गीकृत करके आरक्षण में आरक्षण का लाभ दिया जाना संभव नहीं होगा।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला ऊपरी तौर पर कितना ही न्याय संगत और उपयुक्त क्यों ना लगे, इसका क्रियान्वयन किस प्रकार होगा यह स्पष्ट नहीं है। माननीय न्यायालय ने स्वयं यह कहा है कि बिना वस्तुनिष्ठ आंकड़े इकट्ठे किए और बिना विश्लेषण और विवेचना के उप वर्गीकरण नहीं किया जा सकता।

भारत में जातिगत जनगणना अंतिम बार 1935 में हुई थी। कुछ वर्षों से जातिगत जनगणना की मांग कई दलों द्वारा की जाती रही है किंतु अब तक इस बारे में एक राय नहीं बन पाई है। इस निर्णय के विरोधियों का यह भी तर्क है कि एस सी/एस टी में उपवर्गीकरण की बात की जाती है तो फिर यही सिद्धांत सामान्य वर्ग पर लागू क्यों नहीं किया जाता? क्या सामान्य वर्ग के लोगों में सभी जातियों को विभिन्न प्रवेश संस्थानों और नौकरियों में प्रतिनिधित्व समान रूप से प्राप्त हो पाया है? यदि नहीं तो फिर उनमें उप वर्गीकरण की बात क्यों नहीं उठाई जाती? एस सी/एस टी के कुछ नेताओं ने इसे दलित और आदिवासियों में फूट डालने वाला निर्णय भी बताया है। निर्णय के विरोधियों का यह तर्क भी है कि एक या दो पीढ़ी के अच्छी नौकरी में आ जाने मात्र से उसकी सामाजिक वंचना समाप्त नहीं हो जाती है। जाति जनजाति का आरक्षण कोई गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम नहीं है अतः संपन्नता का मापदंड आरक्षण में लागू करना सही नहीं है। उन्हें यह पूछा जाना चाहिए कि जब नौकरियों में आरक्षण के कारण सामाजिक वंचना पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है तो फिर इसके लिए आरक्षण को इसका उपाय मानना कहां तक सही है?

भेदभाव केवल सवर्णों और अनुसूचित जातियों/ जनजातियों में ही नहीं होता। एक अनुसूचित जाति के सदस्य ही कई बार अन्य अनुसूचित जातियों के साथ अछूत सा व्यवहार करते हैं। यह तो सही है कि अनुसूचित जातियों में जितनी जातियां सम्मिलित हैं वे सभी सामाजिक और शैक्षिक रूप से समान रूप से वंचित नहीं रहे हैं।

माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के संदर्भ में ऐसा लगता है कि इंडिया गठबंधन के द्वारा उठाई गई जाति गत जनगणना की मांग सही है क्योंकि इसी के आधार पर यह पता चल पाएगा कि किस जाति की आर्थिक और सामाजिक स्थिति में, वर्षों में, कितना सुधार हुआ है?

उच्चतम न्यायालय का यह निर्णय ऐतिहासिक, क्रांतिकारी और दूरगामी प्रभाव वाला है। अब देखना यह है कि वास्तव में यह फैसला धरातल पर लागू हो पाता है या राजनीतिक स्वार्थ के कारण संसद में इसको भी उसी प्रकार बदल दिया जाएगा जैसा पदोन्नति में अनुसूचित जाति / जनजाति के आरक्षण के संबंध में किया गया था।

उच्चतम न्यायालय ने आरक्षण की समीक्षा के बारे में बहस तो छेड़ ही दी है। यह तो भविष्य के गर्भ में है कि वास्तव में ऐसा होगा या नहीं?

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

पिछले सालों में नैतिकता का स्थान अनैतिकता ने ले लिया है, जाने इसका दुष्प्रभाव

डॉ. जे.के.गर्ग

एक जमाना ऐसा भी था जब देश में जन नेता आम जनता की बात/समस्याओं को ध्यान से सुनते थे किन्तु आज सिर्फ व्यापारिक घरानों की ही बात सुनी जाती है।

एक जमाने में नेताओं का लक्ष्य गरीब से भी गरीब की भलाई के कार्यक्रमों को केंद्र में रख कर नीतियां बनाई जाती थी किन्तु आज तो सिर्फ पूंजीपतियों और उद्योगपतियों के हित साधन के लिये नीतियाँ बनाई जाती है।

किसी जमाने में नेताओं के चारों तरफ साधारण जनमानस होते थे किन्तु आज के नेताओं के चारों तरफ उनके बन्दूकधारी कमांडों ही रहते हैं।

किसी जमाने में गांधीजी जैसे जन नेताओं के नाम पर कसमे खाई जाती थी किन्तु आज के जमाने में माता आज के नेताओं का नाम लेकर अपने बच्चों को डराया करती हैं।

कोई समय था जब समाज विरोधी तत्व गुंडे/अपराधियों का घर जेल ही होता था किन्तु आज मता अधिकार प्राप्त नागरिक उन्हें ससम्मान चुनावों में जीत दिला कर लोकसभा/ विधानसभा/ नगर निगम आदि में भेजते हैं।

किसी जमाने में पंचों को परमेश्वर माना जाता था किन्तु आज पंच/सरपंच न्याय से कोसों दूर रहते हैं और सिर्फ अपने स्वार्थ के लिये न्याय का खुलेआम कत्ल करते हैं।

किसी जमाने में सिद्धांतों पर राजनीति की जाती थी, राजनेता जीवन पर्यन्त अपने अपने सिद्धांतों पर अटल रहते थे किन्तु आज तो अपने तुच्छ निजस्वार्थों के खातिर पार्टी बदल सत्ताशीन होने की होड़ मची है, कल तक वें जिन आदर्श और सिदांत का खुले आम विरोध करते आज वें ही उनका गुणगान कर उनके शरणागत होने में अपनी शान समझते हैं।

एक समय था जब अख़बारों की निती का निर्धारण अख़बार के संपादक सर्वहित में निस्वार्थ भावना से करते थे, सच्ची, सही खबरें प्रकाशित होती थी किन्तु आज औद्योगिक घराने समाचार पत्रों के सम्पादकों को अपना सेवक बना कर अख़बार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के जरीयें अपने स्वार्थ पूर्ति हेतु आधी सच्ची-झूठी खबर देकर जनमानस को भ्रमित कर अपने व्यापारिक स्वार्थ एवं अपने राजनैतिक आकाओं की जी हजुरी के लिये करते हैं। पेड न्यूज़ के जरिये सत्ता प्राप्त की जाती है। फेक न्यूज को फैलाने में मीडीया सेल मुख्य भूमिका निभाते है।

कोई समय था जब साधारण जनता भी डॉक्टर एवं शिक्षक गुरु का का दिल से आदर और सम्मान करती थी उन्हें अपना आदर्श मानती थी किन्तु आज तो डॉक्टर-गुरु को चाहिए सिर्फ पैसा-पैसा-पैसा।

एक जमाने में शिक्षक शिक्षा प्रदान करता था और शिष्य शिक्षा ग्रहण करता था किन्तु आज शिक्षक पूर्णता से व्यापारी बन गया है और शिष्य उसके उत्पाद का खरीददार हो गया है।

एक वक्त जनसंख्या एक बड़ी और विकराल समस्या बन गयी थी किन्तु आज यह एक उभरता बाज़ार बन चुका है।

एक जमाने में गोल्डन रूल से शासन चला करते थे किन्तु आज अगर आप के पास गोल्ड (सोना) हो तो ही आप शासन कर सकते हैं।

एक जमाने में जीवन मे सफलता का अर्थ था अपने सिद्धांतों एवं आदर्शों पर चल कर जीना किन्तु आज के समय सफलता अर्जन के लिये जरूरी है अपने सिद्धांतों और आदर्शों को तिलांजलि देना उन्हें पूरी तरह से भूल जाना।

एक जमाने में आदमी अपनी आत्मा के कल्याण हेतु सच कहना, सच सुनना और सच देखना आवश्यक मानता था किन्तु आज सफलता प्राप्त करने/ आगे बढने के लिये इन को तिलांजलि देकर, निजी स्वार्थ के लिये ही झूठ बोलना, झूठ सुनना और झूठ को सच बना कर प्रचार करना जायज बन चुका है।

एक जमाने में धार्मिक सहिष्णुता हमारी संस्कृति का अभिन्न होता था किन्तु आज तो धार्मिक उन्माद का बोलबाला है।

एक जमाने में सुंदरता आंखों में बसती थी किन्तु आज सुन्दरता को व्यापार एवं धन कमाने की वस्तु बना दिया गया है।

एक जमाने में सरकार निष्पक्ष/ तर्कसंगत/न्यायसंगत तरीके से काम करती थी, सेक्स के प्रदर्शन को हेय एवं गंदा माना जाता था किन्तु आज के समय इसके बारे में क्या कहा जाये, पता नहीं?

किसी जमाने में नारी का सर्वत्र सम्मान होता था किन्तु आज के वक्त में बलात्कार, अपहरण की घटनायें आम हो गई है, नारी को वास्तव में सुरक्षा एवं सम्मान प्रदान करवाने के स्थान पर इन घटनाओं का राजनीतिकरण कर राजनैतिक लाभ प्राप्त करने की कोशिश की जाती है। एक समय मे कहा जाता था कि इतिहास सच का आईना होता वो कभी झूठ नहीं बोलता किन्तु आज के जमाने मे कतिपय चाटुकार अपनी सोच/ भावनाओं के अनुसार इतिहास को बदलने की कोशिश करते हैं और सफल भी होते हैं।

एक जमाने मे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा/ प्रतिद्वंद्विता के फलस्वरूप श्रेष्ट गुणवत्ता वाले उत्पादों का निर्माण होता था किन्तु आज तो तथाकथित प्रतिस्पर्धा/ प्रतिद्वंद्विता की वजह से आदमी-आदमी के बीच ईर्ष्या/कलह उत्पन्न हो रही है, इंसानियत का जज्बा केवल कागजों में रह गया है।

एक जमाने में हमारी संस्कृति में वाणी की हिंसा को शारीरिक हिंसा से भी बुरा माना जाता था किन्तु आज के उच्चतम पद पर आसीन लोग अनर्गल आरोप-प्रत्यारोप, दोषारोपण, चरित्र हनन द्वारा जनमानस को भ्रमित कर सत्ता प्राप्त करने का कोई अवसर नहीं छोड़ते हैं, उनके लिये एन केन प्रकारेन सत्ता प्राप्त करना हीं एक मात्र लक्ष्य होता हैं।

किसी समय में कारीगर/ दस्तकार/शिल्पकार गुणवत्ता वाले उत्पाद का सर्जन कर अपने आपको गौरवान्वित अनुभव करता था किन्तु आज गुणवत्ता मात्र डिपार्टमेंटल वस्तु बन गयी है।

एक समय माउस को अछूत मैमल (स्तनधारी जीव) समझा जाता था किन्तु आज माउस को खुशी-खुशी हाथ से पकड़ कर उससे काम किया जाता है।

एक जमाना था जब बुद्धीजीवी, अपनी बुद्धि से लोगों को जागरूक करते थे, किन्तु एक जमाना अब है जब बुद्धि का प्रचार अपनी ब्रांडेड महंगे शर्ट और शर्ट पर खुलेआम हास्यास्पद तरीके से प्रदर्शित किया जाता है। आज गरीब और ज्यादा गरीब बन रहा है अमीर ज्यादा अमीर बन रहा है।

एक समय था जब हंस मोती देते थे और खुद दाना-चुनेगा खाते थे और एक जमाना अब है जब, कौवें मोती खाते हैं। समय-समय का भेद है--समय-समय का नजरिया है--सबको साधुवाद।

समय बड़ा बलवान।

–डॉ. जे.के गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा जयपुर

साइकिल यात्रा से हरिद्वार से गंगाजल लेकर उज्जैन महाकालेश्वर मंदिर में करेंगे जलाभिषेक

शाहपुरा, (निसं)। सावन मास में साइकिल से यात्रा करने वाले हरियाणा राज्य के करनाल जिले के रवि शर्मा का शाहपुरा पहुंचने पर श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के कोषाध्यक्ष राजेश मंडोवरा के नेतृत्व में सचिव अनिल कुमार नरवल के मुख्य अतिथि में श्याम बाबा का दुपट्टा व माला पहनाकर अभिनंदन किया गया। श्याम मंदिर कमेटी के कोषाध्यक्ष राजेश मंडोवरा व सचिव अनिल कुमार नरवल ने बताया कि रवि शर्मा साइकिल यात्रा से हरिद्वार से गंगाजल लाकर उज्जैन महाकालेश्वर मंदिर में शिव जी का जलाभिषेक करेंगे। गंगाजल का कलश साइकिल पर बांधकर यात्रा कर रहे है। हरिद्वार से उज्जैन महाकालेश्वर यात्रा 11 दिन में पूरी होगी। साइकिल यात्री रवि शर्मा रोजाना 100 किलोमीटर साइकिल से यात्रा कर रहे है। कोषाध्यक्ष मंडोवरा ने बताया कि इससे पहले साइकिल यात्री रवि शर्मा केदारनाथ, वैष्णो देवी व अयोध्या आदि जगह साइकिल से यात्रा कर चुके है। श्याम मंदिर कमेटी के द्वारा साइकिल यात्री रवि शर्मा को भोजन प्रसादी व रात्रि विश्राम के लिए संपूर्ण व्यवस्था की गई। स्वागत के दौरान मनीष शर्मा, रामजस यादव, मुकेश सेन, भागीरथ योगी, दिनेश सैनी, लक्ष्मी नारायण सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

हरियाणा राज्य के करनाल जिले के रवि शर्मा का शाहपुरा पहुंचने पर लोगों ने स्वागत किया।

- **रवि शर्मा इससे पूर्व केदारनाथ, वैष्णों देवी व अयोध्या साइकिल यात्रा कर चुके है।**

बीसलपुर बांध में 86 सेंटीमीटर पानी की आवक हुई

देवली (नि स) उपखंड क्षेत्र और कैचमेंट एरिया में लगातार बारिश होने की वजह से बीसलपुर बांध में सोमवार शाम 8:00 बजे तक 86 सेंटीमीटर पानी की आवक हुई है। सोमवार शाम 8:00 बजे तक बीसलपुर का जलस्तर 311 मीटर को छू गया है। शनिवार तक बीसलपुर बांध का जलस्तर 310, 14 तक स्थिर था यहां शनिवार की देर रात को शुरू हुई बारिश ने सोमवार की सुबह तक देवली उपखंड क्षेत्र को पानी से सराबोर और कर दिया। जानकारी के अनुसार उपखंड क्षेत्र में कल हुई व्यापक वर्षा के फलस्वरूप बीसलपुर परियोजना के कमाण्ड क्षेत्र में धुआँकला स्थित मोती सागर बाँध और करीमपुरा स्थित दाखियाँ बांध अपनी पूर्ण भराव क्षमता प्राप्त की और चादर चली। सोमवार को सायँ 6:00 पर मोतीसागर पर 5 इंच और दाखियाँ बांध पर डेढ़ फुट चादर चल रही थी। इधर बीसलपुर परियोजना के अधिशासी अभियंता मनीष बंसल ने जानकारी में बताया कि मोतीसागर बाँध की पूर्ण भराव क्षमता 454 और दाखियाँ बाँध की 303 है। ऐसे क्षेत्र के बांधों की स्थिति का जायजा सोमवार को लिया गया इस मौक़े पर बीसलपुर परियोजना के अधीक्षण अभियंता वीरेंद्र सिंह सागर,अधिशाषी अभियंता मनीष बंसल, सहायक अभियंता जगदीश मीना तथा कनिष्ठ अभियंता पूरण बैरवा व साहून दीन ने क्षेत्र के बांधों की भराव क्षमता और स्थिति का भी निरीक्षण किया। वही जानकारी यह भी सामने आई की

उपखंड क्षेत्र के चांदली तालाब की चादर भी चल पड़ी। यहां लोगों ने बताया कि 2 साल बाद चांदली का तालाब गत वर्ष अपनी भराव क्षमता तक नहीं भर पाया था लेकिन इस वर्ष सावन के महीने में तालाब अपनी भारत और क्षमता को पार करते हुए तालाब के ऊपर लगभग 6 से 8 इंच तक की चादर चल पड़ी।

अधीक्षण अभियंता वीरेन्द्र सिंह सागर ने बीसलपुर बांध का जायजा लिया।

राशिफल मंगलवार 6 अगस्त, 2024

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, भद्रा नक्षत्र सायं 5:44 तक, वारियान योग दिन 10:59 तक, बालव करण प्रातः 6:58 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग सायं 5:44 से आरम्भ होगा। आज चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृंगोन्नति, सिंजारा (तीज का), मंगला गौरी पूजा है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:15 से 10:54 तक, लाभ-अमृत 10:54 से 2:51 तक, शुभ 3:50 से 5:29 तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:58, सूर्यास्त 7:08

मेष

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

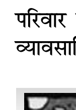

वृष

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

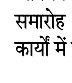

मिथुन

परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक-सामाजिक कार्य के लिए बाहर जा सकते हैं। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

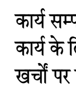

कर्क

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

सिंह

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

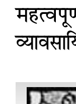

कन्या

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। पारिवारिक कारणों से मानसिक तनाव बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा।

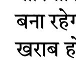

तुला

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

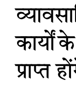

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

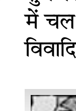

मकर

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

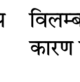

कुंभ

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

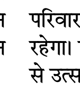

मीन

अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

सार-समाचार

राशन डीलरों की हड़ताल जारी

बीदासर, (निसं)। राजस्थान राज्य राशन संघर्ष समिति बीदासर के बैनर तले राशन डीलरों की हड़ताल सोमवार को चौथे दिन जारी रही। जिससे जरूरतमंद परिवारों को राशन सामग्री नही मिलने के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हड़ताल के चलते उपभोक्ताओं को राशन की दुकानों के चक्कर काट कर बिना राशन ही लोटना पड़ रहा है। संघर्ष समिति के बैनर तले सोमवार को तहसील क्षेत्र के राशन डीलरों ने उपखंड कार्यालय पर हाथों में तखतीयां लेकर नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन एसडीएम सुमन शर्मा को सौंप कर राशन डीलरों की चार सूत्री मांगो की समस्या का समाधान करने की मांग की है। समिति द्वारा दिए गए ज्ञापन में लिखा है कि राजस्थान की उचित मूल्य दुकानदार 1 अगस्त से अपनी चार सूत्री मांगों को लेकर कार्य बहिष्कार कर रहे है। राशन डीलरों की मांग पर सरकार और प्रशासन द्वारा सहानुभूति पूर्वक कोई विचार नही किया गया है, एवं इसके विपरीत प्रशासन द्वारा उचित मूल्य दुकानदारों के स्थान पर जीएसएस एवं अन्य संगठनों के द्वारा राशन वितरण करने के आदेश जारी किए गए है। उक्त आदेश के चलते हमारे एक उचित मूल्य दुकानदार रामेश्वर मीणा को सदमा लगने से हृदय घात होने से निधन हो गया है। समिति ने चार सूत्री मांगो के अलावा हृदय घात से हुई राशन डीलर की मृत्यु के परिवार को 50 लाख रूपये की आर्थिक सहायता तथा परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने की मांग ज्ञापन में की है। ज्ञापन देने वालों में समिति के तहसील अध्यक्ष मनोज चौधरी, कोषाध्यक्ष कैलाश राठौड़, सचिव मनीराम मेघवाल, प्रमोद जोशी, भानीराम मेघवाल, जमील तेली, परमेश्वर लाल बोहरा, मनीराम बैरासर, नेतराम मेघवाल, मुनि नाथ दुंकर, पन्ना लाल बैनाथा उपस्थित थे।

महिला की चेन तोड़कर भागे बदमाश

झुंझुनूं, (निसं)। जिले में लगातार चैन स्नेचिंग की वारदातों से महिलाओं में दहशत की स्थिति है। दो दिन पहले चिड़ावा में भरे बाजार में बदमाशों ने एक महिला की चैन स्नेचिंग की थी। अब ताजा मामला झुंझुनूं शहर का सामने आया है। जहां पर बाइक सवार दो बदमाशों ने फिल्मी स्टाइल में चलती स्कूटी पर से एक महिला की चैन तोड़ ली और भाग गए। जानकारी के मुताबिक शहर की कामिनी गुप्ता अपनी बेटी को लेकर घर जा रही थी। इसी दौरान कमल हाइट्स गाडिया भवन के पास पीछे एक बाइक आई। जिस पर दो युवक बैठे थे। इनमें से एक ने कामिनी गुप्ता के गले की चैन पर हाथ मारा और उसे तोड़कर भाग गए। हड़बड़ाई कामिनी गुप्ता ने जेके मोदी स्कूल तक दोनों बदमाशों का स्कूटी से ही पीछा भी किया। लेकिन दोनों बदमाश बाइक पर थे। जो भागने में कामयाब हो गए। इस चैन स्नेचिंग की सूचना कोतवाली को दी गई। कोतवाली पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले है। जिनमें दो बाइकर्स एक बिना नंबर की बाइक पर दिखाई दे रहे है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश में जुट गई है। तोड़ी गई चैन की कीमत डेढ से दो लाख रूपए के बीच बताई जा रही है। राखी के त्यौहार को देखते हुए बाजारों में वैसे भी महिलाओं का आना जाना हो रहा है। ऐसे में चैन स्नेचिंग की वारदातों के बाद महिलाओं में दहशत की स्थिति है। बहरहाल, पुलिस ने अज्ञात चैन स्नेचरों के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

गोशाला का किया निरीक्षण

पाटन, (निसं)। पशुपालन विभाग के जिला उपनिदेशक डॉ रणजीत मेहरानिया ने नीमकाथाना ब्लॉक की श्री गोपाल कृष्ण गोशाला सिरोही का निरीक्षण किया, जिसके तहत गोवंश के स्वास्थ्य एवं रखाव को देखा एवं रिकॉर्ड की भी जांच की । जिला उपनिदेशक ने गोवंश के बेहतर स्वास्थ्य, रख रखाव एवं गोशाला की साफ सफाई को देखकर गोशाला अध्यक्ष जयदयाल शर्मा को धन्यवाद दिया और इस वर्ष में सरकार द्वारा देय गोशाला अनुदान लेने हेतु भी प्रेरित किया तथा गोशाला को जमीन आवंटन हेतु भी सहयोग प्रदान करने का भरोसा दिलाया । ताकि राजकीय भूमि व अनुदान राशि से गोशाला की व्यवस्था को सुदृढ किया जा सके । इस दौरान गोशाला अध्यक्ष को गोवंश के अनुपात में विभाग द्वारा आवंटित लक्ष्यों के अनुसार सौ पौधे लगाने हेतु भी निर्देशित किया । गोशाला परिसर में पूर्व से लगाए गए बरगद व पीपल के पंद्रह पेड़ो का रख रखाव व बचाव की शानदार व्यवस्था से भी डॉ. मेहरानिया प्रभावित हुए और गोशाला को हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया ।

कावड़ यात्रियों का स्वागत

सीकर, (निसं)। गोपीनाथ गौ सेवा समिति के सदस्यों द्वारा तीर्थराज लोहार्गल से बाबा बलजति आश्रम तिरडोकी बड़ी के लिए महंत श्री महावीर जति महाराज से महा कावड यात्रा प्रारंभ होकर सीकर पहुंची गोपीनाथ गौ सेवा समिति के अध्यक्ष शैलेष जैन ने बताया कि इसमें भक्त तेजपाल सिंह द्धारा 111 लीटर की कावड़,नरेश सिंह द्धारा 61 लीटर की कावड व दीपेंद्र सिंह द्धारा 51 लीटर की कावड साथ में सेवक रूपेंद्र सिंह, मोहन सिंह, पार्वती सिंह, संदीप सिंह, लाल सिंह यात्रा कर रहें है गोपीनाथ गौ सेवा समिति के सदस्य श्रवण शर्मा, मानव स्वामी, परमेश्वर, विष्णु लोहिया सभी के द्वारा पूज्य कावड़ यात्रा का स्वागत किया गया।

जरूरतमंदों को भोजन सामग्री बांटी

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। सामाजिक संगठन लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट की स्थानीय शाखा ने सोमवार को जरूरतमंद परिवारों में भोजन के पैकेट वितरित किए। ट्रस्ट सहप्रभारी तनू सांखला ने बताया कि झुंझुनूं रोड स्थित झुग्गी बस्तियों में ट्रस्ट द्वारा 130 भोजन के पैकेट वितरित किए गए। उल्लेखनीय हैं कि सामाजिक संगठन लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट की ओर से तीन दिवसीय निशुल्क भोजन वितरण का कार्य संपूर्ण शेखावाटी में चलाया जा रहा हैं। इस कार्य के दौरान ट्रस्ट प्रभारी दिनेश सांखला, उपाध्यक्ष हरिराम सैन, बलवीर मांठ आदि मौजूद रहे।

सफाई कर्मचारी धरने पर बैठे

चूरू, (कासं.)। वाल्मीकि संघर्ष समिति चूरू एवं सफाई कर्मचारियों द्वारा राजस्थान सरकार द्वारा सफाई भर्ती 2023 में शत प्रतिशत सफाई कामगार समाज वाल्मीकि को प्राथमिकता देने की मांग की है। इसके अलावा समिति की ओर से 12 सूत्री मांगों को लेकर आज शीतला चौक से सैकड़ों की संख्या में महिलाओं व पुरुषों के द्वारा आक्रोश रैली निकाली गई।

शिक्षक पर हमले के मामले में तीन आरोपियों को दबोचा

सादुलपुर, (निसं)। घर से स्कूल जा रहे शिक्षक पर हुए जानलेवा हमला करने के मामले में हमीरवास पुलिस ने इनामी तथा टॉप टेन सहित वांछित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक गिरफ्तार आरोपी हरियाणा के सिवानी पुलिस थाने का एच.एस. तथा हार्डकोर आरोपी है तथा आरोपी पर विभिन्न धाराओं में 21 मामले दर्ज है। जिला पुलिस अधीक्षक चूरू ने आरोपी पर ०2 हजार का इनाम भी घोषित किया था।

- **स्कूल जा रहे शिक्षक पर सरियों और लोहे की रॉड से किया था हमला**
- **जिला पुलिस अधीक्षक चूरु की ओर से दो हजार का इनाम था घोषित**

थानाधिकारी मदलाल बिश्नोई ने बताया कि घटना के बाद जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक किशोरी लाल तथा आईपीएस प्रशांत किरण के सुपरविजन में पुलिस ने आरोपियों की धरपकड हेतु विशेष टीम का गठन किया तथा आरोपियों की तलाश के लिए हर संभावित स्थानों पर दबिश दी गई। प्रकरण में संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई। तथा घटना से सम्बन्धी सूचना इकट्ठी की गई तथा प्रकरण में वांछित आरोपी आजाद सिंह जाति जाट (32) निवासी नलोई पुलिस थाना सिवानी जिला भिवानी हरियाणा तथा बलजिंदर सिंह उर्फ कालिया जाति राय सिंह (23) निवासी सिवानी पुलिस जिला जिला भिवानी हरियाणा तथा रवि कुमार उर्फ विकास जाति बंजारा (21) निवासी सिवानी हरियाणा को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि आरोपी आजाद सिंह पुलिस थाना सिवानी हरियाणा एच एस हार्डकोर अपराधी है। जिसके खिलाफ पूर्व में डकैती हत्या मारपीट फिरौती चोरी। आर्म्स एक्ट आदि के कुल 21 मामले दर्ज हैं। उक्त आरोपी पर जिला पुलिस अधीक्षक चूरू की ओर से दो हजार का इनाम भी घोषित किया है तथा सिवानी थाने का टॉप टेन अपराधी है। थानाधिकारी ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ कर जाच शुरू की गई है। मामले में थाना अधिकारी मदनलाल बिश्नोई सहित ए.एस.आई. गोरुराम, कॉस्टेबल प्रमोद कुमार, कपिल कुमार, महेंद्र कुमार, रमाकांत साइबर सेल चूरू तथा एच.सी.सज्जन कुमार ने आरोपियों को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण भागीदारी निभाई।

शिक्षक पर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पौधारोपण के लिए सहयोग राशि दी

सुजानगढ़, (निसं)। जी.एच.एस. राजकीय महाविद्यालय में एक एक पेड मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया। प्राचार्य विनीता चौधरी ने बताया कि चितौडगढ जिले के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय धोरडिया में कार्यरत सुजानगढ निवासी पूजा कंवर ने अपनी पुत्री प्रांजलिराज सिंह के साथ एक पेड मां के नाम अभियान के तहत महाविद्यालय में पौद्यारोपण किया। इस दौरान पूजा कंवर ने समय-समय पर महाविद्यालय में लगाये गये पौधों की सार-संभाल के लिए उपस्थित होने का आश्वासन दिया। प्राचार्य विनीता चौधरी ने बताया कि अध्यापिका पूजा कंवर ने द्वारा पौद्यारोपण के लिए दिये गये पांच हजार रूपये से पौद्यों की खरीद कर महाविद्यालय में लगाया जायेगा। प्राचार्य ने पौद्यारोपण के लिए राशि देने के लिए पूजा कंवर का आभार जताया।

पीड़ितों की सहायता की मांग

चूरू,(कासं)। चूरू जिला मुख्यालय पर एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर चूरू को ज्ञापन प्रेषित चूरू में अतिवृष्टि के कारण शहर के निचले वार्ड संख्या 55, 56, 57, 58 व 8 सहित अन्य वार्डों में मकान गिर चुके हैं और अधिकांश मकानों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ चुकी है जो कि वर्तमान ामय में रहने की स्थिति में नहीं है। इस प्राकृतिक आपदा से इन वार्डों निवास करने वाले लोगों को काफी आर्थिक क्षति हुई है। ज्ञापन के माध्यम से जिला प्रशासन चूरू को चेतावनी भी दी गई के शीघ्र ही क्षतिग्रास्त मकानों का मौका मुआयना नहीं करवाकर पीड़ितों को अगर सहायता राशि नहीं प्रदान की जाती है तो सभी पीड़ितों की ओर से जिला कलेक्ट्रेट चूरू के आगे अनिश्चितकालीन समय के लिए धरना एवं प्रदर्शन किया जाएगा।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 64/2024
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री मुकेश कुमार धनकड़ पुत्र श्री राजवीर धनकड, सी-246 बसंत बिहार झुंझुनूं ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास नेशन फर्स्ट बाय रघुवीर फाउण्डेशन ग्राम अलीपुर, बगड चिडावा, जिला झुंझुनूं के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 05.08.2024 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 08.10.2024
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग, जयपुर

आई हॉस्पिटल में लगा कचरे का ढेर

राजकीय बच्छावत नेत्र अस्पताल में कचरे के ढेर लगे हैं।

चूरू, (कासं.)। यदि आप राजकीय बच्छावत नेत्र अस्पताल में अपने स्वास्थ्य की जांच करवाने जा रहे हैं, तो सावधान हो जाइए क्योंकि यह अस्पताल खुद संक्रमित है। यह वाकिया सोमवार को अस्पताल परिसर में देखने को मिला।

गौरतलब है कि जिला मुख्यालय स्थित नेत्र अस्पताल में अस्पताल प्रशासन की लापरवाही से खुले में पड़ा बायो मेडिकल वेस्ट संक्रमण को निमंत्रण दे रहा है। सूत्रों ने बताया कि पिछले तीन महीनों से पड़ा यह बायोमेडिकल वेस्ट और अन्य कचरे का ढ़ेर अस्पताल में आने वाले मरीजों व परिजनों के जी का जंजाल बना हुआ है। फिर भी अस्पताल प्रशासन इसको लेकर आंखें मूंद कर बैठा है। और सफाई दे रहे हैं कि यह साधारण कचरा ही है, बायोमेडिकल वेस्ट नहीं है। मरीजों ने बताया कि पिछले तीन महीनों से अस्पताल में गंदगी के यही हालात है और यदि यही स्थिति रही तो यह खतरे से खाली नहीं होगा। मरीजों ने बताया यहां ठीक होने की बजाय संक्रमित होने को मजबूर है। नेत्र अस्पताल प्रभारी डॉ. जितेन्द्र सोलंकी ने बताया कि अस्पताल में मौजूद कचरा बायो मेडिकल वेस्ट नहीं है। यह साधारण कचरा ही है, जिसको हटाने के लिए सफाई ठेकेदार को कई बार पाबंद किया जा चुका है। ठेकेदार के अनुसार पहले यह निस्तारण गाजसर गिनाणी में किया जाता था। अब ठाामीणों के विरोध के बाद से नगर परिषद् द्वारा सफाई ठेकेदारों के लिए नई जगह चिन्हित नहीं की गई है।

सीएम के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पाटन, (निसं)। नवसृजित जिला नीम का थाना में पशुपालन को बढ़ावा देने और पशुओं की विशिष्ठ पशुचिकित्सा सुविधाओं के लिए जिला अस्पताल की तर्ज पर जिला पशु अस्पताल अर्थात वेटरनरी पॉलीक्लिनिक की स्थापना आवश्यक है। वेटरनरी पॉलीक्लिनिक (बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालय) की स्थापना की मांग को लेकर जन प्रतिनिधियों ने भी अनेकों बार विभागीय अधिकारियों से मुलाकात की है। वेटरनरी पॉलीक्लॉनिक की स्थापना के लिए बनी संघर्ष समिति ने कलेक्टर शरद मेहरा से मुलाकात कर मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपा। जिला कलेक्टर ने पूरा समय दिया और इस बारे में तथ्यपरक बिंदुवार जानकारी प्राप्त की।संघर्ष समिति अध्यक्ष डॉ रणजीत मेहरानियां ने बताया कि सीकर और झुंझुनूं में वेटरनरी पॉलीक्लिनिक स्थित है परंतु नव सृजित जिला नीम का थाना के दूरस्थ गावों की दूरी वहां से 125 किमी से भी ज्यादा हो जाने से समय अधिक लगता है। संघर्ष समिति उपाध्यक्ष डॉ आर ए बायला ने बताया कि वेटरनरी पॉलीक्लिनिक की स्थापना होने से मेडिसिन, सर्जरी और पशु मादा रोग विशेषज्ञ की सेवाएं मिलने से अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होने लगेंगी।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय न्यायालय डेट रिलिफ कोर्ट सिविल न्यायाधीश (व.ख.) झुंझुंनू
वादी संजीव राहड़ विरूद्ध दीपक करोल
आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 6 राजस्थान कृषि ऋण मुक्ति अधिनियम 1957
(दरख्वास्त ऋण निश्य करण)
सिविल वाद संख्या 04 सन् 2018
प्रेषित-
दीपक करोल पुत्र स्व. रामेश्वरलाल, निवासी महरमपुर, तहसील चिडावा, जिला झुंझुंनू हाल निवासी सिद्धार्थ कोचिंग क्लासेज, मूर्ति सर्किल, विज्ञान पार्क के सामने, व्यास कॉलोनी, जिला बीकानेर (राज.)
वादी संजीव राहड ने आपके विरूद्ध आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 6 राजस्थान कृषि ऋण मुक्ति अधिनियम 1957 (दरख्वास्त ऋण निश्चय करण) वाद के लिए संस्थित किया है आपको इस न्यायालय में तारीख 08.08.2024 को दिन के 10.30 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुरजाई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो न हो, अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज तारीख 09 माह 07 सन् 24 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर अदालत
शरिश्तेदार
वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, झुंझुंनू

कार्यालय-विरेन्द्र सिंह एडवोकेट, राजगढ जिला चूरू (राजस्थान)
मो.नं. 9636759272
क्रमांक- दिनांक-05.08.2024
नोटिस सर्वसाधारण आम वो खास (बेदखली)
मै अपने मुवक्किल ओमप्रकाश पुत्र उदाराम जाति मेघवाल निवासी सरदारपुरा तहसील राजगढ जिला चूरू (राजस्थान) की हिदायतानुसार सर्वसाधारण आम वो खास को निम्न कानूनी नोटिस से सूचित कर रहा हूँ कि :- यह कि मेरे मुवक्किल का पुत्र विकास कुमार पुत्र ओमप्रकाश जाति मेघवाल निवासी सरदारपुरा तहसील राजगढ जिला चूरू व मेरे मुवक्किल की पुत्रवधू पूजा मेरे मुवक्किल ओमप्रकाश के कहने सुनने में नहीं है तथा मेरे मुवक्किल द्वारा उक्त दोनों को समझाने पर भी विकास कुमार व पुत्रवधू पूजा पर कोई असर नहीं होता है तथा न ही उक्त दोनों मेरे मुवक्किल का कहना मानते है, इस कारण मेरा मुवक्किल अपने पुत्र विकास कुमार व पुत्रवधू पूजा से अपने समस्त प्रकार के संबंध विच्छेद करते हुए अपने पुत्र विकास कुमार व पुत्रवधू पूजा को अपनी चल व अचल सम्पति से बेदखल करता है। आज के बाद से मेरे मुवक्किल का अपने पुत्र विकास कुमार व पुत्रवधू पूजा से कोई संबंध नहीं है तथा विकास कुमार व पुत्रवधू पूजा का भी मेरे मुवक्किल की समस्त प्रकार की चल व अचल सम्पति में किसी प्रकार का कोई हक व हिस्सा नहीं है। मेरीं मृत्यु के बाद मेरी चल व अचल सम्पत्ति की हकदार मेरी पुत्रियां सुमन, सरोज व सुनिता होगी।
अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल के पुत्र विकास कुमार व पुत्रवधू पूजा जाति मेघवाल निवासीगण सरदारपुरा तहसील राजगढ़ जिला चूरू व पुत्रवधु पूजा किसी व्यक्ति, संस्था, निकाय, अर्द्ध निकाय से मेरे मुवक्किल का नाम लेकर कोई लेन देन का या अन्य संव्यवहार करते है तो इसमें मेरे मुवक्किल व मेरे मुवक्किल के परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी तथा मेरे मुवक्किल के पुत्र विकास कुमार व पुत्रवधू पूजा से कोई व्यक्ति किसी प्रकार का संव्यवहार करता है तो वह उसकी स्वंय की जिम्मेदारी होगी। सूचित रहे।
विरेन्द्र सिंह एडवोकेट, न्यू कोर्ट परिसर राजगढ तहसील, राजगढ जिला चूरू (राजस्थान)
मो.नं. 9636759272

शिव का दुग्धाभिषेक किया

झुंझुनूं, (निसं)। मंड्रेला रोड बिड़दीचंदजी के कुएं पर स्थित प्राचीन शिवालय में शिव भक्तों ने दुग्धाभिषेक व गन्ने के रस से अभिषेक किया। इस दौरान राजकुमार तुलस्यान, नारायण प्रसाद जालान, शिवचरण हलवाई, अशोक तुलस्यान, अनिल केजड़ीवाल सपत्निक व भाजपा नेता महेश बसावतिया ने इस धार्मिक आयोजन में शामिल हुए। यह आयोजन विद्वान संजू पंडित व जितेंद्र शर्मा के सानिध्य में संपन्न कराया गया। विदित हो शास्त्रों के अनुसार भगवान शिव का दुग्धाभिषेक करने से भगवान शिव अति प्रसन्न होते हैं।

वाटर कूलर का लोकार्पण किया

चूरू, (कासं.)। राज्य के पूर्व पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा मंगलवार को यहां धर्मस्तूप पुलिस चौकी में आयोजित कार्यक्रम में एसपी के तौर पर चूरू में अपने पहले कार्यकाल की यादों को ताजा करते हुए भावुक नजर आए। उस जमाने के अपने सहयोगियों, परिचितों से पूर्व डीजीपी ने बड़ी ही आत्मीयता और स्नेह के साथ मुलाकात की और अपने संस्मरण साझा किए। अवसर था भामाशाह राजेंद्र सोनी द्वारा अपनी धर्मपत्नी स्व. रंजना देवी सोनी की स्मृति में स्थापित वाटर कूलर के लोकार्पण का। पूर्व डीजीपी उमेश मिश्रा, जिला कलक्टर पुष्पा सत्यानी, एसपी जय यादव, श्योपुरा धाम के हरिचरण पुजारी, एडीएम उत्तम सिंह शेखावत ने वाटर कूलर का लोकार्पण किया। पूर्व डीजीपी मिश्रा ने कहा कि जब मैं चूरू एसपी था, तब एकदम जवान था। जवान एसपी का जनता के लिए काम करने का एक अलग ही जज्बा होता है। मुझे यहां की जनता का भरपूर सहयोग मिला। उन्होंने राजेंद्र सोनी और सोनी परिवार की सराहना करते हुए कहा कि चूरू अंचल में परोपकार के लिए अपने खून-पसीने की कमाई लगाने की एक जोरदार परम्परा रही है। राजेंद्र सोनी ने उसी परम्परा का निर्वहन किया है जो अत्यंत सराहनीय एवं पुण्य का कार्य है। उन्होंने स्व. जसकरण सोनी को याद करते हुए सोनी परिवार के फोटोग्राफी और पत्राकारिता में योगदान की सराहना की। जिला कलक्टर पुष्पा सत्यानी ने वाटर कूलर के लिए दानदाता राजेंद्र सोनी की सराहना करते हुए कहा कि हम सभी को अपनी क्षमता के अनुसार समाज को वापस लौटाने का काम करना चाहिए। उन्होंने उमेश मिश्रा के प्रति लोगों की आत्मीयता पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि निस्संदेह इन्होंने जिले में बेहतर कार्य किया है, यही कारण है लोगों के दिलों पर आज कई दशक बीत जाने पर भी इसकी छाप है।

डॉ. संजय धनखड़ को फांसी की सजा देने की मांग

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं में चर्चित किडनी कांड एक बार फिर सुर्खियों में है। दरअसल किडनी कांड से प्रभावित महिला ईद बानो की जान चली गई है। करीब ढ ाई महीने तक जिंदगी से जंग लड़ने वाली ईद बानो आखिरकार यह जंग हार गई और इस दुनिया से रूखस्त हो गई है। इस मामले को लेकर प्रदर्शन और आंदोलन भी शुरू हो गए है। ईद बानो की मौत के बाद उनके परिवार, गांव के लोगों और सामाजिक संगठनों में भी काफी गुस्सा है।

- **किडनी कांड को लेकर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन**

परिवार को एक करोड़ रूपए की सहायता, डॉ. संजय धनखड़ को फांसी की सजा देने, डॉ. संजय धनखड़ के खिलाफ मामला फास्ट ट्रेक में चलाने, मृतका के पति को संविदा पर नौकरी देने, डॉ. संजय धनखड़ की संपत्तियों को कुर्क करने और उन पर बुलडोजर चलाने जैसी मांग की गई जा रही है। सोमवार को विभिन्न संगठनों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। वहीं कहा है कि जब तक उनकी मांग नहीं मानी जाएगी ना तो वे धरने से उठेंगे और ना ही परिवार के लोग जयपुर में शव को लेंगे। जिसके बाद प्रशासन व पुलिस के सामने बड़ी चुनौती हो गई है। इधर, मामले को लेकर एसपी राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी डॉक्टर संजय धनखड़ को गिरफ्तार कर लिया था। कोर्ट में चालान भी पेश किया जा चुका है। लेकिन अब महिला की मौत के बाद गैर इरादतन हत्या की धाराओं को जोड़ने के लिए कोर्ट में एप्लीकेशन लगाई जाएगी। आपको बता दें कि डॉ. धनखड़ फिलहाल जेल में है और राजस्थान मेडिकल कौंसिल में उनका रजिस्ट्रेशन भी रद्द किया जा चुका है। ताकि वे आगे प्रेक्टिस ना कर पाए। इधर, धरने को पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने अपना समर्थन देते हुए पीड़ित परिवार को एक लाख रूपए की सहायता देने की घोषणा की है।

फांसी देने की मांग पर विभिन्न संगठनों ने प्रदर्शन किया।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड में सम्मिलित)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022
IDFC FIRST Bank
सार्वजनिक सूचना
स्वर्ण की नीलामी सह आमंत्रण सूचना
निम्नलिखित कर्ज लेनदारों को आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड से उनके द्वारा स्वर्ण आभूषणों के बदले ली गयी ऋण सुविधा में बकाया राशि का भुगतान करने के नोटिस जारी किये गये है। क्योंकि कर्ज लेनदार जो इस सुविधा के तहत बकाया का भुगतान नहीं कर पाये हैं, हम 13.08.2024 को बंधक रखे गये स्वर्ण आभूषणों की नीलामी कराने के लिये विवश है। यदि इस नीलामी से कोई अतिरिक्त राशि प्राप्त होती है, तो वह संबंधित कर्ज लेनदार को लौटा दी जायेगी तथा यदि नीलामी से प्राप्ति के बाद कमी रही, तो बाकी राशि कर्ज लेनदार से उपयुक्त कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से वसूली जायेगी। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के पास निम्न खातों की, बिना पूर्व सूचना के, नीलामी से हटाने का अधिकार है। साथ ही आईडीएफसी बैंक, बिना पूर्व सूचना के, नीलामी की तिथि में परिवर्तन करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम	शाखा का नाम
105720209	उपदेश कुमार	सिंघाना ग्रामीण

नीलामी 13/08/2024 को दिन में 12.00 बजे से दोपहर 3.00 तक https://egold.auctiontiger.net के द्वारा आन लाइन आयोजित की जायेगी। इस प्रकाशन के द्वारा संबंधित कर्ज लेनदारों को एतथ द्वारा अंतिम नोटिस तथा सुविधा संबंधित राशि को सभी ब्याज तथा चार्जेज के साथ, नीलामी तिथि से पहले जमा कराने का आखिरी अवसर दिया जा रहा है, यदि वे ऐसा करने में विफल रहे तो, आभूषण नीलाम किये जायेंगे। कृपया ध्यान दें, यदि नीलामी, समय सीमा के कारण, पूरी नहीं हो पाती है तो, बैंक बंधक रखे स्वर्ण आभूषणों को इन्हीं नियमों व शर्तों पर, अगले 7 दिन में, पुनः नीलामी करेगा। यदि ग्राहक की मृत्यु हो चुकी हो, तो नीलामी संबंधित सभी शर्ते उनके कानूनी उत्तराधिकारी पर लागू होगी।
दिनांक - 06.08.2024, स्थान - सिंघाना ग्रामीण

कार्यालय ग्राम पंचायत लूंछ, पंचायत समिति रतनग
क्रमांक-44-48 दिनांक-05.08.2024
खुली प्रतियोगी बोली
नीचे अंकित अवधि के लिए ग्राम पंचायत क्षेत्र लूंछ में साफ सफाई कार्य हेतु इस कार्य हेतु रजिस्टर्ड अनुभवी ठेकेदार फर्मो एवं एन.जी.ओ. से खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती है-

क्र. सं.	सफाई कार्य का विवरण	अनुमानित ठेका राशि	अमानत राशि रूपये	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि	निविदा खोलने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1	ग्राम पंचायत लूंछ में घर-घर कचरा संग्रहण का कार्य प्रतिदिन करना सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई का कार्य प्रतिदिन करना तथा सडक/लेन सफाई एवं नाली सफाई का कार्य सप्ताह में एक बार करने का कार्य करना	5,00,000/- (एक वर्ष)	अनुमानित राशि का 2 प्रतिशत	12.08.2024 दोपहर 3.00 बजे	12.08.2024 को 4.00 पीएम व इसके बाद

नोट- निविदा प्रपत्र दिनांक 05.08.2024 से दिनांक 12.08.2024 को सुबह 11 बजे तक निविदा शुल्क रू. 500/- जमा करवाकर ग्राम पंचायत लूंछ से प्राप्त कर सकते है।
सफाई ठेका की विस्तृत शर्ते एवं कार्य विवरण, निविदा प्रपत्र, ग्राम पंचायत लूंछ में कार्यालय समय में आकर देख सकते है।
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत, लूंछ
पंचायत समिति, रतनगढ (चूरू)
सरपंच
ग्राम पंचायत लूंछ
पंचायत समिति, रतनगढ (चूरू)

पाली में 18 घंटे लगातार बारिश से शहर में पानी ही पानी

रेल पटरी पर पानी आने से जोधपुर रेल बंद, दर्जनों कॉलोनी में भरा पानी

पाली जिले में रविवार देर रात शुरू हुई बारिश के बाद कई इलाकों में बाढ़ के हालात हो गये।

पाली, (नि.सं.)। पाली जिले में रविवार देर रात शुरू हुई बारिश ने जिला प्रशासन की पोल खोल दी बारिश शहर सहित कई इलाकों में बाढ़ के हालात हो गए हैं।

पाली शहर में बांडी नदी पर रपट चलने लगी तो वही केशव नगर,मंडिया रोड, रामदेव रोड बापू नगर आदर्श नगर, पैकेज कॉलोनी सहित दो दर्जन कालोनियां जलमग्न हो गई। कॉलोनी में एक से डेढ़ फीट तक पानी जमा हो गया। वही सुबह 6:00 से लाइट कट के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। शाम 8:00 बजे लाइट आई। लोगों को नहर पुलिया बापू नगर विस्तार जाने के चारों रास्ते बंद दिखे। लोढा स्कूल रोड, नहर रोड, कॉलेज रोड, रोटरी क्लब रोड सभी जगह 2 फीट के करीब पानी भर गया। पांच मौका पुलिया पर पानी बहने से स्टेशन रोड शहर से अलग हो गया। नागा बाबा बगीची के आगे से लेकर मिल गेट सुभाष नगर तक जोधपुर रोड बंद हो गया। वही रेल पटरी पर पानी आने से जोधपुर रेल बंद हो गई।

नया गांव स्थित सरकारी स्कूल पानी से डूब गया। स्कूल के प्रिंसिपल रूम से लेकर क्लास तक सभी में पानी भर गया। देर रात शुरू हुई तेज बारिश का दौर अभी भी जारी है। बांगड़ कॉलेज पूरी तरह से समुद्र बन गया। नयागांव रोड स्थित रजत विहार सुंदर नगर इलाके में तीन से चार फीट पानी भर जाने से लोगों का घर के बाहर आना मुश्किल हो गया। एक ही रात में हेमावास बांध में 19 फुट पानी आया। पाली के आसपास की नदियां ओवरफ्लो चल रही है। जिले में सबसे अधिक बारिश सोजत में 261 एमएम हुई। पाली में 83 एमएम, मारवाड जंक्शन में 36 एमएम, सुमेरपुर में 15 एमएम, रानी मे 45 एमएम, बाली में 40 एमएम, देसूरी में 57 एमएम, जैतारण में 60 एमएम, रायपुर में 95 एमएम, रोहट में 56 एमएम बारिस दर्ज की गयी।

बूंदी में पिछले 24 घंटों में 8 इंच बारिश, कई बस्तियों में पानी भरा

प्रशासन ने नवलसागर झील पर एस.डी.आर.एफ. की टीम तैनात की

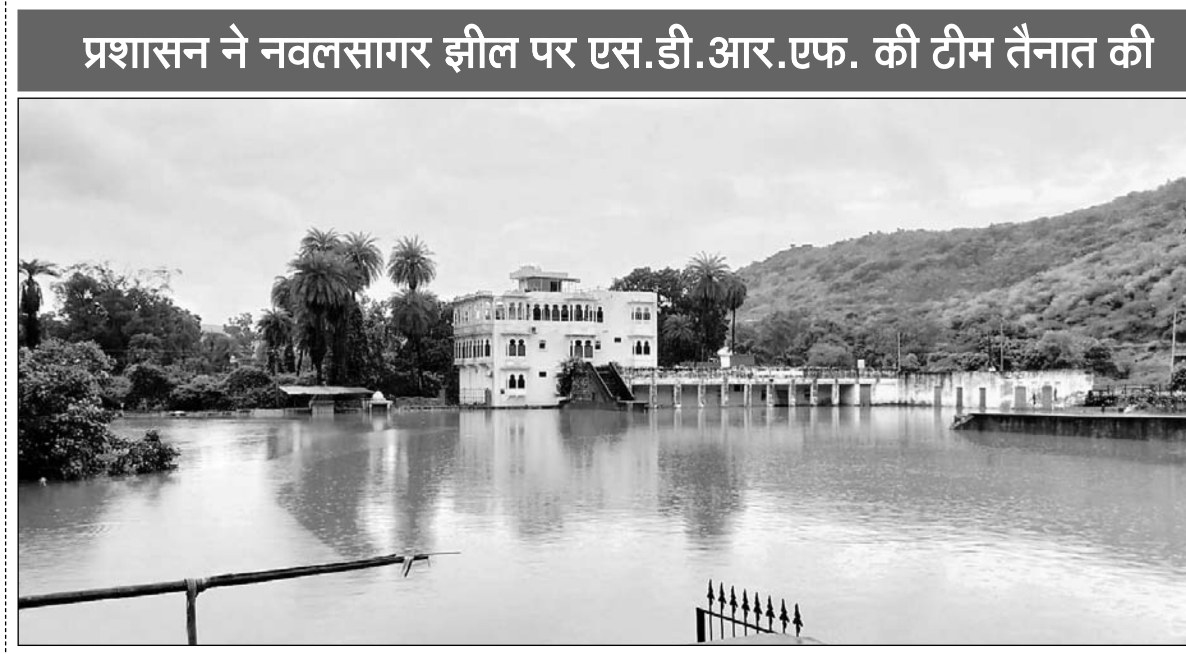

बूंदी में तेज बारिश के बाद नवल सागर झील लबालब भर गई।

बून्दी (निसं)। बूंदी जिले में रविवार को हरियाली अमावस्या के साथ लगातार हो रही बारिश के चलते कई बस्तियों में पानी भरा। वहीं, लगातार बरसात के चलते जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा ने सोमवार को सभी निजी और राजकीय विद्यालय में अवकाश घोषित कर दिया है। इस दौरान शिक्षकों को विद्यालय में उपस्थित रहने के निर्देश दिए।

वहीं जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। रविवार देर रात से हो रही तेज बारिश के बाद शहर की दोनों झीले नवलसागर व जेतसागर ऑवरफ्लो होने से शहर के निचले इलाकों में जलभराव हो गया है, एक हिस्से का दूसरे हिस्से से सपर्क टूट गया है। पिछले 24 घंटों में हुई 8 इंच बारिश के बाद भरे नवल सागर झील व जैतसागर को देखने के लिये शहरवासी उमड़ पड़े। जिसके बाद प्रशासन ने नवलसागर झील पर एसडीआरएफ की टीम तैनात कर दी है।

वहीं लगातार बारिश के कारण गुढ़ा बांध का जलस्तर 25 फीट तक पहुंच चुका है, वहीं बूंदी नैनवा मार्ग पर पड़ने वाले नाले पर 5 फीट पानी की आवक होने से सड़क मार्ग बंद हो गया है। जिले की कई नदियों और तालाबों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। वही मौसम विभाग द्वारा जिले में 30 से 40 किलोमीटर की स्पीड से तेज आंधी व भारी बारिश की चेतावनी दी हुई है।

> ■ **बारिश के बाद भरे नवल सागर झील व जैतसागर को देखने के लिये शहरवासी उमड़ पड़े, जिसके बाद प्रशासन ने नवलसागर झील पर एसडीआरएफ की टीम तैनात कर दी है**

जिला कलेक्टर ने लिया बूंदी शहर के प्रभावित क्षेत्रों का जायजा :- बूंदी में रविवार देर रात हुई मूसलाधार बारिश के बाद प्रभावित क्षेत्रों का सोमवार सुबह जिला कलेक्टर ने विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने जैतसागर, मीरां गेट, नवल सागर, बहादुर सर्किल, देवपुरा क्षेत्र में प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा। इस दौरान जिला कलक्टर ने पानी के बहाव वाली जगहों पर सुरक्षा कर्मी तैनात करने के निर्देश दिए। साथ ही सड़कों पर बारिश से जमा मलबा हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि बारिश के दौरान टूटे हुए विद्युत पोल को शीघ्र दुरूस्त कर विद्युत आपूर्ति बहाल की जावे। इसके बाद जिला कलेक्टर ने बालचंद पाडा क्षेत्र में स्थित ब्रह्माण्डेश्वर गौशाला का भी निरीक्षण और गौवंश को सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक को निर्देश दिए कि गौशालाओं में गौवंश को सुरक्षित रखने की दृष्टि से गौशालाओं का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया जावे। उन्होंने उपखण्ड अधिकारी बूंदी को निर्देश दिए कि जल बहाव के क्षेत्रों की पूर्ण निगरानी रखें। निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी बूंदी दीपक मित्तल, तहसीलदार अर्जुन मीणा, नगर परिषद के अधिकारी सहित बूंदी कोतवाली थाना पुलिस मौजूद रही।

नागदी बाजार में बहीं कारें :- लगातार दो दिनों से हो रही बारिश के चलते बूंदी के जैत सागर तालाब व नवल सागर तालाब लबालब हो गए। दोनों से लगातार पानी की निकासी की जा रही है। जिसके चलते चारभुजा मंदिर से लेकर सदर बाजार, चौमुखा बाजार, नागदी बाजार से मीरा गेट तक पानी तेज रफ्तार से बह रहा है। इस बीच यहां दो कार और एक बैंड गाडी पानी के बहाव के साथ बह गई। वहीं एक मोटरसाइकिल, दुकान का काउंटर व एक युवक भी पानी में बहा। लेकिन युवक किसी तरह सुरक्षित बच निकला। सदर बाजार और नगदी बाजार की कई दुकानों में पानी भर गया है। नागदी बाजार में 5 फीट पानी बह रहा है जिसके चलते चौमुखा बाजार से आवागमन बंद हो गया।

कई घरों में भरा पानी, कॉलोनियां जलमग्न :- लगातार बारिश और जेतसागर और नवल सागर से पानी की निकासी के चलते शहर की जवाहर कॉलोनी, महावीर कॉलोनी, दरेशाह कॉलोनी, शास्त्री नगर कॉलोनी जलमग्न हो गई। कई घरों में पानी भर गया, तो कई लोग अपने घर छोड़कर रात को ही अपने रिश्तेदारों और परिचितों के घर चले गए। मालन मासी बालाजी के पीछे स्थित जवाहर कॉलोनी में 3-4 फीट पानी भर गया।

जालोर में मूसलाधार बारिश से बांधों-नालों में हुई आवक

जालोर, (कासं)। जिलेभर में मानसून की सक्रियता के चलते सावन माह के सोमवार को मूसलाधार बारिश का दौर जारी रहने से जिले के कई नदी, नालों व बांधों में पानी की आवक देखी गई। वही बारिश के बाद चहूँओर पानी ही पानी नजर आने लगा।

जालोर में शनिवार रात्रि करीब एक बजे से लगातार सोमवार को दोपहर एक बजे तक बारिश का दौर जारी रहने से जिलेभर के नदी, नाले व बांधों में पानी की आवक के साथ कई जगह सड़कों पर पानी भर जाने से मार्ग अवरूद्ध हो गया। जालोर में लगातार बारिश का दौर जारी रहने से कई इलाकों में पानी भर गया। वही कई जगह कच्चे मकान ढह गये। जालोर शहर में मूसलाधार बारिश के चलते शहर के तिलकद्वार, लाल पोल, बडी पोल से पानी पुरे वेग के साथ बहता नजर आया। वही शहर के कलैक्ट्रेट के आगे, आहोर चौराहा, शिवाजी नगर, नया बस स्टेण्ड, सहित कई जगह निकासी के अभाव में पानी भर जाने से आमजन को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वही शहर की निचले इलाको में लगातार बारिश के चलते पानी भर गया। वही खेतो में भी पानी भर जाने से चहूँओर पानी ही पानी नजर आने लगा है। जालोर के पुलिस लाईन, हायर सैकेण्डरी स्कूल हनुमानशाला स्कूल में पानी भर जाने से मैदान तालाब में तब्दील नजर आ रहे है। जालोर के चवरछा बांध, सरदारगढ़ बांध, बीठन बांध सहित कई बांधो में पानी की आवक नजर आई। वही जिले के कई गांवों में नाले पूरे वेग के साथ बहने से कई जगह से सम्पर्क कट गया। जिलेभर में मानसून की लगातार बारिश के चलते मौसम सुहावना नजर आया। वही समाचार लिखे जाने तक भी रिमझिम बारिश का दौर जारी रहा। वही जालोर के रेल्वे अंडर ब्रिज में पानी भर जाने से मार्ग अवरूद्व नजर आया। मानसून विभाग की ओर से जालोर जिले में बारिश की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने हिदायत दी है कि आमजन नदी नालो व बांधो के साथ पानी के भराव स्थलो से दूर रहे।

सांसद नीरज डांगी ने एलिवेटेड रोड की मांग उठाई

नई दिल्ली। सांसद नीरज डांगी ने राज्य सभा में शून्यकाल के दौरान सदन में राजस्थान के उदयपुर, पाली, जैसलमेर व जोधपुर को जोड़ने वाले मुख्य राजमार्ग एस.एच.16 का एक घाट सेक्शन जो राजसमन्द जिले के गढ़बोर से देसूरी के मध्य 8 किलोमीटर का हिस्सा "देसूरी की नाल" पर एलिवेटेड रोड बनाकर व्यापारिक, धार्मिक, ऐतिहासिक महत्व के जिलों एवं अंतर्राष्ट्रीय सीमा जैसलमेर को जोड़ने और यहां लगातार हो रही जनहानि पर रोकथाम की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि इस 'देसूरी की नाल' में सन् 1952 से अब तक लगभग 1000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। नीरज डांगी ने बताया कि व्यापारिक एवं सैन्य स्थल के महत्व का यह राजमार्ग राजस्थान के प्रमुख व्यवसाय मार्बल, ग्रेनाईट के प्रमुख नगरों उदयपुर, राजसमन्द, पाली, जोधपुर, जालौर, सिरोही, भीनमाल व माऊंटआबू तक जाने का मुख्य मार्ग है, जो कम दूरी व कम समय में व्यापार को बढावा देता है एवं यह मार्ग गोमती-चारभुजा-देसूरी होकर आगे गंतव्य तक जाता है। इसके अतिरिक्त यह मार्ग देसूरी की नाल उदयपुर को भारतीय सेना के अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर जैसलमेर से भी जोड़ता है।

उदावास मामले को लेकर पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

ऊंट लड्ढे पर बैठकर झुंझुनूं पहुंचे पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा, कहा राजस्थान को उत्तर प्रदेश नहीं बनने देंगे

पूर्व मंत्री गुढ़ा ने सैंकड़ों समर्थकों के साथ उदावास गांव से लेकर झुंझुनूं कलेक्ट्रेट तक विरोध रैली निकाली।

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं के साथ लगते उदावास गांव में एक जमीन पर बसे लोगों को बेघर करने की तैयारी का विरोध हो गया है। पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने सोमवार को प्रभावित परिवार और अपने सैंकड़ों समर्थकों के साथ उदावास गांव से लेकर झुंझुनूं कलेक्ट्रेट तक विरोध रैली निकाली।

खुद पूर्व मंत्री गुढ़ा समेत ग्रामीण दो दर्जन से अधिक ऊंट लड्ढों पर बैठक झुंझुनूं पहुंचे और कलेक्ट्रेट में घुसने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इस प्रदर्शन की पूर्व सूचना मिलने के कारण कलेक्ट्रेट पर आधा दर्जन के करीब थानों की पुलिस लगाई गई थी। इसके बाद एक प्रतिनिधि मंडल कलेक्टर से मिला और अपनी बात रखी। कलेक्टर ने मामले की जांच करवाकर कार्रवाई करने की बात कही है। इधर, पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने कहा कि जिन लोगों ने उदावास में अपने मकान सालों पहले बना लिए। पीढ़िया गुजर गई। अब प्रशासन के लोग वहां पर फीता लेकर जाते है और तोड़ने की बात कहते है। यह बर्दाश्त नहीं होगा। किसी को भी बेघर नहीं होने दिया जाएगा। इस मौके पर उन्होंने किडनी कांड में जान गंवा चुकी ईद बानो के समर्थन में भी गुढ़ा ने नारेबाजी की और पीड़ित परिवार को एक लाख की सहायता दी। उन्होंने कहा कि झुंझुनूं में यूनिफॉर्म देखकर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस और ट्रेफिक वाले रेहड़ी वालों से चौथ वसूली कर रहे है। लेकिन हम राजस्थान को उत्तर प्रदेश नहीं बनने देंगे। इसके बाद कलेक्ट्रेट गुढ़ा वापिस रवाना हुए।

महिला को नशीला पदार्थ पिलाकर किया रेप

बीकानेर। जिले के देशनोक थाना इलाके में महिला से सामूहिक बलात्कार का मामला सामने आया है। घटना दो दिन पहले की बताई जा रही है। पीड़िता ने देशनोक थाने में दो युवकों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। एसएचओ सुमन शेखावत के मुताबिक पीडिता ने बताया कि वह बीकानेर जा रही थी। इस दौरान देशनोक निवासी मुकेश व भैराराम मिले। आरोपियों से जान-पहचान होने के बाद उन्होंने कहा कि वह बीकानेर जा रहे है, तुझे भी छोड़ देंगे। पीड़िता उनके साथ गाड़ी में सवार हो गई। पलाना गांव के पास आरोपियों ने एक होटल पर रोका। यहां एक कोल्डड्रिंक खरीदी। कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे पिला दिया, जिससे बेहोशी आने लगी। बाद में आरोपियों ने उसे सुनसान जगह ले जाकर बलात्कार किया। घटना के बाद आरोपी उसे बदहवास हालत में छोड़कर भाग गए। वारदात के जब महिला को होश आया तो वह दर्द से कराह रही थी। पीड़िता महिला पलाना से देशनोक सीएचसी आई। यहां चिकित्सकों ने उपचार करने के बाद पीबीएम अस्पताल रेफर कर दिया। घटना का पता चलने पर पुलिस पीबीएम अस्पताल गई। पीड़िता के बयान लिए है।

25 हजार का इनामी बदमाश पकड़ा

डीग जिले के बहुचर्चित मुल्लाका हत्याकांड का है आरोपी

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने मुल्लाका हत्याकांड के एक और आरोपी पकड़ा।

जयपुर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने डीग जिले में 3 साल पहले बहुचर्चित रहे देवी राम मुल्लाका हत्याकांड के एक और आरोपी शिवगणेश उर्फ कंजर गुर्जर पुत्र रामा उर्फ रामचरण निवासी मुल्लाका थाना कामां को पकड़ लिया है। इस पर एसपी डीग द्वारा 25 हजार रुपए का इनाम घोषित है। आरोपी को अग्रिम कार्रवाई के लिए थाना कामां पुलिस को सौंप दिया गया है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि उपमहानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव के सुपरविजन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एजीटीएफ सिद्धांत शर्मा के नेतृत्व में इनामी, वांछित अपराधियों, गैंगस्टर इत्यादि के बारे में आसूचना के संकलन के लिए एएसआई शैलेंद्र कुमार शर्मा, हेड कांस्टेबल मदनलाल शर्मा, कांस्टेबल बृजेश कुमार शर्मा, कुलदीप सिंह व श्रवण कुमार की एक टीम भरतपुर रेंज की ओर रवाना की गई है।

एडीजी एमएन ने बताया कि टीम के सदस्य एएसआई शैलेंद्र कुमार शर्मा व कांस्टेबल बृजेश कुमार शर्मा को सूचना मिली कि हत्याकांड में शामिल 25 हजार का इनामी आरोपी शिव गणेश गुर्जर मध्य प्रदेश के इंदौर में फरारी काट रहा है। सूचना पर इंदौर पहुंच आसूचना को डवलप किया गया। इंदौर के संगम नगर स्थित खड़ा गणेश मंदिर में आरोपी के आने की सूचना मिलने पर टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस टीम को देखते ही आरोपी भागने लगा जिसे घेरकर टीम में पकड़ लिया। एमएन ने बताया कि घटना 11 जून, 2021 की है। सुबह गांव से खरीददारी करने कामां की और बाइक लेकर निकले देवी राम गुर्जर निवासी मुल्लाका पर पुरानी रंजिश के चलते गांव के ही रामावतार पुत्र रामप्रसाद पक्ष के 20-22 व्यक्तियों ने लोहे के सरियों और लाठियों से हमला कर दिया और मरा हुआ समझकर हवाई फायर करते हुए गांव आये। गांव में भी फायरिंग की, जिसमें तीन बच्चे व चार अन्य घायल हो गये। गंभीर घायल देवीलाल ने जयपुर लाते समय महुआ से पहले ही दम तोड़ दिया था। मामले में कुल 21 आरोपी है, जिनमें से 8 आरोपियों को घटना के बाद ही थाना कामां पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था और 13 आरोपी फरार हो गये। जिन पर 25-25 हजार का इनाम घोषित किया गया। पिछले डेढ़ महीने में फरार आरोपियों में से 10 आरोपियों को एजीटीएफ व कामां पुलिस ने पकड़ लिया है, बाकी बचे तीन आरोपियों की तलाश की जा रही है।

वरिष्ठ अध्यापक भर्ती प्रतियोगी परीक्षा 2022

एसओजी के हत्थे चढ़ा मुख्य आरोपी

अजमेर, (कासं)। वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा 2022 में अपने स्थान पर डमी कैंडिडेट बैठाने वाले मुख्य आरोपी को अजमेर एसओजी ने गिरफ्तार किया है। आरोपी कैंडिडेट ने एडमिट कार्ड को एडिटिंग कर अलग-अलग विषयों की परीक्षा में स्वयं के स्थान पर दो डमी कैंडिडेट को परीक्षा देने भेजा था। एसओजी गिरफ्तार कैंडिडेट को रिमांड पर लेकर पूछताछ में जुटी है।

अजमेर एसओजी के एडिशनल एसपी मुकेश सोनी ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि आरपीएससी की ओर से आयोजित वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा 2022 में स्वयं के स्थान पर डमी कैंडिडेट बैठने के मामले में एसओजी ने कार्रवाई की है। कार्रवाई करते हुए जिला जालौर निवासी कैंडिडेट रमेश कुमार राणा पुत्र धूखा राम राणा को गिरफ्तार किया है। एडिशनल एसपी सोनी ने बताया कि आरोपी कैंडिडेट रमेश कुमार राणा ने वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा 2022 में स्वयं आवेदन पत्र जारी किया गया।

कलयुगी पिता के खिलाफ मामला दर्ज

भीलवाड़ा, (निसं)। सुभाष नगर थाना क्षेत्र में पिता-पुत्री के रिश्ते को तार-तार करने वाली घटना सामने आई है। आरोपित, शराब पीने का आदी है जो बीते दो माह से अपनी नाबालिग बेटी से अश्लील हकरतें कर रहा था।

इन हरकतों से परेशान बेटी ने मां को आपबीती बताई और इसके बाद मां ने जब पति को उलाहना दिया तो उसके साथ भी आरोपित ने मारपीट कर दी। पत्नी ने इस संबंध में आरोपित पति के खिलाफ पुलिस को रिपोर्ट दी। इस पर पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, एक महिला ने मामला दर्ज करवाते हुए बताया कि वह घरों में झाडू-पौछा करने जाती है। उसका पति शराब का आदी है।

MUNICIPAL BOARD, NATHDWARA DIST.- RAJSAMAND

S.No./M.B.Nath/Nirman/2024/9992 Date : 02-08-24

Notice Inviting Bid

Bids for different works Nit No. 13 /2024-25 of Municipal Board Nathdwara are invited from interested bidders up to date 12-08-2024 on 18:00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state govt.

UBN No. – 1-DLB2425WSOB04873, 2- DLB2425WSOB04874

Commissioner, Municipal Board Nathdwara

Raj.Samwad/C/24/3344

THE RAJASTHAN SMALL INDUSTRIES CORPORATION LTD.

(A Government of Rajasthan Undertaking), Udyog Bhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur-302 005, Phone: 0141-2227079, Fax: 0141-2227257

Website: http://industries.rajasthan.gov.in/rajsicop, E-mail: rajsico@rajasthan.gov.in

NOTICE INVITING BIDS

RSIC is inviting online Bids for selection of "Strategic Business promoter to Equip, Operate, Manage & Transfer Business Services At ICD Jodhpur from the eligible and experienced bidders" up to 2.00 PM dated 02.09.2024.

Other details/ terms and condition of the bid may be seen on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in) of the state.

The approximate value of the procurement is INR 25 Crores.

UBN No : RSI2425SLOB00012

Raj.Samwad/C/24/3299 Managing Director

DIRECTOR WORKS (EO)

Rajasthan University Of Veterinary & Animal Science, Bikaner (Raj.)

क्रमांक: F( )/DW(EO)/RAJUVAS/2024-25/ 363-373 दिनांक: 02.08.2024

निविदा सूचना सख्यां. 6 वर्ष 2024-2025

राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविधालय, बीकानेर की ओर से विश्वविधालय में विभिन्न स्थानों पर निर्माण कार्यो के लिए उपयुक्त श्रेणी में, इस विश्वविधालय में एवं अन्य विष्वविधालयों में, राज्य सरकार एवं राज्य सरकार के अधिकृत सगठनों तथा केन्द्र सरकार व केन्द्र सरकार के अधिकृत सगठनों, जो कि राज्य सरकार के उपयुक्त श्रेणी के समकक्ष हो, पंजीकृत संवेदको से ई- टेन्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ऑन लाईन निविदा प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बधित विवरण वेब साईट www.dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp, www.rajuvas.org, www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN-VAU2425WSOB00054

राज.संवाद/सी/24/3326 भू-सम्पति अधिकारी

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No.:F-2(01)Acct/Contract/2024-25/58-60 Date: 01-08-2024

ई-निविदा सूचना संख्या: 16/2024-25

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	:	रूपये 679.89 लाख (14 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	:	03-08-2024 को प्रातः 10.00 बजे से 13-08-2024 को सांय: 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	:	03-08-2024 को प्रातः 10.00 बजे से 13-08-2024 को सांय: 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	:	14-08-2024 को प्रातः 11.00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN : ITU2425WSOB00146 TO ITU2425WSOB00159

अधिशाषी अभियन्ता-प्रथम, उदयपुर विकास प्राधिकरण

राज.संवाद/सी/24/3322

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

क्रमांक सं. विज्ञापन सं.09&10/Exam/ASO&A.En/RPSC/EP-I/2024-25 दिनांक-05.08.2024

आयोग द्वारा विभिन्न विभागों के लिए 02 विज्ञापनों के तहत ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। उक्त विज्ञापनों के तहत विज्ञापित पदों की शैक्षणिक योग्यता, विभागवार पदों की संख्या, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया, आयु सीमा व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध पृथक-पृथक विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। इन विज्ञापनों के तहत विज्ञापित पदों हेतु विभाग का नाम, पद नाम, विज्ञापन संख्या, पदों की संख्या, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है-

क्र.सं.	विभाग का नाम	पद का नाम	विज्ञापन संख्या	पदों की संख्या	आवेदन अवधि
1	आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग	सहायक सांख्यिकी अधिकारी	09/2024-2025	43	12.08.2024 से 10.09.2024
2	कार्मिक (क-4/2) विभाग	सहायक अभियंता	10/2024-2025	1014	14.08.2024 से 12.09.2024

अन्य बिन्दु व सूचना-एकबारीय पंजीयन शुल्क, आवेदन प्रक्रिया, प्रमाण पत्रों से संबंधित सूचना एवं परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम एवं संशोधित परीक्षार्थियों हेतु आवेदन व परीक्षा संबंधी सामान्य दिशा-निर्देश तथा सम्बन्धित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाईट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/सूचना/स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.-0145-2635212 एवं 2635200 पर संपर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।

DIPR/C/7064/2024 राम निवास मेहता, सचिव

मंत्री के बेटे को सरकारी अधिवक्ता बनाए जाने पर विपक्ष ने सरकार से जवाब मांगा

विधानसभा में हंगामा करने पर अध्यक्ष ने विधायक को निलंबित किया, कांग्रेस विधायक धरने पर बैठे

- हंगामा हुआ तो अध्यक्ष वासुदेव दवनानी ने मुकेश भाकर के निलंबन का प्रस्ताव लाने को कहा
- मुख्य सचेतक गर्ग लाए निलंबन प्रस्ताव, मार्शलों के जरिए विधायक को निकालने की कोशिश, तो विधायक और मार्शलों में हुई धक्का-मुक्की

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में आज जमकर हंगामा हुआ और कांग्रेस के एक विधायक को निलंबित कर दिया गया। इस दौरान विधायक को बाहर निकालने के लिए मार्शल बुलाए गए तो कांग्रेस विधायक आड़े आ गए। इस दौरान धक्का मुक्की हुई। बाद में सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई, लेकिन कांग्रेस विधायक सदन में ही अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए।

विधानसभा में सोमवार को जमकर हंगामा हुआ। करीब एक घंटे बाधित रहने के बाद विधानसभा की कार्यवाही 4 बजे फिर से शुरू हुई तो निलंबित विधायक मुकेश भाकर को सदन से बाहर निकालने के लिए सभापति संदीप शर्मा ने मार्शल बुला लिए। मार्शल भाकर को सदन से बाहर निकालने के लिए आगे बढ़े तो कांग्रेस के विधायक मार्शल से उलझ गए। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक हरिमोहन शर्मा धक्का-मुक्की के कारण नीचे गिर गए। हालांकि, सभापति संदीप शर्मा ने इस बीच सदन की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। अब नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के नेतृत्व में विपक्ष के सदस्य सदन में धरने पर बैठे हैं। उनकी मांग है कि मुकेश भाकर का निलंबन बहाल किया जाए और मंत्री के बेटे को सरकारी अधिवक्ता बनाए जाने के मामले में सरकार सदन में जवाब दे।

हंगामा उस समय शुरू हुआ, जब भोजनावकाश के बाद सदन की कार्यवाही शुरू हुई। उस दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने एक मंत्री के बेटे को सरकारी अधिवक्ता के रूप में नियुक्ति का मुद्दा उठाया और सरकार से जवाब दिलवाने की मांग की। इस पर हंगामा हुआ तो स्पीकर वासुदेव देवनानी ने सत्ता पक्ष से विधायक के निलंबन का प्रस्ताव लाने को कहा। इस पर सत्ता पक्ष के मुख्य सचिव तक जोगेश्वर गर्ग ने मुकेश भाकर के निलंबन का प्रस्ताव रखा, जिसे पारित कर दिया गया। इसके बाद कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर को बजट सत्र की शेष बैठकों के लिए निलंबित कर दिया गया। इस पर हंगामा शुरू हो गया। हंगामे के चलते दो बार सदन की कार्यवाही एक घंटे तक बाधित रही। जब वापस कार्यवाही शुरू हुई तो मुकेश भाकर को सदन से बाहर निकालने के लिए आसन पर मौजूद सभापति संदीप शर्मा ने मार्शल बुला लिए। लेकिन कांग्रेस विधायक मार्शलों से भिड़ गए। इस दौरान धक्का मुक्ति में वरिष्ठ विधायक हरिमोहन शर्मा गिर गए। वहीं एक महिला विधायक की चूड़ी भी टूट गई।

इस घटना के बाद सभापति संदीप शर्मा ने सदन की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी। इसके बाद मार्शल संजय चौधरी खुद पहुंचे और अपने प्रतिनिधियों को हटाया। मार्शल बुलाए जाने से नाराज कांग्रेस विधायक सदन में ही धरने पर बैठ गए। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का कहना है कि मुकेश भाकर का निलंबन खत्म होने और मंत्री के बेटे को सरकारी अधिवक्ता बनाए जाने पर सरकार के जवाब की व्यवस्था तक सदन में उनका धरना जारी रहेगा।

सदन में हंगामे को लेकर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मीडिया से बातचीत में कहा कि आज सरकार के सामने संवैधानिक संकट है। सरकार ने पीपी और एपीपी की नियुक्ति सीआरपीसी के तहत की है और भारतीय न्याय संहिता लागू होने के बाद यह नियुक्तियां शून्य हो जाती हैं। हमने आसन से यह मांग की थी कि इस पर सरकार का जवाब आ जाना चाहिए। सरकार इस पर कोई जवाब नहीं देना चाहती। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष के लोग उन्हें उकसाते हैं, जिससे गतिरोध हो जाता है। उन्होंने कहा कि मुकेश भाकर का निलंबन निंदनीय है। हम सदन में धरना देंगे, जो रात को भी जारी रहेगा।

इधर सरकार का पक्ष रखते हुए विधि एवं कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि बिना नियमों में आए उन्होंने विषय उठाने का प्रयास किया है। सरकारी अधिवक्ता नियुक्त करने की प्रक्रिया पुराने कानून में शुरू हो चुकी थी और कई जगह प्रक्रिया पूरी भी हो चुकी है। इस बात को अनावश्यक रूप से मुद्दा बनाकर सदन में व्यवधान किया है। एक सदस्य ने आक्रामक रूप से आसन की ओर बढ़ने का प्रयास किया, इसलिए उन्हें निलंबित किया गया। मंत्री के बेटे की नियुक्ति के सवाल पर उन्होंने कहा कि लिखित जो दिया गया है। उसमें इसका कोई जिक्र नहीं है। वह नियुक्ति एक प्रक्रिया के तहत आज से सात महीने पहले हुई थी। आज उसका कोई मुद्दा ही नहीं है।

डमी अभ्यर्थी बैठाने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा-2022 में स्वयं के स्थान पर डमी अभ्यर्थी बैठाने वाले मुख्य आरोपित को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

एटीएस और एसओजी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक वीके सिंह ने बताया कि वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा-2022 में स्वयं के स्थान पर डमी अभ्यर्थी बैठाने वाले मुख्य आरोपित रमेश कुमार राणा (37) निवासी रानीवाड़ा जिला जालौर को गिरफ्तार किया है। अब तक की जांच में सामने आया है कि आरोपित रमेश कुमार राणा द्वारा वरिष्ठ अध्यापक संस्कृत शिक्षा विभाग प्रतियोगी परीक्षा-2022 में स्वयं द्वारा आवेदन पत्र जारी किया गया। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा रमेश कुमार राणा के नाम से जारी प्रवेश पत्र को आरोपित द्वारा कांट-छांट कर प्रतियोगी परीक्षा में सामान्य ज्ञान एवं हिन्दी की परीक्षा के लिए स्वयं के स्थान पर डमी अभ्यर्थी के रूप में सुरेश कुमार गोदारा एवं दिनेश कुमार को बैठाया। एसओजी की पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

70 प्रतिभाएं सम्मानित

जयपुर। राष्ट्रीय सामाजिक गौरव सम्मान पुरस्कार समारोह-2024 में गणमान्यों ने हिस्सा लिया और प्रोत्साहित किया। इस मौके पर न्यास के क्षेत्र में अच्छा काम करने वाली 70 प्रतिभाओं को सम्मानित किया तो वे रोमांचित हो उठे।

अध्यक्ष ने नेता प्रतिपक्ष को पांच बार नियमों के तहत विषय उठाने को कहा

'प्रतिपक्ष की हठधर्मिता, प्रतिपक्ष विधायक का गरिमापूर्ण आसन की ओर अभद्र व्यवहार शर्मनाक व निन्दनीय'

- 'प्रतिपक्ष को ऐसे सदस्य का बचाव करना, अलोकतांत्रिक और विकास विरोधी सोच का घोतक'

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राजस्थान विधान सभा में नियमों और परम्पराओं के विपरीत प्रतिपक्ष के हठधर्मिता वाले व्यवहार को बेहद दुःखद बताया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा जैसे पवित्र व गरिमापूर्ण सदन में किसी सदस्य के द्वारा आसन की ओर अभद्र इशारों का प्रदर्शन शर्मनाक है। प्रतिपक्ष द्वारा ऐसे सदस्य का पक्ष लेना बेहद निन्दनीय है और ऐसे सदस्य का बचाव किया जाना भी अशोभनीय है। देवनानी ने कहा कि आसन द्वारा सदस्य का निलंबन किये जाने का कदम सदन की गरिमा की रक्षार्थ उठाया गया। प्रतिपक्ष ने लगातार आसन के निर्देशों की अवहेलना की है। प्रतिपक्ष के सदस्य का सोमवार को सदन में व्यवहार और प्रतिपक्ष द्वारा ऐसे सदस्य का बचाव संसदीय परम्पराओं की अवहेलना की पराकाष्ठा है।

सदन में अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा उदार रुख दिखाते हुए आसन से पाँच बार प्रतिपक्ष नेता को नियमों के तहत विषय उठाने के लिए कहा गया। इसके बावजूद भी विधानसभा में प्रतिपक्ष का हठधर्मिता का प्रदर्शन करते हुए वेल में आना, सदन की गरिमा के अनुकूल नहीं है। उल्लेखनीय है कि सदन में प्रतिपक्ष नेता द्वारा उठाया गया विषय न्यायालय में विचाराधीन है। राजस्थान विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के तहत न्यायालय में विचाराधीन विषयों पर सदन में चर्चा की अनुमति नहीं होती है। न्यायालय में विचाराधीन विषयों को बार-बार सदन में उठाया जाना नियमों ही नहीं परम्पराओं के भी विपरीत होता है। विधानसभा में सोमवार को विधायकों के अनुभवों और नवाचारों पर विचार के दौरान विधि विभाग द्वारा 12 जिलों में कुछ लोक अभियोजक और अपर लोक अभियोजकों की नियुक्ति के सन्दर्भ में 27 जुलाई को हुए आदेश में दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 24 के उल्लेख का विषय प्रतिपक्ष नेता द्वारा व्यवस्था के प्रश्न के नाम से उठाया गया जो कि नियमों के विपरित था। राजस्थान विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 294 के तहत यह व्यवस्था का प्रश्न ही नहीं था। विधान सभा सदन में किसी विषय को उठाने से पूर्व राजस्थान विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 295 के तहत लिखित में विधान सभा के प्रमुख सचिव को सूचना दिये जाने के तत्पश्चात ही कोई विषय सदन में उठाया जा सकता है।

सदन में चल रहे गतिरोध के दौरान ही विधायक मुकेश भाकर द्वारा आसन के प्रति अशोभनीय व्यवहार और हाथों के इशारे से अमर्यादित प्रदर्शन किया गया, जो विधानसभा में सन 1952 से लेकर अब तक के इतिहास में ऐसे किसी व्यवहार की नजीर नहीं है और प्रतिपक्ष नेता का भी बैल में आने की परम्परा नहीं रही है। इसकी प्रतिपक्ष नेता व प्रतिपक्ष विधायको को घोर निन्दा करनी चाहिए, ताकि विधान सभा सदन की गरिमा और पवित्रता कायम रखी जा सके। विधान सभा के सभी सदस्यों का सदन की पवित्रता व गरिमा को बनाये रखने का महत्वपूर्ण दायित्व होता है।

उल्लेखनीय है कि प्रतिपक्ष द्वारा सदन में नियमौ व आसन के निर्देशों की अवहेलना करके सदन संचालन में व्यवधान डालना और अपमानजनक भाषा के प्रयोग किये जाने के मामले गत दिनों में अनेक बार हुए हैं, जो आसन द्वारा सदन की समृद्ध परम्पराओं के अनुरूप स्वीकार योग्य नहीं है। पूर्व में भी प्रतिपक्ष नेता द्वारा आसन को धृतराष्ट्र कहना, विधायक शांति धारिवाल द्वारा सदन में सभापति को धमकाया जाना और अपशब्द के उपयोग किये जाने के साथ प्रतिपक्ष द्वारा लगातार नियमों की अवहेलना उनका लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं और संसदीय परम्पराओं में आस्था नहीं होना प्रदर्शित करता है।

'नीमच-बड़ीसादड़ी रेल लाइन से प्रभावित 18 जमीनों का भू-रूपांतरण कर बढ़ा दिया 20 करोड़ रु. का मुआवजा'

मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने बांसवाड़ा संभागीय आयुक्त नीरज के.पवन. पर अधिग्रहित जमीनों का मुआवजा तय करने की आड़ में करोड़ों का घोटाला करने और राजकोष को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया

- किरोड़ीलाल मीणा ने राज्य सरकार को शिकायती पत्र लिखकर, नीरज के.पवन को तुरंत फील्ड पोस्टिंग से हटाने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि 20 करोड़ का घोटाला तो हो चुका है, अभी करीब 125 और मामलों में नीरज के.पवन. मुआवजा इसी प्रकार निर्धारित करने पर तुले हुए हैं, जिससे रेलवे प्रशासन को करीब 130 करोड़ का चूना लगेगा।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने बांसवाड़ा संभागीय आयुक्त पर 'नीमच-बड़ीसादड़ी नई रेल लाइन से प्रभावित 18 जमीनों (जिनका भू-रूपांतरण रेल मंत्रालय की अधिसूचना के बाद में हुआ) का मुआवजा 20 करोड़ रु. बढ़ाने का आरोप लगाया है। मंत्री करोड़ीलाल का कहना है कि रेलवे को जो अधिग्रहित भूमि 2 करोड़ में प्राप्त हो सकती थी, अब उस जमीन के बदले 22 करोड़ रु. से ज्यादा की रकम चुकानी पड़ेगी।

किरोड़ीलाल मीणा ने राज्य सरकार को शिकायती पत्र लिखकर, बांसवाड़ा संभागीय आयुक्त नीरज के.पवन पर जमीनों के मुआवजे की आड़ में करोड़ों रुपए का घोटाला करने और राजकोष को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाते हुए तुरंत फील्ड पोस्टिंग से हटाने की मांग रखी है। उन्होंने कहा कि 20 करोड़ का घोटाला तो हो चुका है, अभी करीब 125 और मामलों में नीरज के.पवन. मुआवजा इसी प्रकार निर्धारित करने पर तुले हुए हैं, जिससे रेलवे प्रशासन को करीब 130 करोड़ का चूना लगेगा।

किरोड़ीलाल ने कहा है कि नीरज.के.पवन का नाम पहले भी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन घोटाला, नर्सिंग कॉलेज घोटाला और नगर निगम बी.वी.जी. कंपनी घोटाले में सामने आ चुका है। राजस्थान सरकार के कार्मिक विभाग ने भी सर्कुलर जारी कर रखा है कि, जिन अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लंबित हों, उन्हें फील्ड पोस्टिंग नहीं दी जाए।

मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने बताया कि मध्यप्रदेश के नीमच और राजस्थान में छोटी-बड़ी सादड़ी क्षेत्र को नई रेल लाइन से जोड़ने के लिए रेल मंत्रालय ने 12 अगस्त 2022 को अधिसूचना जारी की थी। इसके बाद जिन-जिन जमीनों में से होकर रेलवे लाइन गुजरती, उनका आनन-फानन में कृषि से आवासीय भू-रूपांतरण करने का खेल शुरू हुआ। अक्टूबर-2022 में अधिकांश लोगों ने एक साथ अपनी जमीनों को कृषि से आवासीय में रूपांतरित करवा लिया, जिनमें यह 18 लोग भी शामिल थे। जबकि नियमानुसार, जमीन अवाप्ति की अधिसूचना जारी होने के बाद भूमि किस्म में बदलाव नहीं किया जा सकता।

उन्होंने बताया कि रेलवे मंत्रालय ने 12 अगस्त को अधिसूचना जारी करते हुए "नीमच-बड़ीसादड़ी नई रेल लाइन परियोजना" के लिए नीमच के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तथा प्रतापगढ़ व चित्तौड़गढ़ उपखंड अधिकारी को सक्षम प्राधिकारी घोषित किया था।

इस रेलवे लाइन की घोषणा के बाद पूरे क्षेत्र में व्यापक स्तर पर रेलवे विभाग व स्थानीय प्रशासन ने सर्वे किया। इसी दौरान प्रकरण संख्या 14/2024 जी.सी.एम.एस. नंबर 2024/2016 मेघराज बनाम भारत सरकार में उपखंड अधिकारी प्रतापगढ़ ने मुआवजा राशि 12 लाख 46 हजार 994 रुपए तय की थी।

किरोड़ीलाल ने बताया कि "रेलवे अधिनियम-1989 की धारा 20(च)(6) के तहत किसी भी भूमि अधिग्रहण के मुआवजे से कोई व्यक्ति संतुष्ट नहीं होता है तो वह मध्यस्थ के समक्ष आवेदन कर सकता है। चूंकि बांसवाड़ा संभागीय आयुक्त नीरज.के.पवन इन मामलों की मध्यस्थता कर रहे थे। उनके समक्ष जब यह प्रकरण पहुंचा तो उन्होंने कृषि भूमि से आवासीय कन्वर्जन को सही ठहराते हुए मुआवजा राशि 12.46 लाख रुपए से बढ़ाकर 1 करोड़ 45 लाख 64 हजार 477 रुपए तय कर दी। इससे सिर्फ एक मामले में ही रेलवे विभाग को 1.33 करोड़ रु. का नुकसान हुआ।"

इसके बाद गत 20 जून 2024 को प्रतापगढ़ जिले के छोटी सादड़ी उपखंड अधिकारी व भूमि अवाप्ति के सक्षम प्राधिकारी प्रवीण कुमार मीणा ने उत्तर-पश्चिम रेलवे उदयपुर के उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण-4) को पत्र लिखकर इस प्रकरण में खातेदार को देने के लिए 1.33 करोड़ रु. की मुआवजा राशि और मांगी है।

किरोड़ीलाल ने संभागीय आयुक्त नीरज.के.पवन. द्वारा 18 जमीनों के प्रकरणों में बढ़ाई गई 20 करोड़ रु. की मुआवजा राशि की सूची जारी करते हुए सभी प्रकरणों की जानकारी भी साझा की है। जिसमें उन्होंने खातेदारों के नाम, केस नंबर, खसरा नंबर, जमीन अवाप्ति का एरिया, भूमि रूपांतरण की तारीख बताई है। इसके साथ ही कृषि भूमि के हिसाब से दिये जाने वाले करीब 2 करोड़ की मुआवजा राशि को प्रकरणवार बताया है। इसके अलावा वर्तमान में आवासीय भूमि के हिसाब से 22 करोड़ रु. की जो मुआवजा राशि दी जाने वाली है, उसकी भी पूरी जानकारी दी है।

किरोड़ी लाल के मुताबिक मेघराज पिता भुवानीराम निवासी केसुंदा के खसरा नम्बर 2914/1496, जगदीश पिता हेमराज निवासी केसुंदा के खसरा नम्बर 2916/1109, टीना पुत्री विपुल कुमार निवासी केसुंदा खसरा नम्बर 2918/1910, जगदीश चंद्र पिता मोहनलाल निवासी खेड़ाकेसुंदा खसरा नम्बर 102, दशरथ, राजेश पिता मेघराज निवासी केंसुंदा खसरा नम्बर 2912/1495, अभिषेक पिता बाबूलाल निवासी धामनिया रोड खसरा नम्बर 517/34, कानाबाई पुत्री कारूलाल निवासी केसुंदा खसरा नम्बर 1066, धापू पुत्री भेरु पारम पिता भेरु निवासी राजपुरा खसरा नम्बर 304/104, रामचंद्र पिता बजेराम निवासी चान्दोसी खसरा नम्बर 1514/300, नानाराम पिता गवरीलाल निवासी चान्दोसी खसरा नम्बर 1520/358, सीताराम पिता पर्चा निवासी हमेरपुरा उर्फ दूधतलाई खसरा नम्बर 807/103, टीना पुत्री विपुल कुमार निवासी केसुंदा, गंगाबाई पुत्री भेराजी निवासी जलोदा जागीर खसरा नम्बर 2475/2011, चेतना पिता बाबुलाल निवासी धमानिया रोड खसरा नम्बर 518/34, आशाबाई पुत्री बाबूलाल निवासी धमानिया रोड खसरा नम्बर 519/34, रामलाल पिता मोती निवासी हमेरपुरा उर्फ दूधतलाई खसरा नम्बर 805/95, प्रकाश चंद्र पिता कानीराम निवासी जालोदा जागीर खसरा नम्बर 2477/1982, सुमित्राबाई पुत्री गोपाललाल निवासी राजपुरा खसरा नम्बर 310/309, ईश्वरनाथ पिता गोपीनाथ निवासी चांदोसी खसरा नम्बर 1516/708।

राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। राज्यपाल ने उनसे राजस्थान के विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। राज्यपाल की उनसे यह शिष्टाचार भेंट थी।

एविएशन सिक्योरिटी कल्चर वीक का शुभारंभ

जयपुर। भारत सरकार की नागर विमान सुरक्षा के तत्वावधान में इंटेलिजेंस ट्रेनिंग अकेडमी जयपुर स्थित एविएशन सिक्योरिटी ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट में एविएशन सिक्योरिटी कल्चर वीक का शुभारंभ सोमवार को आईजी सुरक्षा राजस्थान राजेश मीणा की अध्यक्षता में आयोजित एक समारोह में किया गया। समारोह के शुभारंभ के अवसर पर आईजी मीणा ने बताया कि सोमवार 5 से 11 अगस्त तक एविएशन सिक्योरिटी कल्चर वीक मनाया जा रहा है। मीणा ने हॉटल मैनेजमेन्ट के छात्रों को हवाई सुरक्षा के बारे में बताया। वरिष्ठ नागरिक उड्यन सुरक्षा अधिकारी ईश्वर सिंह द्वारा विमान यात्रा के दौरान केटरिंग सुरक्षा के बारे में व्याख्यान दिया गया। बीसीएएस से आये अधिकारी, इण्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ हॉटल मैनेजमेन्ट के अधिकारी एवं छात्र-छात्राएं तथा उप महानिरीक्षक पुलिस एवं निदेशक, एएसटीआई, राजस्थान दीपक भार्गव सहित इन्टेलीजेंस प्रशिक्षण अकादमी जयपुर के प्रशिक्षणार्थी एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

दो बदमाशों ने की बुजुर्ग से लूटपाट

जयपुर । जयसिंहपुरा खोर इलाके में दो बदमाशों ने एक बुजुर्ग व्यक्ति से लूट की वारदात को अंजाम दिया।

बताया जा रहा है कि रात के समय घर लौटते समय बदमाशों ने वारदात की। मारपीट कर बदमाश कैश छीन ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लुटेरों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि लूट की वारदात जमवारामगढ़ निवासी गोविन्द नारायण शर्मा (60) के साथ हुई। रविवार रात वह घर लौट रहे थे। सूगली नदी कचरा प्लांट के पास दो बदमाशों ने उन्हें पकड़ लिया।

हरियालो राजस्थान के लिए बनाए 17 ब्रांड एंबेसडर

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर हरियाली तीज पर हरियालो राजस्थान अभियान को लेकर पिछले लगभग 3 महीने से लगातार प्रदेश का दौरा कर अभियान को सफल बनाने मे जुटे हैं। दिलावर प्रदेश के 17 से अधिक जिलों का दौरा कर 200 से अधिक बैठके ले चुके हैं। अभियान को लेकर मंत्री ने 17 ब्रांड अम्बेसडर भी नियुक्त किए हैं जो निरंतर इस अभियान को सफल बनाने मे जुटे हुए हैं। नियुक्त किए गए सभी ब्रांड एंबेसडर पर्यावरण के लिए काम करने वाली प्रमुख हस्तियां हैं।

हिम्मता राम भांभू नागौर जिले से है। पद्मश्री प्राप्त भांभू ने 7 अगस्त को एक ही दिन मे 11 हजार पौधे लगाने और उनको सुरक्षित रखने का संकल्प लिया है। अजीत सिंह शेखावत पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। सीकर जिले की लक्ष्मणगढ़ तहसील के छिछलास ग्राम निवासी शेखावत ने स्वयं के निजी खर्चे पर 51000 पौधे पूरे राजस्थान मे नंगे पैर रहकर लगाए हैं। साथ ही 6 छोटे-छोटे ऑक्सीजन पार्क भी विकसित किए हैं। धर्मपाल डोंगीवाल पेशे से शिक्षक है। नागौर निवासी डोंगिवाल अब तक 5 हजार पौधे लगा चुके हैं।

जालोर के शंकर लाल राजपुरोहित ने 11000 पौधे लगाने का संकल्प लिया है।जालोर की जस्ट लाइक यू फाऊंडेशन ने भी 11000 पौधे लगाने का संकल्प लिया है। जोधपुर के निर्मल गहलोत बड़े समाजसेवी हैं। वह कोचिंग संचालक है। गहलोत ने राजस्थान के राज्य वृक्ष खेजड़ी के 11000 पौधे उपलब्ध करवाने तथा उनका कलम करने का संकल्प लिया है। जयपुर के सुभाष गोयल जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष हैं। इन्होंने 100000 पौधे लगाने का संकल्प लिया है। उमेश भंडारी, प्रेसिडेंट रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड जयपुर। इन्होंने 11000 पौधे लगाने और उनको सुरक्षित रखने का संकल्प किया है। जयपुर के सुनील अग्रवाल ने 11000 से ज्यादा पौधे लगा दिए हैं तथा हर महीने औसतन 3 से 4 लख रुपए वृक्षारोपण हेतु खर्च करते हैं। मानस गोस्वामी गोविंद देव जी मंदिर,जयपुर। गोस्वामी ने 21000 पौधे लगाने का संकल्प लिया है। राम अवतार मीणा, सवाई माधोपुर निवासी मीना ने 11000 पौधे लगाने और उनको सुरक्षित रखने का संकल्प लिया है। सीकर निवासी महंत दिनेश गिरि महाराज, पीठाधीश्वर बुद्ध गिरी मढ़ी, फतेहपुर,सीकर ने 21000 पौधे लगाने और उनको सुरक्षित रखते हुए वृक्ष बनाने का संकल्प लिया है। श्याम सुंदर पालीवाल, निवासी राजसमंद। पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त हस्ती है। इन्होंने 11000 पौधे लगाने और उनको वृक्ष बनाने का संकल्प लिया है। निलेश जागेटिया, रेलमगरा, राजसमंद निवासी जागेटिया 15000 पौधे लगाएंगे। दिलीप सुराणा, प्रसिद्ध उद्योगपति सुराणा जी माइक्रोलैब्स लिमिटेड ग्राम बाल राय जिला पाली के सीएमडी है। इन्होंने 20000 पौधे लगाने और उनको सुरक्षित रखने का संकल्प लिया है। विजय सिंह राठौड़ हनुमानगढ़ जिला परिषद के सदस्य है। राठौर 11000 पौधे लगाएंगे तथा रामेश्वर मित्तल बारां जिले के शाहाबाद के रहने वाले है।

दौसा में हुई सड़क दुर्घटना पर राज्यपाल की शोक संवेदना

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने दौसा में हुए भीषण हादसे में नायब तहसीलदार सहित तीन कार्मिकों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से मृतकों की आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। उन्होंने हादसे में घायल तीन कार्मिकों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की।

हॉस्टल छात्रा से छेड़छाड़

जयपुर । सांगानेर इलाके में एक हॉस्टल छात्रा से छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि पिछले काफी समय से आरोपित उसका पीछा कर बीच रास्ते में पकड़ कर छेड़छाड़ कर रहा है। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

'श्री शुभम लॉजिस्टिक व भंडारण निगम के अनुबंध की जांच करें ए.सी.बी.'

मंत्री किरोड़ीलाल की शिकायत के बाद भंडारण निगम ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को जांच के लिए पत्र लिखा

जयपुर (का.सं.)। मंत्री किरोड़ीलाल मीणा की शिकायत पर राजस्थान राज्य भंडारण निगम ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ए.सी.बी.) को पत्र लिखकर कहा है कि, "श्री शुभम लॉजिस्टिक के साथ कृषि उपज को भंडारण निगम व प्राइवेट गोदामों में सुरक्षित रखने के लिए किए गए अनुबंध" के प्रकरण में भारी अनियमितताओं के आरोपों की जांच की जाए।

गौरतलब है कि मंत्री किरोड़ीलाल ने 16 मई को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर शिकायत दी थी कि जून-2020 में भंडारण निगम ने गोदाम निर्माण, गोदामों को पी.पी.पी. मोड पर देने और उनका प्रबंधन करने के लिए श्री शुभम लॉजिस्टिक और ऑरिगो कंपनी को टैंडर दिया था, लेकिन इन फर्मों ने शर्तों का उल्लंघन करते हुए गोदामों में रखी 3000 करोड़ की बाजार मूल्य वाली कृषि उपज का बीमा नहीं करवाया। इसके अलावा तयशुदा बैंक गारंटी की राशि भी विभाग में जमा नहीं करवायी। इस किरोड़ीलाल मीणा ने 21 जनवरी 2024 की सी.ए.जी. रिपोर्ट का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से इस घोटाले की जांच करवाने, टैंडर निरस्त करने और दोषी बड़े अधिकारियों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की मांग उठाई थी।

गौरतलब है कि भंडारण निगम ने गत 19 जून को कृषि-उद्यानिकी विभाग के प्रमुख शासन सचिव को पत्र लिखा था कि "मंत्री किरोड़ीलाल के गंभीर आरोपों के बाद 14 जून को बोर्ड मीटिंग में श्री शुभम लॉजिस्टिक द्वारा की गई अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया था। साथ ही दो वरिष्ठ अधिकारियों पर दंडात्मक कार्रवाई करने का भी फैसला लिया था। बोर्ड मीटिंग में कहा गया था कि प्रतिनियुक्ति पर लगे डिप्टी डायरेक्टर योगेश वर्मा को निलंबित किया जा चुका है। पत्र में बताया गया कि लेखाधिकारी बिंदू भदौरिया के निलंबन के लिए भी वित्त विभाग को फाइल भेजी गई है। इसी संदर्भ में भंडारण निगम ने ए.सी.बी. को पत्र लिखकर यह भी कहा है कि, श्री शुभम लॉजिस्टिक के साथ हुए अनुबंध में कई चौंकानें वाली बातें हैं, जैसे कि भंडारण निगम, इस कंपनी के साथ अपना अनुबंध खत्म भी करना चाहे तो "टर्मिनेशन क्लॉज" (अनुबंध खत्म करने की शर्त) के अनुसार भंडारण निगम को उसे खामियां बताते हुए नोटिस देकर 6 माह में इन गलतियों को सुधारने का मौका देना पड़ेगा। इसके बाद भी अगर हालात नहीं सुधरते हैं तो 3 माह का अतिरिक्त समय देते हुए पुनः नोटिस देना पड़ेगा। एसीबी को भेजी गई शिकायत के साथ इस एकतरफा "टर्मिनेशन क्लॉज" के बारे में भी जानकारी दी गई है। हैरानी की बात है कि तत्कालीन अधिकारियों व उनके वित्तीय सलाहकारों ने श्री शुभम लॉजिस्टिक के साथ ऐसा अनुबंध करने के लिए क्यों विवश थे?

कांग्रेस शासन में महिलाओं की स्थिति बहुत दयनीय रही : मदन राठौड़

जयपुर। केंद्र सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण को लेकर शुरू की गई मिशन शक्ति योजना पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष अध्यक्ष सांसद मदन राठौड़ ने राज्यसभा में सवाल लगाया। राठौड़ ने महिला सशक्तिकरण हेतु मिशन शक्ति योजना को लेकर राजस्थान राज्य का 2021 से लेकर 2023-24 तक का ब्योरा मांगा। सवाल के जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी द्वारा बताया गया कि भारत सरकार ने 15वें वित्त आयोग की अवधि 2021-22 से 2025-26 के दौरान राजस्थान राज्य सहित संपूर्ण देश में महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षा और सशक्तिकरण के लिए अम्ब्रेला स्कीम के रूप में एक्रीकृत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम मिशन शक्ति शुरू किया गया। इसके अन्तर्गत राजस्थान राज्य को पिछले तीन वर्ष 2021-22 में 123.84 करोड़, 2022-23 में 90 करोड़ और 2023-24 में 144.18 करोड़ का बजट जारी किया।

शिक्षिका ने छात्रा को चोटी पकड़कर जमीन पर पटका

जयपुर । राजधानी के बनीपार्क स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में 10 साल की मासूम छात्रा को टीचर ने चोटी पकड़ कर बेंच से नीचे पटक दिया। इससे बच्ची के हाथ में भी मोच आ गई। ये घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका फुटेज अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वहीं, इस मामले पर अब शिक्षा मंत्री ने जांच के आदेश देते हुए दोषी शिक्षिका पर कार्रवाई की बात कही है।

एक तरफ शिक्षा महकमा प्रदेश के सरकारी स्कूलों में गुणवत्ता लाने के प्रयास में जुटा है।

सड़क हादसे में नायब तहसीलदार सहित 3 राजस्वकर्मियों की मौत

एनएच 11 पर शिवसिंहपुरा के पास डंपर ने राजस्वकर्मियों की कार को टक्कर मार दी

दौसा, (निसं)। लालसोट क्षेत्र में एनएच 11ए के शिवसिंहपुरा गांव के पास डंपर व कार की भिडंत में तीन राजस्वकर्मियों की मौत हो गई। वहीं तीन अन्य घायल हो गए। लालसोट थाना प्रभारी महावीर सिंह ने बताया कि वैगनआर कार में सवार छह राजस्वकर्मी जयपुर जा रहे थे। इस दौरान एक खाली डंपर लालसोट की तरफ आ रहा था। तभी एनएच 11 पर शिवसिंहपुरा गांव के पास डंपर ने राजस्वकर्मियों की कार को सामने से टक्कर मार दी।

हादसे में निर्झरना नायब तहसीलदार गिर्राज शर्मा (55) पुत्र रामकरण निवासी व्यासों का नोहराए गिरदावर दिनेश शर्मा (40) पुत्र चतुर्भुज शर्मा निवासी गायत्री नगर दौसा और पटवारी दिनेश शर्मा (42) पुत्र सत्यनारायण निवासी सुंदरपुर मंडावरी की मौत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि राजस्वकर्मियों की कार बुरी तरह से चकनाचूर हो गई। जिससे कार में फंसे राजस्वकर्मियों को डिग्गी खोलकर लोगों ने कडी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। पुलिस ने तीनों शवों को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल पटवारी प्रदीप पुत्र दामोदर निवासी दौसाए गिरदावर मिथलेश पुत्र रामविलास मीनाए पटवारी अभिषेक पुत्र अश्वनी निवासी डीडवाना लालसोट को जिला अस्पताल लालसोट में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर तीनों को जयपुर रेफर कर दिया। हादसे के बाद डंपर चालक डंपर को छोडकर वहां से फरार हो गया। पुलिस ने डंपर को जब्त कर लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि सभी राजस्वकर्मी राजपुरा गांव में जमीन की पैमाइश करने और रास्ता निकलवाने के लिए जा रहे थे। तीन राजस्वकर्मियों की मौत से सरकारी महकमे में शोक की लहर दौड गई। एसडीएमए डीएसपी व अन्य अधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे। लालसोट विधायक रामविलास मीणा भी जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने मृतकों के परिजनों को ढाढस बंधाया। विधायक मीणा ने जयपुर फोन कर गंभीर रूप से घायलों का बेहतर इलाज करने का निर्देश दिया। बता दें कि लालसोट उपखंड क्षेत्र में बजरी का अवैध खनन धडल्ले से हो रहा है। आए दिन डंपरों से हादसे हो रहे हैं। लेकिन मिलीभगत के कारण इन पर लगाम नहीं लग रही है।

शिवसिंहपुरा गांव के पास डंपर व कार की भिड़ंत के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

मालपुरा में हुई मूसलाधार बरसात से बिगड़े हालात

दो महिलाएं सहोदरा नदी के बहाव में बह गई

मालपुरा में हुई मूसलाधार बरसात से बाढ़ के हालात।

- 28 साल बाद टोरडी सागर बांध हुआ ऑवरफ्लो, जिला कलेक्टर ने लिया हालातों का जायजा
- बांध से प्रभावित एक दर्जन गांवों को प्रशासन ने खाली करने की कराई मुनादी, 100 से अधिक गांव-ढाणियों का कटा सम्पर्क, आधा दर्जन से अधिक टूटे तालाब, लाम्बाहरिसिंह बांध मे भी 16 साल बाद चली चादर

मालपुरा, (निसं)। रविवार की मध्य रात्रि के बाद से शुरू हुई मूसलाधार बारिश सोमवार की दोपहर बाद तक भी जारी रहने से मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के दर्जनों गांव-ढाणियां जलमग्न हो गई तो 100 से अधिक गांव-ढाणियों का एक-दूजे से सम्पर्क कट जाने से हालात बेकाबु हो गये।

मालपुरा केकड़ी सड़क मार्ग पर सहोदरा नदी में भारी उफान आ जाने के बाद प्रशासन की चेतावनी को नजर अंदाज कर तेज बहाव मे उतरने से बागडी व संग्रामपुरा निवासी दो महिलाऐं नदी के बहाव मे बह गई। एसडीआरएफ की टीम ने शुरू किया रैस्क्यू। टोरडी सागर बांध मे हुई पानी की भारी आवक से 28 साल बाद टोरडी सागर बांध ऑवरफ्लो होकर दो फीट से अधिक चादर चल गई। वही लाम्बा हरि सिंह का रामसागर बांध भी ऑवरफ्लो हो जाने से 16 साल बाद बांध पर चादर चली। मूसलाधार बारिश का कहर दस घंटों से अधिक जारी रहने से समुचा उपखण्ड क्षेत्र जलमग्न हो गया। चारों और पानी ही पानी व ग्रामीणों की सुरक्षा की गुहार की आवाजे सुनाई दी। जिला कलेक्टर ने मालपुरा क्षेत्र मे बिगडे हालातों एवं सभी नदी नालों के साथ-साथ सहोदरा नदी के भारी उफान से दो दर्जन से अधिक गांवो के प्रभावित होने व गांवो मे बाढ के हालातो को गंभीरता से लेते हुये टोरडी पहुंच बांध का जायजा लिया। बांध की मोरी 30 फिट की भराव क्षमता पूर्ण होने के साथ ही रेड अलर्ट के कलेक्टर ने आदेश जारी कर दिये। बांध का जायजा लेने व सीआर भंवर मुवाल सहित सिंचाई विभाग के अधिकारियों व राजस्व विभाग के अधिकारियों से मिले फिडबैक के बाद कलेक्टर सौम्या झां ने मामले को गंभीरता से देखते हुये बाढ़ व अतिवृष्टि को भापते हुये तेज बहाव व बांध से प्रभावित रपट्टा व एनिकट वाले क्षेत्रों में शामिल टोरडी, घाटी, कडीला, तिलांजू, देवल्या पट्टी, अलियारी, डूंगरीखुर्द, जरेली, केरवालिया, बालापुरा, शेरगढ , रायपुरिया, नमुकियां, गुंजा, जानकीपुरा, डूंगरीकलां, भावलपुर, गांवों में सार्वजनिक मुनादी करवा अतिआवश्यक सामान व पशुधन को लेकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचने की ग्रामीणों से अपील की है।

भारी बरसात से टूटे तालाब,एनिकट इत्यादि से निकलने वाले भारी पानी से दूदू-छाण स्टेट हाईवे के मालपुरा टोडारायसिंह, टोरडी से शेरगढ रायपुरिया, नानेर से हमीरपुर, चांदसेन बांध क्षेत्र के भीपुर, चबराना, कुटका व ढोला का खेडा के ग्रामीणों को रात मे सजग रहने की मुनादी करवाई गई है। सहोदरा नदी के उफान से लाम्पाजुनारदार गांव टापू मे तब्दील हो जाने के बाद एक मकान मे वृद्ध महिला फुला देवी के साथ फंसे उसके तीन बेटे कैलाश,शंकर व राम को केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी के निर्देशो पर पहुंची एसडीआरएफ टीम ने तकरीबन चार घंटे का रैस्क्यू कर मौजूद ग्राम पंचायत सरपंच सत्यनारायण व थाना पुलिस सहित ग्रामीणो के सहयोग से सुरक्षित निकाला। ढीबरू गांव का तालाब टूटने पर गांव जलमग्न हो गया। कलमंडा का सरकारी स्कुल भवन टापू मे तब्दील हो गया। नयागांव जाटान मे कई मकान धराशाही हो गये। तो मालपुरा शहर के पुरानी तहसील मे भी कच्चे मकान धराशाही हो गये। नदी के उफान के बाद मालपुरा केकडी सडक मार्ग को पुलिस प्रशासन ने आवागमन बंद करवा दिया। शहर मे बरसाती नालो पर हुये अतिक्रमण व पालिका प्रशासन द्वारा नालो मे ही पट्टे जारी करने के चलते महावीर मार्ग सहित नीचे के आवासीय कॉलोनियां जलमग्न हो गई। लाखो रूपयो के का शहरवासियो को आर्थिक नुकसान हुआ। क्षेत्र मे बाढ के हालातो ने स्थानीय प्रशासन की बाढ राहत तैयारियों की पोल खोलकर रख दी। ना तो स्थानीय प्रशासन के पास पानी निकासी के लिये जेसीबी और ना ही रिसाव रोकने के लिये मिट्टी के कट्टे,गौताखोर एवं बाढ राहत मित्रो सहित किसी भी प्रकार के सुरक्षा संसाधनो की अनउपलब्धत्ता के चलते चारो और हां हांकार मची हुई है। कलेक्टर के साथ कार्यावाहक एसडीएम कपिल शर्मा, एएसपी रामकुमार कस्वा, तहसीलदार राहुल पारीक, डीएसपी महेन्द्र मीणा, सिंचाई विभाग के एक्सईएन आदि मौजूद रहे।

अजमेर शहर की सड़क बनी दरिया, कई बस्तियों व अस्पताल में भरा पानी

अजमेर, (कासं)। प्रदेश में सक्रिय हुए मानसून के चलते दो दिनों से अजमेर शहर सहित जिले भर में हुई तेज बरसात शहरवासियों के लिए बैरन बन गई। अजमेर की प्रमुख बांडी नदी सहित नाले उफान पर रहे, जिसके चलते शहर की सडकें दरिया बन गई, तो वहीं प्रमुख मार्गों, कॉलोनियों सहित निचली बस्तियों के घरों सहित जेएलएन अस्पताल के वार्डों में पानी भर गया। सूफी संत ख्वाजा साहब की दरगाह स्थित झालरे की दीवार ढह गई। तेज बारिश का दौर के चलते लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। सिविल लाइंस, जेएलएन मार्ग सहित कई निचले इलाकों में जलभराव हो चुका है। मौसम विभाग द्वारा जारी भारी बारिश की चेतावनी के चलते जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने स्कूलों में दो दिन के अवकाश की घोषणा कर दी।

अजमेर में बीती दो दिनों से हो रही तेज बरसात के चलते शहर की निचली बस्तियों में पानी भर गया है। वैशाली नगर स्थित पुष्कर रोड पर मित्तल अस्पताल से रीजनल कॉलेज मार्ग सहित आनासागर सर्कुलर रोड के दोनों तरफ पानी भरा हुआ है। निचली बस्तियों जोसगंज, सुनहरी कॉलोनी, धोलाभाटा रोड, गुलाबबाड़ी, शक्ति नगर आम का तालाब, अलवर गेट, गुर्जर बस्ती, अजय नगर आदि क्षेत्रों में पानी भर गया है। मुख्य मार्गो पर अधिक पानी जमा होने से दुपहिया, चौपहिया वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वार्ड नंबर 44 भजनगंज में सडकों पर पानी घुटनों तक आ गया है। क्षेत्र में रहने वाले लोगों ने बताया कि नालियों की नियमित सफाई नहीं होने से पानी अवरुद्ध हो रहा है जिसकी वजह से बरसात का पानी सडकों पर जमा के हालात हो गए।

स्कूली बच्चे हुए परेशान :- सोमवार सुबह हुई तेज बरसात के चलते जिला कलेक्टर डॉ.भारती दीक्षित द्वारा देर से अवकाश की घोषणा करने के चलते निजी एवं सरकारी स्कूलों में आने बच्चों को बरसात में भीगते हुए स्कूल पहुंचना पड़ा, लेकिन कुछ देर बाद ही स्कूल प्रबंधन ने अवकाश की बात कहते हुए बच्चों को घर लौटने को कहा, ऐसे में परिजन को बच्चों को घर लाने में परेशानी का सामना करना पड़ा। संभाग के सबसे बड़े जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में ड्रेनेज सिस्टम सही नहीं होने के बीती रात से हो रही तेज बरसात से जेएलएन अस्पताल के मेडिकल जूरिस्ट विभाग, अस्थि रोग विभाग सहित दंत रोग विभाग व अन्य वार्डों में पानी भर गया। पानी भरने से कामकाज भी प्रभावित हुआ। अस्पताल अधीक्षक डॉ.अरविंद खरे ने बताया कि अस्थि रोग विभाग में भरे पानी को मोटर लगाकर बाहर निकाला जा रहा है।

अजमेर के वार्ड संख्या 37 के माखुपुरा क्षेत्र स्थित पटेल नगर कॉलोनी वासियों के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग के ठेकेदार द्वारा बनाई सड़क 5 साल से बरसात में आफत बनी हुई है। पानी की निकासी नहीं होने के कारण बरसात का पानी कॉलोनी में सडक़ के साथ घरों में भर जाता है। पानी भराव की समस्या को लेकर वार्ड 37 के पार्षद सोहन सिंह रावत ने भाजपा विधायक अनिता भदेल को भी जानकारी देते हुए समस्या के समाधान की मांग की है।

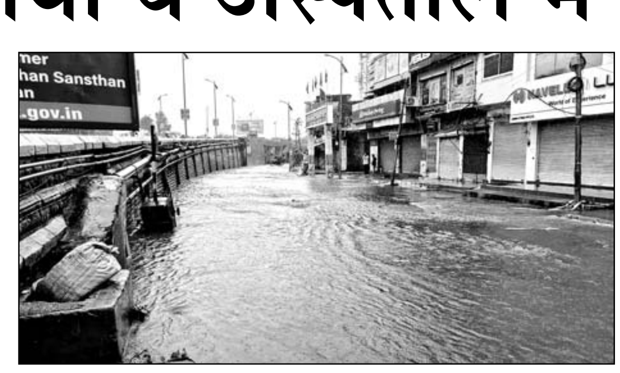

बरसात के चलते शहर के मुख्य मार्ग मार्टिन्डल ब्रिज के पास सड़क पर पानी जमा होने से राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

22 घंटे बाद मिला युवक का शव

बौंली-बामनवास, (निसं)। क्षेत्र के भारजा बनास नदी तट पर पिकनिक मनाने आए युवक शादाब खान का शव 22 घंटे के बाद एनीकट से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर श्मशान घाट के पास मिला जिसे टीम ने निकालकर मलारना डूंगर चिकित्सालय में पहुंचाया । जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया ।

ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार रविवार को लालसोट से एक परिवार पिकनिक मनाने आया था। इसी दौरान दो युवक बनास नदी में नहाने चले गए वहां गहरे पानी में जाने के कारण दोनों डूब गए। ग्रामीणों ने एक युवक फरहान खान को बनास नदी से सकुशल बाहर निकाल लिया लेकिन उसका दूसरा साथी शादाब खान नहीं मिला जिसकी सूचना ग्रामीणों ने मलारना डूंगर प्रशासन को दी। सूचना पाकर मलारना डूंगर एसडीएम बद्रीनारायण विश्नोई, तहसीलदार सीमा घुणावत मय पुलिस बल एवं सवाई माधोपुर से सिविल डिफेंस व एसडीआरएफ की टीम के साथ मौके पर पहुंचे एवं रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया, लेकिन नदी में तेज बहाव व रात्रि हो जाने के कारण रविवार को ऑपरेशन रोकना पड़ा।

जोधपुर शहर में दो हादसों में चार मजदूरों की मौत

फैक्ट्री की दीवार गिरी, तीन मजदूरों की मौत, बिजली गिरने के सदमें में गई एक फैक्ट्री श्रमिक की जान

जोधपुर, (कासं)। सोमवार की तड़के शहर के बोरानाडा और झालामंड क्षेत्र में हुए हादसों में 4 लोगों की मौत हो गई। प्रशासन भी तत्काल रेस्क्यू में जुट गया। बोरानाडा क्षेत्र में तड़के एक फैक्ट्री की दीवार भरभरा कर गिर गई जिससे तीन मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई और सात आठ मजदूर लोग घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूचना पर संभागीय आयुक्त, जिला कलेक्टर सहित प्रशासनिक अमला पहुंचा है। वहीं झालामंड क्षेत्र में हरीओम नगर में एक फैक्ट्री श्रमिक युवक की बिजली गिरने के समय सदमें से जान चली गई। संभवत : उसे दिल का दौरा पड़ गया। वहीं लूणी क्षेत्र में दीवार ढहने से बीस तीस बकरियों-भेड़ों के मरने के भी समाचार मिले है।

लगातार बारिश के चलते रहने से शहर के निचले इलाकों में पानी भर गया है तो कई नाले उफान पर आकर बहने लगे है। जिससे पानी लोगों के घरों में भी घुस गया है। सोमवार शाम तक शहर में बारिश का दौर बना हुआ था। दक्षिण पश्चिमी मानसून एक तरफ राहत प्रदान करने वाला है तो दूसरी तरफ आहत कर रहा है। जोधपुर संभाग में छुटपुट बारिश का दौर बना हुआ है। पिछले तीन दिनों से शहर में लगातार बारिश का दौर रूक-रूक कर जारी है। इधर जिला कलेक्टर ने भारी बारिश को देखते हुए दो दिन का विद्यालयों में अवकाश घोषित किया है। बोरानाडा थानाधिकारी शकील अहमद ने बताया कि बोरानाडा थाना क्षेत्र में सालावास रोड पर न्यू महालक्ष्मी टिंबर फैक्ट्री आई है। इसके पीछे मोतीलाल नाम के शख्स की लकड़ी बुरादा की फैक्ट्री है। दोनों की दीवार एक दूसरे से चिपते बनी हुई है। सोमवार की तडक़े साढ़े तीन बजे पुलिस को सूचना मिली कि दीवार गिर गई है। हादसे में तीन मजदूरों जिनमें नंदू, सुनीता और मंजू की मौत हो गई। वहीं इसमें पांचूराम, संजय, मांगी, पवन, शांति, दिनेश और हरिराम सहित दो तीन अन्य मजदूर मलबे में दबने से घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

लूणी थानाधिकारी गश्त पर थे, पहले पहुंचे :- इधर घटना की जानकारी मिलते ही लूणी थानाधिकारी हुकमसिंह जोकि गश्त पर थे सबसे पहले पहुंचे। उन्होंने कर्तव्य परायणता का परिचय देते हुए मलबे में दबे लोगों को अन्य मजदूरों के सहयोग से बाहर निकाला। बाद में बोरानाडा थानाधिकारी शकील अहमद सहित अन्य पुलिस अधिकारी वहां पहुंचे।

संभागीय आयुक्त कलेक्टर पहुंचे एम्स अस्पताल :- हादसे में घायल हुए श्रमिकों की कुशलक्षेम पूछने के लिए संभागीय आयुक्त बीएल मेहरा, जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल, एडीएम सुनीता, सीएमएचओ आदि भी एम्स अस्पताल पहुंचे। अस्पताल प्रशासन को तत्काल चिकित्सा सुविधा शुरू करवाई गई। थानाधिकारी शकील अहमद ने बताया कि मरने वाले और घायल हुए श्रमिक कोई स्थानीय नहीं है। सभी लोग कोटा, मध्यप्रदेश सहित बाहरी क्षेत्रों के है। घायलों में कोई मजदूर सीरियस नहीं है, घायलों का उपचार जारी है। मामले में लापरवाह लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है।

इधर कुड़ी थानाधिकारी राजेंद्र चौधरी ने बताया कि झालामंड- गुढ़ा रोड पर हरीओम नगर आया है। यहां फैक्ट्री में काम करने वाला बीकानेर के नोखा का रहने वाला 23 साल का सुंदरलाल विश्नोई पुत्र फू साराम विश्नोई अलसुबह नींद से उठकर बाहर आया था। तब अचानक से आकाशीय बिजली गिरी। वह उससे झुलसा नहीं मगर सदमा लगने से उसकी मौत हो गई। संभवत: उसे दिल का दौरा पड़ गया था। शव को कार्रवाई के लिए एमडीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। लगातार बारिश से विभिन्न इलाकों में पानी भर गया है। तनावाडा के अलावा जोधपुर की बीजेएस नट बस्ती में पानी भर गया है। जिसकी निकासी के लिए प्रयास चल रहे है। अत्यधिक जल भराव की सूचना के बाद नगर निगम की टीम वहां पहुंची। वहां नगर निगम, जेडीए की टीमों के अलावा नागरिक सुरक्षा की टीमें भी लगाई गई है।

रिटायड फौजी से मारपीट कर लूट ले गए 45 हजार

- पोते की बीएड फीस के लिए निकाली बैंक से राशी, नदबई कस्बे में बेयर हाउस कॉलोनी की घटना

नदबई। यहां बेयर हाउस कॉलोनी में दिनदहाडे रिटायड फौजी से मारपीट कर बदमाश करीब 45 हजार की नगदी लूट ले गए । समीपवर्ती लोगों ने रिटायड फौजी का उपजिला चिकित्सालय में उपचार कराया। बाद में पीड़ित की सूचना पर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज जांच कर बदमाशों का सुराग लगाने का प्रयास किया। लेकिन, पुलिस को सफलता नही मिल सकी।

सूत्रों की मानें तो रौनीजा निवासी हुकुम सिंह पुत्र गोरधन सिंह ने अपने पोते की बीएड फीस जमा कराने के लिए पीएनबी बैंक खाते से 45 हजार रुपए निकाले। पीडित रिटा. फौजी बैग में राशी रखकर अपने घर जा रहा। इसी दौरान बेयर हाउस कॉलोनी के समीप अज्ञात दो बदमाशों ने मैला डालकर बैग छीनने का प्रयास किया। पीडित रिटायड फौजी ने शोर मचाते हुए बदमाशों का विरोध किया। बाद में रिटायड फौजी से मारपीट कर अज्ञात बदमाश नगदी बैग लेकर फरार हो गए। समीपवर्ती लोगों ने पीडित का उपजिला चिकित्सालय में उपचार कराया। बाद में पीड़ित की सूचना पर पुलिस ने जांच पडताल कर बदमाशों का सुराग लगाने का प्रयास किया।

हादसे में आधा दर्जन से अधिक कांवडिये घायल

नदबई। आगरा-जयपुर हाईवे पर डहरामोड़ के समीप रविवार देर रात निजी बस की चपेट से जुगाड़ में सवार आधा दर्जन से अधिक कांवडिया घायल हो गए। डहरामोड चौकी पुलिस ने घायलों का अलग-अलग चिकित्सालय में उपचार कराया। वही, सुरक्षा की दृष्टि से निजी बस व जुगाड़ को कब्जे में ले लिया। पुलिस के अनुसार भुसावर थाना क्षेत्र निवासी श्रद्घालू सौरोंजी से कांवड़ लेकर गांव आ रहे। इसी दौरान डहरामोड के समीप निजी बस ने कांवडियों के जुगाड़ में टक्कर मार दी। जिसके चलते निवली निवासी बाबूलाल पुत्र रघुनाथ, आलोक पुत्र सूरजमल, मोहन पुत्र हरिओम, बनैसिंह पुत्र मोहन सिंह, भरतलाल पुत्र जगनलाल सहित मैनापुरा निवासी पिंटू पुत्र जुल्लू व विश्वेन्द्र सिंह पुत्र छुट्टनलाल घायल हो गए। सूचना पर डहरामोड़ चौकी पुलिस ने मौके पर पहुंच दोनों वाहनों को कब्जे में लिया। वही, घायलों का अलग-अलग चिकित्सालय में उपचार कराया। इस संदर्भ में समाचार लिखे जाने तक पुलिस में कोई मामला दर्ज नही हुआ।

कच्ची रोटियां, पानी मिला दूध, सड़े हुए फल खाने को बच्चे मजबूर

भीण्डर के राणा पूंजा राजकीय जनजाति आश्रम छात्रावास भरडिया का मामला

- सब्जी में गिरा बरसाती कीडा तो बच्चों ने नहीं खाया खाना, शिकायत पर एस.डी.एम. ने किया निरीक्षण

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर के निकट राणा पूंजा राजकीय जनजाति आश्रम छात्रावास में सोमवार को सब्जी में बरसाती कीडा गिरने पर बच्चों ने खाना नहीं खाया और शिकायत लेकर भीण्डर उपखण्ड अधिकारी के पास पहुंचे तो उपखण्ड अधिकारी तुरंत छात्रावास पहुंच करके निरीक्षण किया। जहां बच्चों को प्रतिदिन कच्ची रोटियां, पानी मिला दूध, एक चम्मच पोहे जैसी खाने की वस्तुएं मिलने जैसी समस्याएं उजागर हुई। उपखण्ड अधिकारी ने रसोईघर, शाम का बना भोजन सहित छात्रावास का निरीक्षण किया, वहीं वार्डन को 7 दिन का समय दिया कि व्यवस्थाएं सुधार दे नहीं तो कडी कार्यवाही की जायेगी।

सब्जी में कीडा गिरने के बाद बच्चों ने की शिकायत :- भरडिया छात्रावास में सोमवार दोपहर के खाने में बनी सब्जी में एक बरसाती कीडा निकलने पर बच्चों ने खाना छोड दिया था। इसके बाद 10-15 बच्चें शाम 4.30 बजे भीण्डर पुलिस थाने पहुंच गये, लेकिन यहां से फिर भीण्डर उपखण्ड अधिकारी को अवगत करवाया। जिस पर भीण्डर उपखण्ड अधिकारी रमेश चन्द्र बहेडिया छात्रावास का निरीक्षण करने के लिए पहुंचे। वहां बच्चों ने बताया कि सब्जी में कीडा होने से खाना नहीं खाया, इसके बाद उपखण्ड अधिकारी ने रसोइघर, शाम के बने हुए भोजन का निरीक्षण किया।

कच्ची रोटियां देखकर गुस्सा हुए एसडीएम :- शाम के खाने की जब रोटियां एमडीएम रमेश चंद्र बहेडिया ने देखी तो उनको देखकर ही एसडीएम आग बबूला हो गये, कि सरकार आपको बच्चों को ऐसा खाना खिलाने के लिए जिम्मेदारी नहीं दे रखी है। निरीक्षण के दौरान कई रोटियां जली हुई तो आधी से ज्यादा रोटियां कच्ची थी। इसके अलावा बच्चों से प्रतिदिन मिलने वाले खाने के बारे में जानकारी ली तो बच्चों ने बताया कि जो बनता हैं वो खा लेते है। इस पर उपखण्ड अधिकारी ने सप्ताह के खाने का चार्ट कहां तो वार्डन ऑफिस से चार्ट लेकर पहुंचा। इस पर चार्ट बाहर लगाने के निर्देश दिये। इस दौरान दूध के बारे में पुछा तो बच्चों ने बताया दूध से ज्यादा पानी होता हैं और सुबह रोजाना नाश्ते में पोहे मिलते हैं वो भी केवल एक चम्मच। वहीं फल में मिलने वाले केले भी सडे हुए होते है।

सात दिन में व्यवस्था सुधारने के दिये निर्देश :- भीण्डर उपखण्ड अधिकारी रमेश चंद्र बहेडिया ने वार्डन सोहन लाल मीणा को 7 दिन में व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिये और 7 दिन बाद पुन: निरीक्षण करने की बात भी कहीं। इस दौरान बच्चों द्वारा बताई समस्याएं हल नहीं हुई तो कडी कार्यवाही की चेतावनी भी दी। वहीं भोजन बनाने वालों को अच्छा भोजन बनाने और उसको सुरक्षित बच्चों तक परोसने के निर्देश दिये।

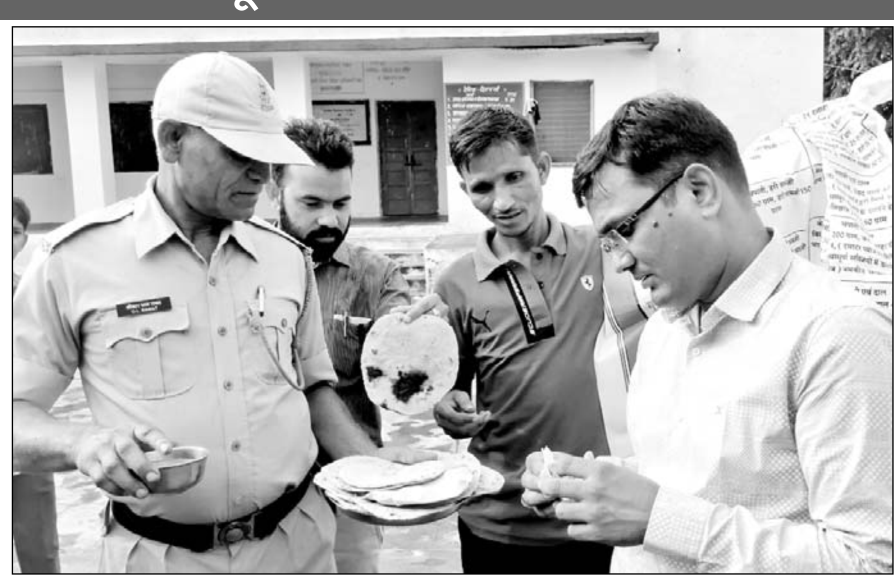

भीण्डर के भरडिया छात्रावास में जली हुई कच्ची रोटियां देखते हुए एस.डी.एम. बहेडिया।

लूट के आरोपी को जेल भेजा

- नदबई-नगर रोड पर बाईपास चौराहा समीप नगदी, बाइक व मोबाइल लूट का मामला

नदबई। नगर रोड बाईपास चौराहे पर कट्टा दिखाकर नगदी सहित बाइक व मोबाइल लूट के मामलें में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से आरोपी को जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार कटारा निवासी भानूप्रताप सिंह उर्फ भानू पुत्र वीरेन्द्र सिंह को मुखबिर की सूचना पर डहरा रोड स्थित बस स्टेण्ड से हिरासत में लिया। बाद में जांच पड़ताल कर आरोपी को गिरफ्तार किया। गौरतलब है कि, गिरफ्तार आरोपी ने 29 जुलाई की रात अपने साथियों के साथ मिलकर बाईपास चौराहे के समीप रौनीजा निवासी निशांत सिंह का अवैध हथियार दिखाते हुए रास्ता रोक लिया। बाद में 3500 नगदी सहित, बाइक, मोबाइल व दस्तावेज लूटकर फरार हो गया। मामला दर्ज होने पर पुलिस ने जांच पडताल कर आरोपी को वापर्दा गिरफ्तार किया। बाद में आरोपी को जेल भेज दिया गया।

इस लीग के शुरुआती दो सत्र कमाल के रहे हैं जिसमे दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ रोमांचक युवा प्रतिभाओं ने वैश्विक मंच पर शानदार प्रदर्शन किये है।
- दिनेश कार्तिक

भारत के पूर्व विकेटकीपर, एसए-20 लीग के दूत नियुक्त किये जाने पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ वाशिंगटन सुंदर

भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को इंग्लैंड के गस एटकिंसन और स्कॉटलैंड के चार्ली कासेल के साथ जुलाई के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में नामित किया गया है। पिछले कुछ समय से चोटों से जूझने के बाद सुंदर ने आखिरकार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खुद को स्थापित किया है। सुंदर उस युवा भारतीय टीम का हिस्सा थे जिसने पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए जिम्बाब्वे का दौरा किया था। इस युवा ऑलराउंडर ने भारत की वापसी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

क्या आप जानते हैं ?... 19वीं सदी तक बॉक्सिंग को दुनिया में हिंसक खेल माना जाता था और इस पेशेवर खेल पर प्रतिबंध था जो 1901 में हटा।

माहेश्वरी-नरूका कांस्य मेडल से चूके, चीनी जोड़ी से 44-43 से मिली हार

नई दिल्ली, 5 अगस्त। भारतीय निशानेबाज महेश्वरी चौहान और अनंत जीत सिंह नरूका पेरिस ओलंपिक2024 स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा के कांस्य पदक के मुकाबले में सोमवार को यहां चीन की यितिंग जियांग और लियू जियानलिन की जोड़ी से एक अंक से हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय जोड़ी को 48 निशाने के फाइनल मैच में 44-43 से शिकस्त मिली। महेश्वरी अपने 24 निशाने में से तीन में चूक गयी जबकि नरूका दो निशाने चूके। चीन की यितिंग चार निशाने चूक गयी लेकिन उनके पुरुष खिलाड़ी जियानलिन ने अपने सभी निशाने सटिक लगाकर इसकी भरपाई कर दी। इससे पहले क्वालीफिकेशन में भारतीय जोड़ी ने 146 स्कोर कर कांस्य पदक मुकाबले के लिए क्वालीफाई किया था।

भारतीय जोड़ी क्वालीफिकेशन के पहले चरण के बाद 49 अंक लेकर संयुक्त दूसरे स्थान पर थी। पहले दौर में नरूका ने 25 में से 25 और महेश्वरी ने 24 अंक बनाये। दूसरे दौर में महेश्वरी ने 25 अंक बनाये लेकिन नरूका दूसरी और पांचवीं सीरिज में चूककर 23 अंक ही बना सके। तीसरे दौर में महेश्वरी ने 25 और नरूका ने 24 अंक बनाये।

लक्ष्य सेन के हाथ से फिसला कांस्य पदक

मलेशियाई खिलाड़ी से मिली हार

नई दिल्ली, 5 अगस्त। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत के लिए 9वां दिन भी निराशाजनक रहा। जहां लक्ष्य सेन के हाथ से मेडल फिसल गया। भारतीय शटलर लक्ष्य सेन को ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में बढ़त लेने के बाद भी हार झेलनी पड़ी। उन्हें मलेशिया के ली जी जिया ने हरा दिया और मेडल अपने नाम कर दिया। लक्ष्य सेन की हार के साथ ही भारत का पेरिस ओलंपिक में चौथा मेडल जीतने का इंतजार भी बढ़ गया है।

22 वर्षीय लक्ष्य सेन के लिए इस हार के बावजूद पेरिस ओलंपिक ऐतिहासिक साबित हुआ। वे ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले भारत के पहले पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी बने हैं। पहला गेम एकतरफा अंदाज में 21-13 से जीतने के बाद दूसरे गेम में भी लक्ष्य का दबदबा साफतौर पर देखा जा सकता था। पूरे मैच में मलेशिया के ली जी जिया पहली बार दूसरे गेम में ही लीड ले पाए, जब उन्होंने पीछे से आते हुए स्कोर 9-8 किया, ये लीड देखते ही देखते उनके पक्ष में 12-18 हो गई, लक्ष्य सेन ने लगातार चार पॉइंट लेते हुए वापसी की पूरी कोशिश की, लेकिन दूसरा गेम वह 16-21 से हार गए। तीसरे गेम में ली जी जिया ज्यादा अटैकिंग हो गए। 10-5 से बढ़त बनाने के बाद उन्होंने 21-11 से लक्ष्य को हरा दिया।

गौरतलब है कि, ओलंपिक इतिहास में बैडमिंटन को अब तक जो तीन मेडल मिले हैं, वो सभी महिला शटलर्स के गले में ही सजे हैं। लंदन ओलंपिक 2012 में साइना नेहवाल ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। तो पीवी सिंधु ने रियो और टोक्यो में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

निशा का अंतिम आठ में उत्तरी कोरिया की पाक सोल गम से मुकाबला होगा

पेरिस, 5 अगस्त। भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम ने सोमवार को पेरिस ओलंपिक में अपने अभियान की शुरुआत रोमानिया पर जीत के साथ की है। साउथ पेरिस एरिना में आज खेले गए रोमांचक राउंड ऑफ-16 मुकाबले में भारतीय टीम ने रोमानिया को 3-2 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। अर्चना कामथ और श्रीजा अकुला ने महिला राउंड ऑफ 16 टेबल टेनिस मुकाबले के पहले मैच में एडिना डायकोनू और एलिजाबेटा समारा को 11-9, 12-10, 11-7 से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त के साथ शानदार शुरुआत दिलाई। इसके बाद मनिका बत्रा ने रोमानिया की बर्नडेट स्जोक्स के खिलाफ 11-5, 11-7, 11-7 से जीत दर्ज की और भारत को 2-0 से आगे कर दिया। इस दौरान तीसरे गेम में श्रीजा अकुला को रोमानिया की एलिजाबेटा समारा के खिलाफ पांच गेम में हार का सामना करना पड़ा।

आर्म रेसलिंग चैम्पियनशिप में राजस्थान ने जीते 13 स्वर्ण पदक

भरतपुर, 5 अगस्त। छत्तीसगढ़ के रायपुर में सम्पन्न 46वीं नेशनल आर्म रेसिलिंग चैम्पियनशिप में राजस्थान के खिलाड़ियों ने महिला एवं पुरूष वर्ग के विभिन्न भार वर्गों में 13 स्वर्ण, चार रजत एवं पांच कांस्य पदक के साथ कुल 22 पदक जीते। यहां प्राप्त जानकारी के अनुसार एक से पांच अगस्त तक आयोजित इस चैम्पियनशिप में राजस्थान के 13 महिला एवं 35 पुरुषों सहित 48 खिलाड़ियों ने भाग लिया। सीनियर महिला वर्ग में राजस्थान पुलिस की मनीषा चाहर और सारा चौधरी ने स्वर्ण पदक एवं सीनियर पुरूष वर्ग में प्रमोद तुहिया ने रजत पदक, सायर चौधरी और मोहित सिनसिनवार ने कांस्य पदक जीते। यूथ बालक वर्ग में राज चौधरी ने स्वर्ण, आदेश चौधरी, कुनाल पहाड़िया, हिमालय चौधरी ने रजत पदक जबकि महिला यूथ वर्ग में रूचि फौजदार ने स्वर्ण और किरण चारण ने कांस्य पदक जीते। जूनियर बालक वर्ग में प्रशान्त चाहर, सुधान्सु एवं प्रिन्स चौधरी ने स्वर्ण पदक, इसी भार वर्ग में आदित्य सिंह और मोहित पूनियां ने कांस्य पदक एवं जूनियर बालिका वर्ग में स्नेहा ने स्वर्ण पदक जीता। इसी प्रकार सब जूनियर बालक वर्ग में समीर चाहर ने स्वर्ण पदक, सब जूनियर बालिका वर्ग में मनीषा गुर्जर और पायल ने स्वर्ण पदक जीते। मास्टर पुरूष वर्ग में डॉ0 दीपक सिंह ने स्वर्ण पदक एवं पुरूष दिव्यांगजन कैटेगरी में जयपाल गुर्जर ने स्वर्ण पदक जीते। सात स्वर्ण एवं एक कांस्य के साथ उपविजेता रही राजस्थान महिला आर्म रेसलिंग टीम की कप्तान राजस्थान पुलिस की सहायक उपनिरीक्षक. मनीषा चाहर एवं अन्य महिला टीम की महिला खिलाड़ियों को भारतीय आर्म रेसलिंग फैडरेशन के सचिव मनोज नायर ने उपविजेता ट्रॉफी प्रदान की। राजस्थान आर्म रेसलिंग संघ के सचिव लोकेश चाहर टीम के मुख्य कोच एवं नेशनल चैम्पियनशिप में मुख्य तकनीकी अधिकारी रहे।

तेलंगाना के अधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल पेरिस रवाना

हैदराबाद, 5 अगस्त। तेलंगाना के खेल अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को ओलंपिक 2024 खेलों का दौरा करने के लिए पेरिस रवाना हुआ। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के निर्देशों के बाद प्रतिनिधिमंडल में तेलंगाना खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष के शिवसेन रेड्डी, सरकारी सलाहकार (खेल) जितेन्द्र रेड्डी, विधान परिषद के सदस्य महेश कुमार गौड़, वीसी और एमडी ए सोनी बालादेवी-आईएफएस, एन प्रकाश रेड्डी-आईपीएस, पूर्व केंद्रीय मंत्री एस वेणुगोपाल चारी और एम रविंदर रेड्डी शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल का उद्देश्य खेल स्टेडियमों, ओलंपिक प्रतियोगिताओं की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करना और भविष्य में ओलंपिक के आयोजन की संभावनाओं का पता लगाना है। प्रतिनिधिमंडल खेल विकास को प्राप्त करने के लिए विभिन्न देशों द्वारा अपनाई गई नीतियों की जांच करेंगे और पदक तालिका में उनकी सफलता में योगदान देने वाले कारकों का विश्लेषण करेंगे। प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री रेड्डी और प्रबंध निदेशक ए सोनी बालादेवी ने कहा कि यह दौरा तेलंगाना में खेलों के विकास के लिए आवश्यक उपायों की पहचान करने में मदद करेगा। उनका मानना है कि प्राप्त अंतर्दृष्टि राज्य के लिए एक मजबूत खेल नीति बनाने में योगदान देगी। एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि यह दौरा तेलंगाना में सर्वश्रेष्ठ खेल नीतियों को लाने के सरकार के प्रयासों का हिस्सा है जिसका उद्देश्य खेल विकास को बढ़ावा देना।

किरण 400 मीटर हीट में सातवें स्थान पर रही
सेमीफाइनल में जगह के लिए रेपेचेज में लेगी हिस्सा

नई दिल्ली, 5 अगस्त। भारत की किरण पहल सोमवार को पेरिस ओलंपिक की अपनी हीट रेस में सातवें स्थान पर रहने के बाद महिलाओं की 400 मीटर में स्वत: सेमीफाइनल में जगह बनाने में असफल रहीं। अब वह रेपेचेज दौर में दौड़ेंगी। अपना 24वां जन्मदिन मना रही किरण ने 52.51 सेकेंड का समय लिया जो उनके सत्र के 50.92 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ से काफी कम था।

डोमिनिका की विश्व चैंपियन मारिलिडी पॉलिनो ने 49.42 सेकेंड के समय के साथ हीट जीती, उसके बाद अमेरिका की आलिया बटलर (50.52) और ऑस्ट्रिया की सुजैन गोगल-वाल्ली (50.67) क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। छह हीटों में से प्रत्येक में शीर्ष तीन ने सेमीफाइनल में जगह पक्की की जबकि डीएनएस (रेस शुरू नहीं करने वाले) डीएनएफ (रेस खत्म नहीं करने वाले) और डीक्यू (अयोग्य) को छोड़कर अन्य सभी मंगलवार को होने वाले रेपेचेज दौर में भाग लेंगे।

किरण ने जून में राष्ट्रीय अंतर-राज्य चैंपियनशिप में अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 50.92 सेकंड का समय निकालकर पेरिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई किया था। इस ओलंपिक खेल में बाधा दौड़ स्पर्धाओं सहित 200 मीटर से 1500 मीटर तक की सभी व्यक्तिगत ट्रैक स्पर्धाओं में रेपेचेज राउंड शुरू किया जाएगा। अब प्रत्येक हीट में शीर्ष पर रहने वाले खिलाड़ियों को सेमीफाइनल में सीधे प्रवेश मिलेगा जबकि अन्य खिलाड़ियों को रेपेचेज के जरिए यहां पहुंचने का मौका मिलेगा।

मांडविया और सिंधिया ने पेरिस ओलंपिक के लिए स्मरणीय डाक टिकट किए जारी

नई दिल्ली, 5 अगस्त। केंद्रीय युवा कार्यक्रम, खेल, श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और केंद्रीय संचार और उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने 33वें ओलंपिक पेरिस 2024 के उपलक्ष्य में सोमवार को संयुक्त रूप से स्मरणीय डाक टिकट जारी किए। आज यहां आयोजित कार्यक्रम में डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा, खेल केवल एक स्पर्धा नहीं हैं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका होते हैं। इन डाक टिकटों का जारी होना खेलों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो राष्ट्रीय गौरव और एथलीटों के लिए प्रोत्साहन का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि खेल एक स्वस्थ राष्ट्र को बढ़ावा देते हैं जो कि धन और समृद्धि के लिए आवश्यक है। खेल लोगों को एक साथ लाते हैं, जिससे व्यक्तिगत फिटनेस और राष्ट्रीय कल्याण दोनों में वृद्धि होती है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सरकार का प्राथमिक ध्यान एथलीटों पर रहा है और सरकार ने सुनिश्चित किया है कि उन्हें सफल होने के लिए जरूरी तमाम सहायता और सुविधाएं मिलें। उन्होंने कहा कि सरकार ने संसाधनों की कमी को दूर करने के लिए पूरी लगन से काम किया है ताकि एथलीट बिना किसी बाधा के उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा, इन डाक टिकटों को जारी करके हमने अपने खिलाड़ियों और अपने राष्ट्र को याद किया है। आइए हम सभी चीयर4भारत करें और अपने एथलीटों को प्रोत्साहित करें। केन्द्रीय संचार मंत्री सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 33वें ओलंपिक पेरिस 2024 पर एक डाक टिकट जारी करना भारत की ऐतिहासिक खेल विरासत को एक ट्रिब्यूट है। इस टिकट के साथ हम अपने खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत को मान देते हैं और उसे सेलिब्रेट करते हैं।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री के विजन के अनुसार आज खेल और खेलों का बुनियादी ढांचा आखिरी मील तक पहुंच रहा है। यहां तक कि हमारे डाक विभाग के कर्मचारी भी खेलों के क्षेत्र में अविश्वसनीय उपलब्धियां दिखा रहे हैं। मुझे यकीन है कि इस टिकट के जरिए हम डाक टिकट संग्रहण के अपने समृद्ध इतिहास में इज़ाफा करेंगे और युवा खिलाड़ियों को खेल क्षमताओं का निर्माण करने और वैश्विक मंच पर भारत को गौरवान्वित करने के लिए प्रेरित करेंगे। मैं पेरिस ओलंपिक 2024 में भाग लेने वाले भारतीय दल को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। कार्यक्रम में हाल ही में ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले सरबजोत सिंह, पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा और स्टीपलचेज एथलीट सुधा सिंह सहित खेल जगत की जानी-मानी हस्तियों के साथ-साथ डाक टिकट संग्रहकर्ता और स्कूली बच्चे भी शामिल हुए।

डिंडीगुल ने जीता टीएनपीएल का खिताब

चेन्नई, 5 अगस्त। डिंडीगुल ड्रैगन्स ने रविचंद्रन अश्विन के अर्द्धशतक (52) और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत तमिलनाडु प्रीमियर लीग के फाइनल मैच में लायक कोवई किंग्स को छह विकेट से हराकर अपना पहला खिताब जीत लिया।

लगातार तीसरी बार फाइनल में पहुंची लायक कोवई किंग्स ने पहली बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 129 रन बनाए। डिंडीगुल की ओर से संदीप वारियर, वरुण चक्रवर्ती और पी विग्नेश ने दो-दो विकेट चटकाए। अश्विन ने भी अपने चार ओवरों में कसी हुई गेंदबाजी करते हुए केवल 13 रन ही दिए। कोवई की टीम को एक कम स्कोर पर रोकने के बाद जवाब में डिंडीगुल ने 10 गेंदें शेष रहते यह मुकाबला छह विकेट से जीत लिया। हालांकि पहले बल्लेबाजी करते हुए कोवई की टीम ने अच्छी शुरुआत की थी और पहले पांच ओवर में महज एक विकेट के नुकसान पर 48 रन जोड़े।

लेकिन पावरप्ले के अंतिम ओवर में वरुण ने लगातार दो विकेट ले लिए। क्वालिफायर एक में 123 रनों की नाबाद पारी खेलने वाले बी साई सुदर्शन भी कुछ खास नहीं कर पाए और बैकवर्ड प्वाइंट के हाथों में सीधा कैच थमा बैठे। सुदर्शन के विकेट के बाद कोवई की टीम 51 के स्कोर पर अपने चार विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद अतीक़ उर रहमान और राम अरविंद के बीच 28 गेंदों में 36 रनों की साझेदारी हुई लेकिन सुबोत भाटी द्वारा साझेदारी तोड़े जाने के बाद कोवई की टीम वापसी नहीं कर पाई, उनके कप्तान शाहरुख खान भी फाइनल में अपनी छाप नहीं छोड़ पाए।

हालांकि शुरुआत में डिंडीगुल के लिए भी लक्ष्य का पीछा करना आसान प्रतीत नहीं हो रहा था। उनके दोनों सलामी बल्लेबाज 15 गेंदों के भीतर ही पवेलियन लौट गए थे। लेकिन इसके बाद अश्विन और बी इंद्रजीत के बीच 65 गेंदों में हुई 65 रनों की साझेदारी के चलते डिंडीगुल की पारी संभल गई। अश्विन ने अपनी अर्धशतकीय पारी में एक चौका और तीन छक्के लगाए।

इस सीजन में यह अश्विन का लगातार तीसरा अर्धशतक था। अंत में सरत कुमार ने 15 गेंदों पर दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 27 रनों की पारी खेलकर डिंडीगुल की जीत सुनिश्चित कर दी अश्विन को उनके शानदार खेल के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड से नवाजा गया जब्जी शाहरुख को उनके हरफनमौला प्रदर्शन के चलते प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। शाहरुख ने इस संस्करण में 182.92 के स्ट्राइक रेट से 225 रन बनाए और 13 विकेट भी लिये।

दिनेश कार्तिक एसए-20 लीग के दूत नियुक्त

नई दिल्ली, 5 अगस्त। भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को सोमवार को एसए-20 लीग का लीग दूत (एम्बेसडर) नियुक्त किया गया। कार्तिक दक्षिण अफ्रीका में खेले जाने वाले इस फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट से जुड़ने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी हैं।

उन्होंने इस साल की शुरुआत में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था। एसए20 की ओर से जारी मीडिया विज्ञप्ति में कार्तिक के हवाले से कहा गया, " इस लीग के शुरुआती दो सत्र कमाल के रहे हैं जिसमे दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ रोमांचक युवा प्रतिभाओं ने वैश्विक मंच पर शानदार प्रदर्शन किये है।"

विज्ञप्ति के मुताबिक, "कार्तिक लीग के वैश्विक प्रशंसक आधार को मजबूत करने और भारत तथा इंग्लैंड के प्रमुख रणनीतिक बाजारों में ब्रांड जागरूकता को मजबूत करने में मदद करने के लिए साथी खिलाड़ी और एसटी20 के अन्य दूत एबी डिविलियर्स और प्रबंधन टीम के साथ मिलकर काम करेंगे।"

अमेरिका को 20 साल बाद 100 मीटर में गोल्ड

पेरिस ओलिंपिक में लायल्स ने 9.79 सेकेंड में दौड़ पूरी की, जमैका के थॉम्पसन को सिल्वर

नई दिल्ली, 5 अगस्त। अमेरिका के स्प्रिंटर नोआ लायल्स ने पेरिस ओलिंपिक में एथलेटिक्स की मेंस 100 मीटर रेस का गोल्ड जीत लिया है। उन्होंने 9.79 सेकेंड में दौड़ पूरी की। इसी के साथ ने 20 साल बाद ओलिंपिक की 100 मीटर रेस का गोल्ड हासिल किया। 2004 के एथेंस ओलिंपिक में अमेरिका के जस्टिन गैटलिन ने इस कैटेगरी का गोल्ड जीता था।

सोमवार रात जमैका के किशाने थॉम्पसन (9.79 सेकेंड) ने सिल्वर और के फ्रेड कर्ली (9.81 सेकेंड) ने ब्रॉन्ज हासिल किया। लायल्स ने 9.79 (.784) सेकेंड और थॉम्पसन ने 9.79 (.789) सेकेंड में रेस पूरी की।

ओलिंपिक मेडल टैली में अमेरिका की टीम 19 गोल्ड, 26 सिल्वर और 26 ब्रॉन्ज मेडल जीतकर नंबर वन है। दूसरे नंबर पर चीन और तीसरे नंबर पर फ्रांस है। भारत 3 मेडल की साथ 57वें स्थान पर है। मनु भाकर ने विमेंस इंडिविजुअल 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट, मनु और सरबजोत सिंह की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीते। साथ ही स्वप्निल कुसाले ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में ब्रॉन्ज दिलाया।

साल 2017 में नोआ ने 200 मीटर रेस में अपना पहला डायमंड लीग खिताब जीता। इसके बाद साल 2019 में उन्होंने वर्ल्ड चैंपियनशिप में 200 मीटर और 400 मीटर रिले में गोल्ड मेडल जीता। साल 2020 में टोक्यो ओलिंपिक में नोआ ने 200 मीटर रेस में ब्रॉन्ज मेडल जीता। साल 2022 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में 200 मीटर में गोल्ड और 400 मीटर रिले सिल्वर मेडल जीता।

वाशिंगटन सुंदर जुलाई के आईसीसी के माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए नामित

नई दिल्ली, 5 अगस्त। भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को इंग्लैंड के गस एटकिंसन और स्कॉटलैंड के चार्ली कासेल के साथ जुलाई के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में नामित किया गया है। पिछले कुछ समय से चोटों से जूझने के बाद सुंदर ने आखिरकार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खुद को स्थापित किया है। सुंदर उस युवा भारतीय टीम का हिस्सा थे जिसने पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए जिम्बाब्वे का दौरा किया था।

टी20 विश्व कप जीत के बाद नियमित खिलाड़ियों का आराम दिए जाने पर 24 वर्षीय सुंदर को टीम में जगह मिली और वह टीम के प्रमुख स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में उभरे। उन्होंने अपनी योग्यता साबित की और उन पर किए गए विश्वास को सही ठहराया। सुंदर ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत की अप्रत्याशित हार के दौरान प्रभावित किया। उन्होंने 11 रन देकर दो विकेट चटकाने के लिए 27 रन भी बनाए लेकिन टीम 115 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 13 रन से हार गई।

इस युवा ऑलराउंडर ने भारत की वापसी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बाकी बचे चार मैच में छह विकेट चटकाए और भारत को 4-1 से श्रृंखला जिताने में मदद की। तीसरे मैच में 15 रन देकर तीन विकेट चटकाने के लिए उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया। संयुक्त रूप से सबसे अधिक विकेट (आठ) लेने के लिए सुंदर को श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया। श्रीलंका श्रृंखला के लिए नियमित खिलाड़ियों की वापसी के साथ सुंदर को सिर्फ एक मैच खेलने का मौका मिला लेकिन उन्होंने इसका फायदा उठाया और सुपर ओवर में भारत की जीत के बाद उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

लॉर्ड्स मेंएटकिंसन ने जेम्स एंडरसन के विदाई अंतरराष्ट्रीय मैच में अपने टेस्ट करियर की शानदार शुरुआत की। तेज गेंदबाज एटकिंसन ने अपने पहले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए 12 विकेट चटकाए। उन्होंने दोनों पारियों में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाए। उन्होंने वेस्टइंडीज के बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त करते हुए पहली पारी में 45 रन देकर सात विकेट चटकाए जिससे मेहमान टीम सिर्फ 121 रन पर सिमट गई। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने दूसरी पारी में भी 61 रन देकर पांच विकेट चटकाए जिससे इंग्लैंड ने पारी और 114 रन से जीत दर्ज की।

कासेल ने डुंडी में ओमान के खिलाफ अपने एकदिवसीय पदार्पण में सुर्खियां बटोरीं। उन्होंने 21 रन देकर सात विकेट चटकाए और एकदिवसीय पदार्पण में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का कागिसो रबाडा (16 रन पर छह विकेट) का नौ साल पुराने रिकॉर्ड तोड़ा। कासेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहली दो गेंद पर दो विकेट चटकाए। यह तेज गेंदबाज 18वें ओवर तक पांच विकेट चटका चुका था। कासेल का यह प्रदर्शन पदार्पण में विश्व रिकॉर्ड के साथ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में सातवां सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन भी है। उनके बेहतर प्रदर्शन सिर्फ एंडी बिकेल, वानिंदु हसरंगा, राशिद खान, ग्लेन मैकग्रा, शाहिद अफरीदी और चमिंडा वास ने किया है।

राजनीतिक अस्थिरता के कारण बांग्लादेश में होने वाले टी-20 महिला विश्व कप पर संशय

नई दिल्ली, 5 अगस्त। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की आंतरिक सुरक्षा टीम बांग्लादेश में फैली अराजकता पर नजर बनाये हुये है क्योंकि इस देश में अक्टूबर में महिला टी20 विश्व कप का आयोजन होना है। पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक बांग्लादेश को तीन से 20 अक्टूबर तक महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी करनी है। बांग्लादेश में फैली हिंसा के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश से भागना पड़ा। सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमा ने सोमवार को ढाका में हसीना सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बीच कहा कि बांग्लादेश में एक अंतरिम सरकार सत्ता संभालेगी। देश में फैली हिंसा में पिछले दो दिनों में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई। आईसीसी इस मुद्दे पर अभी इंतजार करने की नीति अपना रहा है। आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, "आईसीसी के पास अपने सभी सदस्य देशों में एक स्वतंत्र सुरक्षा निगरानी प्रणाली है। स्थिति पर करीब से नजर रखी जा रही है, लेकिन टूर्नामेंट शुरू होने में सात सप्ताह बाकी हैं। ऐसे में इस पर टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी कि टूर्नामेंट को बांग्लादेश से स्थानांतरित किया जाएगा या नहीं।" बांग्लादेश में विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को समाप्त करने की मांग को लेकर प्रदर्शन हो रहा है।

इसके तहत 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में हिस्सा लेने वाले लड़ाकों के रिश्तेदारों को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया गया था। आईसीसी सूत्र ने कहा कि मार्च 2022 में श्रीलंका में अशांति की ऐसी ही स्थिति थी जब प्रदर्शनकारियों ने भ्रष्टाचार और मुद्रास्फीति का हवाला देते हुए पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के आधिकारिक आवास पर धावा बोल दिया था।

हॉकी में ग्रेट ब्रिटेन के गोलकीपर की चालाकी

शूटआउट के समय टैबलेट के इस्तेमाल को लेकर मचा बवाल

नई दिल्ली, 5 अगस्त। भारतीय हॉकी टीम का सेमीफाइनल का मुकाबल जर्मनी के साथ 6 अगस्त को होगा। लेकिन उससे पहले रविवार को हुए ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ मुकाबले में भारत ने शूटआउट में शानदार प्रदर्शन कर ब्रिटेन पर 4-2 से जीत दर्ज की। निर्धारित 60 मिनट के इस मैच में टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। इसके बाद शूटआउट के जरिए विजेता का फैसला हुआ। पीआर श्रीजेश एक बार फिर अपनी स्मार्ट गोलकीपिंग से टीम की जीत के हीरो बने। लेकिन इस मैच में काफी विवाद भी देखने को मिले। कुछ तो ऐसे नजारे थे जिन्हें देखकर हर कोई हैरान रह गया।

दरअसल, हुआ यूं कि शूटआउट के शुरुआत होने से पहले ग्रेट ब्रिटेन के गोलकीपर को अपने साथ आईपैड रखने की अनुमति दी गई थी जिसे देखकर भारतीय हॉकी खिलाड़ी हैरान रह गए। उन्होंने रेफरी के सामने इसका विरोध किया। भारतीय खिलाड़ियों के विरोध करने के बाद रेफरी ने ब्रिटेन के गोलकीपर से डिवाइस जब्त कर ली। जिसके बाद भारत ने दूसरा पेनल्टी शॉट मारा।

बता दें कि, हॉकी इंडिया के रेफरी को लेकर सवाल खड़े किए हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस घटना पर अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि ये एक ऐसा व्यवधान है जिससे बचा जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में विभिन्न विकासकर्ताओं के साथ आयोजित बैठक को संबोधित किया।

भारत ने बांग्लादेश के लिए विमान व रेल सेवा पर रोक लगाई

बांग्लादेश में मची भारी हिंसा व राजनैतिक उथलपुथल के कारण यह फैसला लिया गया है

- एयर इंडिया ने उड़ानों के पुनर्निर्धारण व टिकट कैंसल किए जाने पर छूट का आश्वासन दिया है।
- रेल्वे के सूत्रों ने बताया कि कोलकाता से चार यात्री रेल बांग्लादेश जाती हैं जिन्हें स्थगित कर दिया गया है। हालात सामान्य होने पर ट्रेन सेवा बहाली पर विचार किया जाएगा।

नयी दिल्ली, 05 अगस्त। बंगलादेश में राजनीतिक संकट को देखते हुए, एयर इंडिया ने सोमवार को ढ ाका से आने-जाने वाली सभी उड़ानों को तत्काल स्थगित करने की घोषणा की। इसी प्रकार भारतीय रेलवे ने भी कोलकाता से ढ ाका एवं खुलना के लिये चलने वाली चारों यात्री ट्रेन सेवायें और मालगाड़ियों का परिचालन तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया है।

एयरलाइन ने यात्रियों को उड़ानों के लिए पुनर्निर्धारण और रद्दीकरण शुल्क पर एक बार की छूट का आश्वासन भी दिया। एयर इंडिया ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा, बंगलादेश में उभरती स्थिति को देखते हुए हमने ढ ाका से आने-जाने वाली अपनी उड़ानों के निर्धारित संचालन को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है।

पोस्ट में कहा गया, हम लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और ढ ाका से आने-जाने के लिए कन्फर्म बुकिंग वाले अपने यात्रियों को पुनर्निर्धारण और रद्दीकरण शुल्क पर एक बार की छूट के साथ सहायता प्रदान कर रहे हैं। पोस्ट में कहा गया, हमारे मेहमानों और चालक दल की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिक जानकारी के लिए, कृपया हमारे 247 संपर्क केंद्र पर 011-69329333 / 011-69329999 पर कॉल करें। रेलवे के सूत्रों के अनुसार कोलकाता-खुलना-कोलकाता बंधन एक्सप्रेस तथा ढ ाका-न्यू जलपाईगुड़ी- ढ ाका, मिताली एक्सप्रेस ट्रेन सेवाओं को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया गया है।

सूत्रों ने बताया कि माल ढ ुलाई परिचालन को भी रोक दिया गया है। इस समय बंगलादेश में भारतीय रेलवे के 168 लोडेड वैगन 187 खाली वैगन हैं। इसके अलावा बंगलादेश के लिये आठ लोडेड रेक भारत में रोके गये हैं।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने कहा है कि भारत-बंगलादेश सीमा पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और स्थिति अभी सामान्य है। बी.एस.एफ. ने बंगलादेश में सेना की ओर से सोमवार को शेख हसीना सरकार का तख्तापलट किए जाने के बीच सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि, बी.एस.एफ. के महानिदेशक (डीजी) दलजीत सिंह चौधरी, पूर्वी कमान में डीजी पहले से ही मौजूद हैं। भारत-बंगलादेश सीमा पर स्थिति अभी सामान्य है।

बीएसएफ ने कहा, भारत-बंगलादेश सीमा पर स्थिति पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटा जा सके।

पम्प भण्डारण परियोजनाओं के लिए राज्य सरकार लाएगी नीति- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने कहा, नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन एवं पर्यावरण संरक्षण में पम्प भंडारण परियोजनाओं का अहं योगदान है

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विकासकर्ताओं के साथ मीटिंग की और प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने पर चर्चा की।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि पम्प भंडारण परियोजना के लिए बनाई जाने वाली नीति से नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहन मिलेगा।

जयपुर, 5 अगस्त (का.सं.)। सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित विभिन्न विकासकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में नवीकरणीय ऊर्जा का अहम योगदान है। इसलिए राज्य सरकार प्रदेश में पम्प भण्डारण परियोजनाओं को प्रोत्साहन देने के लिए नीति लाने वाली है। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन एवं पर्यावरण संरक्षण में पम्प भण्डारण परियोजनाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। ऐसी परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार एक स्पष्ट और ठोस नीति बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी नीति से निवेशकों को पम्प भण्डारण परियोजनाओं की स्थापना एवं संचालन के संबंध में स्पष्ट मार्गदर्शन मिलेगा और वे इस क्षेत्र में निवेश करने के लिए आकर्षित होंगे। उन्होंने विकासकर्ताओं से कहा कि वे अपने सुझाव राज्य सरकार को प्रेषित करें, जिनका उचित परीक्षण कर राज्य सरकार आगामी नीति में शामिल करेगी। बैठक में राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के प्रबंध निदेशक नथमल डिडेल ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से पम्प भण्डारण परियोजनाओं की प्रगति के बारे में मुख्यमंत्री को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम ने प्रदेश में 8 संभावित स्थानों पर 7100 मेगावाट की पम्प भण्डारण परियोजनाओं को चिन्हित किया है। साथ ही, कई विकासकर्ता भी पम्प भण्डारण परियोजनाओं से जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान मे, राजस्थान विंड एंड हाइब्रिड एनर्जी पॉलिसी- 2019, एवं राजस्थान अक्षय ऊर्जा नीति- 2023 के प्रावधानों के अंतर्गत पम्प भण्डारण परियोजनाओं पर कार्य किया जाता है।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण अपर्णा अरोरा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल एवं प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं निजी विकासकर्ताओं के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

बेसमेंट में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभ्यर्थियों की दुखद मौत का हवाला देते हुए कोचिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा दायर एक अन्य याचिका पर सुनवाई की। यह याचिका दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ दायर की गई थी, जिसमें दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को, (बेसमेंट में हुई) घटना के बाद अग्निशमन विभाग से वैध अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) के बिना राज्य में चल रहे कोचिंग सेंटरों को बंद करने का निर्देश दिया गया था।

उच्च न्यायालय ने दो अगस्त को घटना की जांच दिल्ली पुलिस से लेकर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी थी। एक निजी कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में 27 जुलाई को अचानक बारिश का पानी घुसने के बाद वहां तीन विद्यार्थियों की डूबकर मृत्यु हो गई थी।

इस घटना के बाद से दिल्ली के राजेंद्र नगर और मुखर्जी नगर क्षेत्र में यूपीएससी की परीक्षा की तैयारी कर रहे सैकड़ों विद्यार्थी लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

सी.बी.आई. मुकदमे में केजरीवाल को राहत नहीं

नयी दिल्ली, 05 अगस्त। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित आबकारी नीति घोटाले के मामले में आरोपी, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज मुकदमा रद्द किये जाने और जमानत के लिए दायर उनकी याचिकाएं सोमवार को खारिज कर दीं। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की एकल पीठ ने अपना आदेश सुनाते हुए कहा कि सीबीआई के पास केजरीवाल को गिरफ्तार करने का पर्याप्त कानूनी आधार था। उन्होंने कहा, यह नहीं कहा जा सकता कि गिरफ्तारी बिना किसी न्यायोचित कारण के की गई। उच्च न्यायालय ने गुण-दोष के आधार पर इस मामले में कोई निर्णय लेने से इन्कार कर दिया, लेकिन याचिकाकर्ता को निचली अदालत का दरवाजा खटखटाने की छूट दी।

आर.सी.ए...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने बताया कि पूर्व में हाईकोर्ट ने अपील को मंजूर करते हुए सुनवाई के लिए दो बिंदु तय किए थे, कि क्या अपीलीय अधिकारी मामले में सुनवाई करने के लिए सक्षम थे और क्या सुनवाई का वैकल्पिक विकल्प मौजूद होने के बावजूद अदालत प्रकरण में सुनवाई कर सकती है? सुनवाई के दौरान दोनों बिंदुओं पर जवाब पेश करने के लिए महाधिवक्ता ने समय मांगा। इस पर अदालत ने प्रकरण की सुनवाई 13 अगस्त तक टाल दी है।

बांग्लादेश का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बनर्जी की इस टिप्पणी का बांग्लादेश सरकार ने भारी विरोध किया था। ऐसा लगता है कि सेना ने पूर्व प्रधानमंत्री को देश से बाहर भागने में मदद की है। नाराज़ लोगों ने प्रधानमंत्री के कार्यालय और आवास में भारी तोड़-फोड़ की। शेख मुजीबुर रहमान की मूर्ति भी तोड़ दी, जबकि उन्होंने ही बांग्लादेश को एक स्वयंभू राष्ट्र बनाया था।

शेख हसीना दिल्ली पहुंच गई हैं। हालांकि उन्होंने भारत में राजनैतिक शरण नहीं मांगी है, पर, ब्रिटेन ने स्थायी आवास की उनकी अपील ठुकरा दी है। कोई अन्य व्यवस्था होने तक वे भारत में ही रहेंगी। यह भारत के लिए दुविधा की स्थिति मानी जा रही है। अगर भारत ने हसीना को शरण दी तो बांग्लादेश के साथ रिश्ते खराब हो सकते हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर पहले ही बांग्लादेश की स्थिति के बारे में प्रधानमंत्री को बता चुके हैं।

खबर है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने शेख हसीना से मुलाकात की है। हालांकि, इसके बारे में विदेश मंत्रालय ने कोई अधिकृत सूचना जारी नहीं की है।

विपक्षी नेता खालिदा जिया की रिहाई

- बांग्लादेश के राष्ट्रपति ने पूर्व प्रधानमंत्री और विपक्षी नेता खालिदा जिया को रिहा करने के आदेश दिए।
- सेना ने मंगलवार से कर्फ्यू खत्म होने और स्कूल, व्यवसाय खुलने की बात कही।

ढ ाका, 05 अगस्त। बांग्लादेश में मचे हंगामे के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। राष्ट्रपति ने जेल में बंद पूर्व पीएम और विपक्षी नेता खालिदा जिया को रिहा करने का आदेश दिया है।इसके अलावा सेना की तरफ से एक और बड़ा अपडेट सामने आया है। सेना ने कहा है कि बांग्लादेश में मंगलवार सुबह कर्फ्यू खत्म हो जाएगा। स्कूल और व्यवसाय फिर से खुलेंगे।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय ने सोमवार को कहा कि उनकी मां अब राजनीति में नहीं लौटेंगी। हसीना के पूर्व आधिकारिक सलाहकार रहे जॉय ने कहा कि उनकी मां ने परिवार के आग्रह पर अपनी सुरक्षा के लिए देश छोड़ दिया। हसीना (76 वर्ष) ने अपनी सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के बीच इस्तीफा दे दिया और लंदन के लिये रवाना हो गईं।

'बीबीसी वर्ल्ड सर्विस' पर 'न्यूजआवर' को दिए एक इंटरव्यू में जॉय ने कहा कि उनकी मां की कोई राजनीतिक वापसी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि हसीना रविवार से ही इस्तीफा देने पर विचार कर रही थीं और परिवार के आग्रह के बाद अपनी सुरक्षा के लिए देश छोड़कर चली गईं।

खबर के मुताबिक, जॉय ने कहा कि 15 साल तक बांग्लादेश पर शासन करने वालीं उनकी मां बहुत निराश थीं कि उनकी इतनी मेहनत के बाद भी लोग उनके खिलाफ उठ खड़े हुए। हसीना की निराशा को अभिव्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, उन्होंने बांग्लादेश को बदल दिया है। जब उन्होंने सत्ता संभाली थी, तो इसे एक असफल राष्ट्र माना जाता था। यह एक गरीब देश था। लेकिन आज इसे एशिया के उभरते देशों में से एक माना जाता था। वह बहुत निराश हैं।

'पर्यटन की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कमेटी ने पर्यटन के लिहाज से न्यूनतम प्रभावकारी गतिविधियां करने का सुझाव दिया, साथ ही कचरा, यातायात व जल उपयोग पर सख्त नियम लागू करने का सुझाव दिया था। उपरोक्त सभी मदों से संबंधित रिपोर्ट को वहां की राज्य सरकार ने खारिज कर दिया था। इसमें केरल भी शामिल है और सरकार ने वर्ष 2013 में इस मामले पर एक नई समिति का गठन किया था जिसने पहाड़ी सीमा में संरक्षित एरिया को घटाकर 60 प्रतिशत के बजाए 37 प्रतिशत कर दिया था।

विशेषज्ञों ने पर्यटन बढ़ाने के लिए किए जा रहे विकास की आलोचना की, परन्तु बहुत सारे स्थानीय निवासियों ने तर्क दिया कि पर्यटन से जरूरी रोजगार मिलेगा जो कि यहां पर प्लान्टेशन के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगार माध्यम है। हालांकि, इस दृष्टिकोण को गलत नहीं कहा जा सकता लेकिन इस समस्या को बढ़ाने में इस उद्योग की भूमिका को स्वीकार करने की हिम्मत की जरूरत है। यह ऐसा समय है, जब ऐसी भयावह गलतियों से सबक सीखने की जरूरत है।

जयपुर ग्रामीण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिर्फ 1615 मतों से पराजित होना बताया गया। वहीं, जब उन्होंने पोस्टल बैलेट के मतों की पुन: गणना करने को कहा तो यह कहते हुए इन्कार कर दिया गया कि पोस्टल बैलेट की संख्या कम है, जबकि वास्तव में इनकी संख्या 1615 से काफी ज्यादा थी। यदि उनकी पुन: गणना होती तो वे विजयी हो जाते। इसलिए मतों की पुन: गणना कराई जाए और उन्हें विजयी घोषित किया जाए।

गौरतलब है कि चुनाव में भाजपा के राव राजेन्द्र सिंह को 6 लाख 17 हजार 877 मत मिले थे, जबकि अनिल चोपड़ा को 6 लाख 16 हजार 262 मत प्राप्त हुए थे। उस समय अनिल चोपड़ा ने पोस्टल बैलेट के मतों में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए पुन: मतगणना की मांग की थी, लेकिन उनकी मांग को खारिज कर दिया गया, जिसके बाद चोपड़ा रिटर्निंग ऑफिसर के कमरे में धरने पर भी बैठ गए थे।

कांग्रेस ने शिवराज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसकी 50 प्रतिशत अधिक राशि बतौर एम.एस.पी. मिल रही है वहीं, सुप्रीम कोर्ट में 6 फरवरी 2015 में दायर एक हलफनामा में भाजपा सरकार ने कहा था कि यह संभव नहीं है। हम जानना चाहते हैं कि वास्तव में सच क्या है।

कांग्रेस ने केन्द्रीय कृषि मंत्री के इस दावे को भी चुनौती दी कि किसानों को एम.एस.पी. की जरूरत नहीं है, क्योंकि उन्हें विभिन्न फसलों पर एम.एस.पी. से ज्यादा मूल्य मिल रहा है।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि चौहान को झूठ बोलने की आदत है। उन्होंने चौहान के इस दावे पर भी सवाल उठाया कि जब 2003 में जब दिग्विजय सिंह ने राज्य की सत्ता छोड़ी थी, तब मध्यप्रदेश की 7 लाख हैक्टयर जमीन ही सिंचित थी। जबकि 1997-1998 में राज्य की 33 लाख हैक्टेयर भूमि सिंचित थी।

उन्होंने चौहान के इस दावे पर भी सवाल उठाया कि कांग्रेस सरकार ने किसानों को कभी भी कर्ज में राहत नहीं दी, जबकि जब कमलनाथ मुख्यमंत्री बने थे, तब महज मध्यप्रदेश के 37 लाख किसानों को कर्ज माफ हुआ था।

बांग्लादेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चीजों पर हुआ है। उनकी मूर्ति गिरा दी गई है। शुरुआती संकेत बता रहे हैं कि देश अब बहुत उग्र और कट्टर इस्लामिक व्यवस्था की तरफ तेज़ी से बढ़ेगा। सबसे बुरी बात यह होगी कि भारत को इन घटनाक्रमों से बहुत नुकसान होगा। उल्लेखनीय है कि पूरे बाँग्लादेश में मंदिरों पर हमले हो रहे हैं। रामकृषण मिशन की इकाइयाँ एवं मंदिरों पर हमले हो रहे हैं। 'भारत सेवाश्रम संघ' पर हमला हुआ है।

बांग्लादेश में भारी बवाल, प्रधानमंत्री शेख...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यकर्ताओं ने इस दौरान ऑटोमैटिक हथियारों का भी प्रयोग किया।

सरकारी नौकरियों एवं शिक्षण संस्थानों में कुछ चुने हुए समूहों को आरक्षण देने के खिलाफ सप्ताहों तक चले विरोध प्रदर्शनों का सीधा परिणाम यह हुआ कि हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। ढ़ाका में सोमवार को हजारों की तादाद में प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री हसीना के सरकारी आवास में घुस गए।

आरक्षण कोटा सिस्टम के विरुद्ध छात्रों का प्रदर्शनकारी आन्दोलन जून माह में शांतिपूर्वक तरीके से प्रारम्भ हुआ था। हालांकि, बाद में यह आन्दोलन हिंसक हो गया था इसके परिणामस्वरूप दर्जनों लोगों की मृत्यु हो गई थी। एक अल्पकालिक शांति के बाद, हिंसक विरोध-प्रदर्शन पिछले सप्ताह फिर भड़क गया था। गत दो दिनों में इसके चलते 100 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई थी।

बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट द्वारा 21 जुलाई को सरकारी नौकरियों में भर्ती संबंधी विवादित आरक्षण कोटा को रद्द करने, जिसे कम करके 56 प्रतिशत से 30 प्रतिशत कर दिया गया था, के बाद से उम्मीद की जा रही थी कि आन्दोलन समाप्त हो जाएगा, लेकिन यह तो और भी खतरनाक हो गया था।

शेख हसीना ने आन्दोलनकारियों के वार्ता के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था, जिसमें उन्होंने कोटा सिस्टम का उचित समाधान बातचीत से सुलझाने का आह्वान किया था। परन्तु हसीना ने आरोप लगाया कि आन्दोलनकारी उन्हें बलपूर्वक पद से हटाने की योजना बना रहे थे तथा इस शंका के चलते उन्होंने हजारों की संख्या में विद्यार्थियों एवं कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी को जारी रखा। हसीना ने कट्टरपंथी धार्मिक संगठन जमात-ए-इस्लामी पर पाबंदी लगा दी और आन्दोलन की छवि को खराब करने के लिए उसे पाकिस्तान समर्थित बताया तथा कट्टरपंथी इस्लामिक रंग देने की कोशिश की। छात्रों ने एक सूत्रीय कार्यक्रम अपनाया था-सरकार को पद छोड़ने के लिए बाध्य करना और लोकतंत्र बहाली।

स्टूडैन्ट प्लेटफॉर्म फॉर नॉन कोऑपरेशन मूवमैंट के समन्वयक नाहिद इस्लाम ने शनिवार को ढाका की शहीद मीनार से घोषणा की थी कि हम इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि इंसानी जान की सुरक्षा और समाज में न्याय सुनिश्चित करने के लिए हम एक सूत्रीय मांग करेंगे कि प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद और मौजूदा सरकार सत्ता छोड़े तथा फासीवाद खत्म हो।

बांग्लादेश के सतत ग्रोथ मॉडल ने क्रोनी कैपिटलिज्म को बढ़ावा दिया है तथा कुछ खास समूहों के हितों को ध्यान में रखकर बनाई जाने वाली आर्थिक नीतियां संरक्षणवाद का प्रतिबिम्ब हैं।

सरकार ने पूर्व में इन्टरनैट शटडाउन का आदेश दिया था क्योंकि विरोधियों ने आम जनता से "लॉन्ग मार्च टू ढाका" की अपील की थी। हालांकि एक सरकार एजेंसी ने मौखिक आदेश देकर सोमवार को सवा बजे इन्टरनैट चालू करवा दिया।

बांग्लादेश मीडिया के एक सूत्र ने बताया कि अपनी सुरक्षा टीम की सलाह पर शेख हसीना ने देश छोड़ दिया, उन्हें तैयारी का समय भी नहीं मिला। वे कार से रवाना हुई तथा बाद में हैलीकॉप्टर से देश के बाहर चली गईं।

उनके देश छोड़ने के बाद उत्साही भीड़ ने झंडे लहराए, नृत्य किया। उन्होंने हसीना के पिता शेख मुजीबुर रहमान की मूर्ति तोड़ दी जो कि बांग्लादेश की आज़ादी के महानायक रहे हैं।

शेख हसीना के जाने के बाद अमेरिका में रह रहे उनके बेटे सजीब वाजेद ने सेना से सरकार को बचाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि "हमारी जनता और देश की सुरक्षा व संविधान की गरिमा बनाए रखना आपकी जिम्मेवारी है। इसका अर्थ है कि एक मिनट के लिए भी कोई गैर निर्वाचित सरकार सत्ता न संभालने पाए।

शेख हसीना वाजेद कहां जाएंगी, इस बारे में काफी अटकलें हैं। भारत, यू.के. और फिनलैंड जैसे देशों का नाम चर्चा में है।

"इस पॉलिसी में निवेश पोर्टफोलियो में निवेश का जोखिम पॉलिसीधारक द्वारा वहन किया जायेगा"

सबसे पहले लाइफ इंश्योरेंस

एक बार बचाएं... और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करें

योजना सं: 849 UIN:512L317V01
यूनिट लिंक्ड, असहभागी, एकल प्रीमियम, व्यक्तिगत जीवन बीमा योजना

चुनने की आजादी:
- बचत धनराशि: आप कम से कम रु. 1 लाख या जीवन के बड़े लक्ष्यों के लिए उससे बड़ी कोई रकम निवेश कर सकते हैं।
- 4 फंड विकल्प: आप 4 फंड विकल्पों–बांड, सुरक्षित, संतुलित एवं वृद्धि में से कोई चुन सकते हैं।
- नि:शुल्क फण्ड परिवर्तन: आप अपना धन वर्ष में चार बार नि:शुल्क एक फंड से दूसरे फंड में परिवर्तित कर सकते हैं।
- आवश्यकता पर निकासी : 5 वर्ष उपरांत आप आंशिक निकासी कर सकते हैं।*
- जोखिम सुरक्षा विकल्प : प्रीमियम भुगतान का 1.25 गुना अथवा 10 गुना जोखिम सुरक्षा चुनने का विकल्प।

पॉलिसी के लाभ:
- गारंटीकृत लाभ: यूनिट फंड वैल्यू के साथ गारंटीकृत लाभ*
- पॉलिसी परिपक्वता: यूनिट फंड वैल्यू

पात्रता :
- प्रवेश की आयु: न्यूनतम आयु: 90 दिन, अधिकतम आयु: 35 वर्ष / 70 वर्ष (चयनित जोखिम सुरक्षा के अनुसार)
- परिपक्वता आयु: न्यूनतम आयु: 18 वर्ष, अधिकतम आयु: 50 वर्ष / 85 वर्ष (चयनित जोखिम सुरक्षा के अनुसार)
- पॉलिसी अवधि: 10 – 25 वर्ष

अधिक विवरण के लिए अपने अभिकर्ता/एलआईसी की नजदीकी शाखा से संपर्क करें
एसएमएस करें अपने शहर का नाम 56767474 पर
कॉल सैंटर सेवा (022) 6827 6827 | डाउनलोड करें एलआईसी मोबाइल एप "MyLIC"
विजिट करें www.licindia.in पर; हमें फॉलो करें LIC India Forever

करार के प्रथम पाँच वर्ष में यूनिट से संबद्ध बीमा पॉलिसियां समाप्त नहीं की जा सकती। पाँचवे वर्ष के अंत तक यूनिट से संबद्ध बीमा पॉलिसियों को पॉलिसीधारक न समर्पण कर सकता है और न ही उनमें निवेश किये गए धन को आंशिक या पूर्ण रूप से निकाल सकता है।
नियम व शर्तों की विस्तृत जानकारी के लिए बिक्री समापन से पूर्व बिक्री-पुस्तिका ध्यानपूर्वक पढ़ लें। * शर्तें लागू

भ्रामक/धोखाधड़ी वाले फोन कॉल्स से सावधान
आईआरडीएआई बीमा पॉलिसी विक्रय, बोनस की घोषणा अथवा प्रीमियम संबंधी गतिविधियों से संबंध नहीं रखता है। ऐसे फोन कॉल्स के प्राप्त होने पर आपसे निवेदन किया जाता है कि तुरन्त पुलिस से शिकायत दर्ज करवायें।
IRDAI Regn No.: 512
LIC भारतीय जीवन बीमा निगम LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
हर पल आपके साथ
LIC/AR/19-20/39/HIN

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600